शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, रविवार 20 जुलाई 2025 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 10, संवत 2082 ● रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 103 ● मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.8	23.0
डालटनगंज	34.2	24.5
धनबाद	32.9	27.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

संवैधानिक परंपरा ही स्वशासन की बुनियाद

क्या यह वही स्वशासन है जिसकी कल्पना आदिवासी आत्मनिर्णय, सामूहिक न्याय और लोकतांत्रिक भागीदारी के रूप में की गई थी?

सुधीर पाल

जिन गांवों को संविधान की पांचवीं अनुसूची और पेसा कानून ने 'स्वशासी' माना है,

आज वहीं से खबरें आ रही हैं–
गांव में घुसने पर रोक लगा दी गई...
चरवाहा समुदाय को मवेशी चराने के लिए बाध्य करना...
डायन करार देकर महिला की हत्या...

इन पंक्तियों को पढ़ते हुए क्या यह यकीन किया जा सकता है कि ये वही गांव हैं, जिन्हें 'ग्राम सभा सर्वोच्च है' कहकर सम्मानित किया जाता है? क्या यह वही स्वशासन है जिसकी कल्पना आदिवासी आत्मनिर्णय, सामूहिक न्याय और लोकतांत्रिक भागीदारी के रूप में की गई थी? या फिर यह स्वशासन नया शोषण, नया बहिष्कार और नया पितृसत्तात्मक नियंत्रण का केंद्र बनता जा रहा है?

जब भारतीय संविधान ने पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आदिवासी क्षेत्रों को विशेष संरक्षण देने की बात की, और जब 1996 में 'पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम' यानी पेसा आया, तो उसकी आत्मा में यह निहित था कि आदिवासी समाज को अपने तरीके से जीने, फैसले लेने, और सामूहिक रूप से न्याय करने का अधिकार मिलना चाहिए. ग्राम सभा को सर्वोच्च संस्था माना गया. माना गया कि यहां निर्णय-प्रक्रिया लोकतांत्रिक, सहभागी और सामाजिक न्याय की भावना से ओत-प्रोत होगी.

लेकिन आज कई गांवों से ऐसी खबरें आ रही हैं जो इन मूलभूत सिद्धांतों को झकझोरती हैं. सवाल उठता है कि क्या स्वशासन की यह व्यवस्था शोषण का नया औजार बनती जा रही है?

सामाजिक बहिष्कार 'हथियार'

गांवों में सामाजिक बहिष्कार अब एक नया 'हथियार' बन गया है. प्रेम विवाह किया?-बहिष्कार. महिला ने शराबबंदी पर आवाज़ उठाई?-बहिष्कार. आदिवासी युवक ने परंपरा को चुनौती दी?-बहिष्कार. कोई शिक्षित आदिवासी महिला ज़मीनी हक़ की बात करे?-बहिष्कार. और यह सब होता है परंपरा के नाम पर और 'ग्राम सभा' की स्वीकृति से. बहिष्कार का मतलब है- पानी नहीं मिलेगा, खेत में घुसने नहीं देंगे, श्मशान में दाह-संस्कार नहीं करने देंगे, सामाजिक उत्सवों से बाहर कर देंगे. यह 'निर्दोष की सामूहिक सजा' है, जो पूरी तरह से असंवैधानिक और अमानवीय है.

यह स्थिति स्पष्ट करती है कि जब तक निर्णय प्रक्रिया सभी के लिए खुली, समान भागीदारी वाली, और न्याय-सम्मत नहीं होगी, तब तक स्वशासन का नाम लेकर भी शोषण ही होगा. इन घटनाओं से स्पष्ट है कि स्वशासन की संस्था जिसे लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण होना चाहिए था, अब कई स्थानों पर बहिष्कारी, पितृसत्तात्मक और संकीर्ण होती जा रही है.

न्यायिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप बढ़े

अब सवाल यह उठता है कि आदिवासी समुदाय के लोगों के समक्ष न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाने की नौबत कब आती है? भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13(3) में 'प्रथा' को कानून का सर्वप्रथम श्रोत कहा गया है. किसी भी अदालत को प्रथागत कानून से संबंधित निर्णय लेने से पहले कुछ मौलिक प्रश्नों का सामना करना पड़ता है. उदाहरण के लिए 'प्रथा क्या है?' प्रथाओं को कैसे साबित किया जा सकता है? 'प्रथाओं' का प्रयोग किसी विशेष परिस्थितियों में कैसे किया जा सकता है?' और प्रथाओं की संवैधानिक वैधता क्या है? इस प्रश्न के जवाब में तीन बातों का ख्याल रखा जाना अनिवार्य है. सर्वप्रथम, किसी भी प्रथा अथवा परंपरा का लंबे समय से पालन किया जा रहा हो, समुदाय ने उस प्रथा को इस हद तक अपना लिया हो कि उसका पालन न करना प्रतिबंध के दायरे में आता हो और ये प्रथायें किसी भी तरह से अविवेकी अथवा लोक नीति के विरुद्ध न हों. भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची के तहत प्रथागत कानून को मान्यता प्रदान की गई है, बावजूद इस तथ्य के कि ये फिलहाल सूचीबद्ध नहीं हैं.

देखा जा रहा है कि शोषण के नए रूप में बहिष्कार, जुर्माना और मानसिक हिंसा को हथियार बनाया जा रहा है. आदिवासी परंपरागत व्यवस्था को समाज के भीतर से ही चुनौती मिल रही है. कई तुगलकी फैसलों के खिलाफ समाज के ही लोग न्यायालय और प्रशासन के पास न्याय के लिए पहुंच रहे हैं. लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने कई मामलों में परंपरा के रूढ़ प्रावधानों को असंवैधानिक ठहराया है. सुप्रीम कोर्ट ने अभी 17 जुलाई को आदिवासी महिलाओं को पैतृक संपत्ति में समान हिस्सेदारी का हकदार बताया है. सुप्रीम कोर्ट की मान्यता है कि महिला उत्तराधिकारी को संपति में अधिकार देने से इनकार करने से लैंगिक विभाजन और भेदभाव बढ़ता है, जिसे कानून द्वारा समाप्त किया जाना चाहिए. झारखंड हाई कोर्ट ने भी निर्मला मिंज के मामले में लगभग यही रुख अपनाया था.

हाल ही में पश्चिम सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर के गुलकोड़ा पंचायत के लुपुगबेड़ा गांव के गोप समुदाय के दर्जनों परिवारों का सामाजिक बहिष्कार किया गया है. उनका अपराध था कि उन्होंने मवेशी चराने से इनकार किया था. गोप समुदाय के लोगों ने जिले के उपायुक्त से मिलकर इस घटना की जानकारी दी.

-शेष पेज 7 पर...

ब्रीफ न्यूज

अमेरिका :भीड़ में घुसी कार, 20 लोगों को रौंदा

वाशिंगटन। अमेरिका के कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स शहर में शनिवार को एक बड़ा हादसा हुआ है. लॉस एंजिल्स के ईस्ट हॉलीवुड इलाके में तेज रफ्तार का कहर देखने का मिला है, जब एक तेज रफ्तार कार भीड़ के अंदर घुस गई. भीड़ के घुसने के बाद कार ने कम से कम 28 लोगों को रौंदकर घायल कर दिया है. सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना में 28 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं. इसमें पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं. वहीं, करीब 8 से 10 लोग भी गंभीर अवस्था में हैं, जबकि 19 लोगों की हालत सामान्य बताई जा रही है.

हवन में हड्डियां डाली तो गायब हो जाओगे

रुद्रपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के रुद्रपुर में आयोजित उत्तराखंड निवेश उत्सव में हिस्सा लेते हुए पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य के विकास कार्यों की जमकर तारीफ की. शाह ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा, जब उत्तराखंड के लोग राज्य की मांग के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब कांग्रेस ने आंदोलनकारियों पर लाठियां चलवाईं. उत्तराखंड का गठन भाजपा और पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था. उन्होंने कांग्रेस नेताओं को चेतावनी दी- जब राज्य का भला हो रहा हो, तो उसमें हवन में हड्डियां डालना बंद करो, नहीं तो जो बचे-खुचे दिख रहे हो, वो भी गायब हो जाओगे. यह वह भूमि है जहां एक ज्योतिर्लिंग, तीन शक्तिपीठ, चार धाम, पंच केदार, पंच प्रयाग और सप्त बद्री जैसे पावन स्थल स्थित हैं.

उद्धव ने एमवीए की एकता पर उठाए सवाल

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सवाल उठाया है कि अगर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा की तरह सीट बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन में देरी जैसी गलतियां दोबारा हुईं तो महा विकास आघाडी (एमवीए) का क्या औचित्य रह जाएगा. उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एमवीए के प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद का उत्साह विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टियों के खुद के जीतने पर केंद्रित व्यक्तिगत अहंकार में बदल गया, जो अंततः उनकी हार का कारण बना. शिवसेना (उबाठा) के मुखपत्र 'सामना' को दिए इंटरव्यू में उद्धव ठाकरे ने इस बात पर अफसोस जताया कि उनकी पार्टी को लोकसभा चुनाव के दौरान अपने एमवीए सहयोगियों को वे सीट देनी पड़ीं, जो उसने पहले कई बार जीती थीं.

कोचिंग सेंटरों का न हो बाजारीकरण: धनखड़

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोचिंग सेंटरों के बढ़ते चलन पर चिंता जताते हुए कहा कि कोचिंग कौशल के लिए होनी चाहिए. कोचिंग आत्मनिर्भर बनाने के लिए होनी चाहिए, लेकिन कुछ सीमित सीटों के लिए देशभर में कोचिंग सेंटर अखबारों में विज्ञापन के लिए होड़ कर रहे हैं. बच्चों की तस्वीरें रैंक के साथ प्रकाशित की जाती हैं. कोचिंग का बाज़ारीकरण नहीं होना चाहिए. युवाओं को अपने संकीर्ण दायरों से बाहर निकलना होगा. उन्होंने रक्षा संपदा सेवा के 2024 बैच के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा, वे किसी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन शिक्षा का कोचिंग से यह जुड़ाव नहीं होना चाहिए.

राहुल का मोदी सरकार पर करारा हल्ला बोल

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार के बहुचर्चित मेक इन इंडिया अभियान को लेकर करारा हमला बोला है. शनिवार को राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक सामानों के निर्माण के नाम पर केवल असेंबलिंग का काम हो रहा है. असली मैन्युफैक्चरिंग अब भी चीन जैसे देशों में हो रही है. राहुल गांधी ने वीडियो में दावा किया कि भारत में बिकने वाले ज़्यादातर टेलीविज़न सेट्स के 80 फीसदी से अधिक पुर्ज़े चीन से आयातित हैं.

झारखंड में मेट्रो रेल परियोजना को लेकर हेमंत सरकार का बड़ा कदम

रांची, जमशेदपुर व धनबाद के लिए केंद्र को भेजा प्रस्ताव

- वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने फिलहाल रांची, जमशेदपुर और धनबाद के लिए मेट्रो रेल परियोजना का प्रस्ताव भेजा

शुभम संदेश। रांची

पड़ोसी राज्य बिहार की राजधानी पटना में मेट्रो रेल परियोजना का पहला चरण अपने अंतिम दौर में है. इस बीच, झारखंड में भी मेट्रो रेल शुरू करने की जनभावना तेज हो रही है. इसे ध्यान में रखते हुए हेमन्त सोरेन सरकार ने राज्य के तीन प्रमुख शहरों रांची, जमशेदपुर और धनबाद में मेट्रो रेल परियोजना शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया है. यह प्रस्ताव केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री मनोहर लाल खट्टर और विभागीय सचिव को भेजा गया है. बता दें कि 10 जुलाई को रांची में आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष मेट्रो रेल परियोजना का प्रस्ताव रखा. इस प्रस्ताव को अब नगर विकास विभाग ने औपचारिक रूप से केंद्र सरकार को सौंप दिया है. राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि मेट्रो रेल परियोजना से न केवल शहरीकरण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राज्य में चतुर्मुखी विकास की गति भी तेज होगी.

सभी पांच प्रमंडलों में मेट्रो की है संभावना

राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने एक बातचीत में कहा कि फिलहाल रांची, जमशेदपुर और धनबाद के लिए मेट्रो रेल परियोजना का प्रस्ताव भेजा गया है, लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच इससे कहीं बड़ी है. उनका मानना है कि भविष्य में राज्य के सभी पांच प्रमंडलीय शहरों में मेट्रो रेल की सुविधा शुरू की जा सकती है. उन्होंने कहा, यह परियोजना झारखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी.

पूर्ववर्ती सरकारों पर साधा निशाना

वित्त मंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले इस तरह की विकास परियोजनाओं के प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे ही नहीं जाते थे. उन्होंने बताया, "देश के दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों की सरकारें बुनियादी ढांचे और विकास से जुड़े प्रस्ताव केंद्र को भेजती थीं, लेकिन झारखंड में ऐसा नहीं होता था." हेमन्त सोरेन सरकार ने इस दिशा में सक्रियता दिखाते हुए न केवल योजनाओं पर मंथन किया, बल्कि उन्हें केंद्र के समक्ष प्रस्तुत भी किया.

केंद्र से स्वीकृति न मिलने पर संवैधानिक सवाल : राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि यदि केंद्र सरकार मेट्रो रेल परियोजना को स्वीकृति नहीं देती, तो यह संविधान के संघीय ढांचे के खिलाफ होगा. उन्होंने जोर देकर कहा कि झारखंड सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है और केंद्र से सहयोग की अपेक्षा रखती है.

प्रस्ताव में क्या है खास? : सरकार के नगर विकास विभाग ने केंद्र को भेजे प्रस्ताव में रांची, जमशेदपुर और धनबाद में मेट्रो रेल परियोजना के क्रियान्वयन, फिजिबिलिटी स्टडी और सर्वे की मांग की गई है. प्रस्ताव में केंद्र से आग्रह किया गया है कि इन तीनों शहरों में मेट्रो परियोजना को जल्द स्वीकृति दी जाए, ताकि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा सके.

झारखंड के लिए मेट्रो का महत्व : मेट्रो रेल परियोजना को रांची, जमशेदपुर और धनबाद के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है. यह न केवल यातायात को सुगम बनाएगी, बल्कि शहरी विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति में भी योगदान देगी. हेमन्त सरकार का यह कदम झारखंड को आधुनिक बुनियादी ढांचे की दिशा में एक कदम आगे ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण है.

मंईयां योजना से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ती महिलाएं

7023 लाभुकों के बीच 1.29 लाख चूजे हजारों बतख व बकरियों का वितरण

रांची। झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार मील के पत्थर साबित हो रही है. इस योजना के तहत अकेले रांची जिले में जुलाई माह के दौरान अब तक 7023 लाभुक महिलाओं के बीच कुल 1,29,474 चूजे, 2531 लाभुकों को 40,015 बतख, और 2252 महिलाओं को 5637 बकरियों का वितरण किया गया है. यह जानकारी जिला उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने एक ऑनलाइन समीक्षा बैठक के दौरान दी. उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं को आजीविका के बेहतर साधन प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है.

स्वावलंबन की दिशा में तेज़ी से बढ़ रहा कदम : बैठक में उपायुक्त ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है. उन्होंने लाभुकों के भौतिक सत्यापन को गंभीरता से लेने के निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी समयबद्ध ढंग से शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करें. बैठक में सामाजिक सुरक्षा, पशुपालन, बैंकिंग, उद्योग, जेएसएलपीएस सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे. उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि योजना के तहत लाभुकों को दी जाने वाली सुविधाएं समय पर और पारदर्शी ढंग से पहुंचे.

हजारीबाग: बरही की राधा गोपाल इंडस्ट्री में बॉयलर विस्फोट

कुछ लोगों के हताहत होने की आशंका

शुभम संदेश। हजारीबाग

झारखंड के हजारीबाग जिले के बरही क्षेत्र में शनिवार सुबह एक आयरन फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भट्टी फटने से हुए इस हादसे में चार से अधिक लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है, जबकि कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ जब फैक्ट्री में रोज़ाना की तरह उत्पादन कार्य चल रहा था. अचानक तेज़ धमाके की आवाज़ सुनाई दी, जिसके बाद पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई. फैक्ट्री के बाहर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, लेकिन शुरुआती तौर पर फैक्ट्री प्रबंधन ने गेट नहीं खोला, जिससे लोगों में आक्रोश भी देखा गया.

पुलिस ने पहुंचकर खुलवाया गेट : घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फैक्ट्री का गेट खुलवाया. इसके बाद घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया. हादसे के बाद प्रशासन ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग को अलर्ट मोड पर रखा है ताकि घायलों को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके.

तकनीकी खामी या अधिक दबाव के कारण फटा होगा बॉयलर : प्रारंभिक जांच में यह संभावना जताई जा रही है कि बॉयलर में तकनीकी खामी या दबाव अधिक होने के कारण विस्फोट हुआ होगा. हालांकि, बॉयलर फटने के पीछे का सही कारण जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा. पुलिस बॉयलर फटने के पीछे के कारणों का पता लगा रही है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके.

औद्योगिक सुरक्षा पर फिर उठा सवाल

यह हादसा एक बार फिर औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी को उजागर करता है. साथ ही औद्योगिक सुरक्षा मानदंडों के पालन की आवश्यकता पर जोर देता है. प्रशासन ने सभी फैक्ट्रियों को बॉयलर और अन्य उपकरणों की सुरक्षा जांच कराने का निर्देश दिया है.

विधायक भी पहुंचे मौके पर : घटना की जानकारी मिलने पर विधायक मनोज यादव भी प्लांट पहुंचे बताया कि बॉयलर फटने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, स्थानीय प्रशासन घटना के कारणों की गहन जांच करे. साथ की कहा कि घटना से प्रभावित पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं. साथ ही सभी फैक्ट्री संचालकों को यह स्पष्ट संदेश देते हुए बोले कि सुरक्षा मानकों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

ओडिशा में फिर इंसानियत शर्मसार

पुरी में बदमाशों ने नाबालिग को आग के हवाले किया, गंभीर

एजेंसियां। भुवनेश्वर

ओडिशा के पुरी जिले में शनिवार को बदमाशों ने एक 15 साल की मासूम लड़की को आग के हवाले कर दिया. बच्ची को गंभीर हालत में एम्स भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया है. महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रभारी उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने एक पोस्ट में घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मैं यह खबर सुनकर दुखी और स्तब्ध हूं कि पुरी जिले के बलंगा में कुछ बदमाशों ने सड़क पर एक 15 साल की लड़की पर पेट्रोल डालकर उसे आग लगा दी. उन्होंने कहा, लड़की को तुरंत एम्स भुवनेश्वर ले जाया गया है. उसके इलाज की सभी व्यवस्थाएं की गई हैं. इलाज का सारा खर्च सरकार वहन करेगी. पुलिस प्रशासन को दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने और सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं.

तीन बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बयाबार गांव में तीन बदमाशों ने लड़की को उस समय आग लगा दी, जब वह अपने दोस्त के घर जा रही थी. घटना के बाद वे मौके से फरार हो गए. स्थानीय लोगों ने आग बुझाई और उसे अस्पताल पहुंचाया. पुलिस गांव पहुंच गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

बुरी तरह जल गई बच्ची

पुरी की डीएम चंचल राणा ने कहा, हमें नीमापाड़ा ब्लॉक के बलंदा पुलिस थाने में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी मिली. यहां एक 16 वर्षीय लड़की को आग लगा दी गई. वह बुरी तरह जल गई है. हमने एम्स से संपर्क किया और उसके लिए आपातकालीन देखभाल की व्यवस्था की गई. पुलिस सभी आवश्यक कार्रवाई करेगी.

तेजस्वी ने देश के 35 बड़े नेताओं को लिखी चिट्ठी

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने अब चिट्ठियों के जरिए देशव्यापी पहुंच बनाने की कोशिश शुरू की है. उन्होंने देशभर के 35 दिग्गज नेताओं को अंग्रेजी में चिट्ठी लिखी है. चिट्ठी निर्वाचन आयोग की ओर से बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ है. तेजस्वी लगातार इसे गरीब और अनपढ़ मतदाताओं का नाम हटाने की साजिश बता रहे हैं और चूंकि आयोग बिहार के बाद इसे बाकी राज्यों में कराने की तैयारी में है, तो तेजस्वी ने यह पत्र राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत देश के तमाम विपक्षी नेताओं को भेजी है. तेजस्वी यादव ने पत्र में लिखा है कि यह पत्र मैं आपको गहरी पीड़ा के साथ लिख रहा हूं. उन्होंने लिखा है कि भाजपा सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण की आड़ में मतदान के अधिकार एवं लोकतंत्र पर हमला कर रहा है.

बड़ी उपलब्धि : भारतीय वैज्ञानिकों को मिली बीमारी रोकने पर कामयाबी

मलेरिया के लिए आ गई पहली स्वदेशी वैक्सीन

शुभम संदेश डेस्क

मच्छरजनित बीमारियां भारत में हर साल स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ाती जा रही हैं. विशेषतौर पर मानसून के दिनों में इसका खतरा काफी बढ़ जाता है. डेंगू-मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के कारण बड़ी संख्या में न केवल लोगों को अस्पतालों में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है, बल्कि इसके जानलेवा दुष्प्रभाव भी देखे जाते रहे हैं. इस दिशा में भारतीय वैज्ञानिकों को अब बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. भारत ने मलेरिया की रोकथाम के लिए अपना पहला टीका तैयार कर लिया है. जल्द ही टीके के उत्पादन के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) निजी कंपनियों के साथ समझौता करने की तैयारी में है. विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि इससे न सिर्फ अस्पतालों पर पड़ने वाले दवाब को कम किया जा सकेगा बल्कि रोगियों की जान बचाने में भी मदद मिल सकेगी.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की नवीनतम विश्व मलेरिया रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में दुनियाभर में मलेरिया के अनुमानित 263 मिलियन (26.3 करोड़) मामले सामने आए और 5.97 लाख लोगों की मौत हो गई. टीका आने के बाद मौत के जोखिमों को और कम किया जा सकता है.

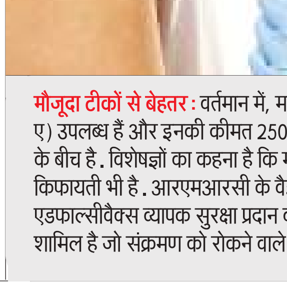

भारत में मलेरिया की क्या स्थिति है

भारत ने अपनी व्यापक रणनीति और अथक प्रयासों से मलेरिया की रोकथाम में सफलता पाई है. डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में मलेरिया के अनुमानित मामलों की संख्या 2017 में 64 लाख से घटकर 2023 में 20 लाख रह गई, जो 69% की गिरावट है. इसी प्रकार, इसी अवधि में मलेरिया से होने वाली मौतें 11,100 से घटकर 3,500 हो गई, जो 68% की कमी है. अब स्वदेशी टीके के निर्माण से मलेरिया के खिलाफ लड़ाई को और मजबूती मिलने की उम्मीद है. आईसीएमआर ने जानकारी दी है कि मलेरिया के टीके की खोज पूरी कर ली गई है. इसे फिलहाल एडफाल्सीवैक्स नाम दिया है, जो मलेरिया परजीवी प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के खिलाफ पूरी तरह असरदार पाया गया है. आईसीएमआर और भुवनेश्वर स्थित क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी) के शोधकर्ताओं ने मिलकर यह स्वदेशी टीका तैयार किया है.

मौजूदा टीकों से बेहतर : वर्तमान में, मलेरिया के दो टीके (आरटीएस,एस/एएस01 (मॉस्किरीक्स) और आर21/मैट्रिक्स-ए) उपलब्ध हैं और इनकी कीमत 250 से 830 प्रति खुराक के बीच है. इनकी प्रभावकारिता दर 33 प्रतिशत से 67 प्रतिशत के बीच है. विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा टीकों के विपरीत, एडफाल्सीवैक्स दोहरे चरण की सुरक्षा प्रदान करता है और किफायती भी है. आरएमआरसी के वैज्ञानिक डॉ. सुशील सिंह ने कहा कि नया टीका मानव संक्रमण को रोक सकता है. एडफाल्सीवैक्स व्यापक सुरक्षा प्रदान कर सकती है. इसमें पीएफएस230 और पीएफएस48/45 प्रोटीन का एक नया मिश्रण शामिल है जो संक्रमण को रोकने वाले मजबूत एंटीबॉडी बनाता है.

राज ठाकरे के बयान पर दूबे का आया जवाब, कहा

मैंने उन्हें हिंदी सिखा दी है...

शुभम संदेश डेस्क

मनसे सुप्रीमो राज ठाकरे और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बीच जुबानी जंग जारी है. ठाकरे ने निशिकांत दुबे के पटक-पटक कर मारेंगे वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा, दुबे तुम मुंबई आ जाओ, समुद्र में डुबो-डुबो कर मारेंगे. अब दुबे ने जवाब दिया है कि मैंने राज ठाकरे को हिंदी सिखा दी. सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को एक्स पर लिखा- राज ठाकरे को जवाब देते हुए कहा कि मैंने राज ठाकरे को हिंदी सिखा दी. इसमें उन्होंने ठाकरे के वीडियो के साथ प्रतिक्रिया दी है.

बता दें कि राज ठाकरे ने एक कार्यक्रम में मंच से दुबे के लिए कहा, तुम कहते हो कि मराठी लोगों को हम यहां पटक पटक के मारेंगे... तुम मुंबई आओ. समुद्र में डूबो डूबो के मारेंगे. इसके साथ, ठाकरे ने कहा, यहां के लोग जहां भी जाएं मराठी बोलें. राज ठाकरे बोले- मैं किसी से भी बेहतर हिंदी बोल सकता हूं. इसी का जवाब शनिवार को निशिकांत दुबे ने दिया है.

काफी समय से भाषा को लेकर चला विवाद

बता दें कि महाराष्ट्र में भाषा को लेकर पिछले कई दिनों से विवाद छिड़ा है. ऐसे कई वीडियो सामने आए, जिसमें देखा गया कि राज ठाकरे के समर्थक मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में हिंदी बोलने वाले लोगों के साथ बहस कर रहे हैं. इसके बाद उनकी पिटाई भी कर रहे हैं. इस तरह के कई मामले सामने आने के बाद विवाद बढ़ गया.

मंत्री इरफान अंसारी ने बेटे का वीडियो वायरल होने के बाद की भावुक पोस्ट, बोले

मेरे बेटे को गलत तरीके से घसीटा जा रहा

शुभम संदेश। रांची

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बेटे का अस्पताल निरीक्षण वाली रील जब वायरल हुई उसे लेकर मीडिया में खबरें चलीं, इसके बाद पिता की तरफ से भावुक बयान सामने आया है. इरफान अंसारी ने बेटे कृष अंसारी को लेकर कई बातें सोशल मीडिया पर कही है. उन्होंने साफ तौर से कहा है कि सच्चाई को समझें – मेरे बेटे कृष को गलत तरीके से घसीटा जा रहा है. मेरे बेटे कृष अंसारी को लेकर जो बातें कुछ मीडिया माध्यमों और राजनीतिक मानसिकता के लोग फैला रहे हैं, वो पूरी तरह निराधार, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण हैं. कृष रिम्स किसी निरीक्षण या नेतागिरी के लिए नहीं गया था. वह तो अपने शिक्षक आदित्य कुमार झा के पिता जी को देखने गया था, जो रिम्स में भर्ती हैं. इसी क्रम में बीती रात कुछ आदिवासी परिवार हमारे आवास पर सहायता के लिए पहुंचे, जो रिम्स में अपने परिजन के इलाज को लेकर बेहद परेशान थे. उनके आग्रह पर ही कृष मानवीय आधार पर वहां गया – किसी की तकलीफ कम करने की कोशिश करने. साथ ही, संयोग से एक वरिष्ठ पत्रकार बंधु के परिजन भी रिम्स में भर्ती थे, जिन्हें भी सहायता की आवश्यकता थी. कृष ने इंसानियत और संवेदनशीलता के भाव से, यथासंभव मदद की – बस इतना ही. लेकिन आज जिस तरह इस घटना को तोड़-मरोड़ कर, राजनीति का रंग चढ़ाकर, बिना तथ्यों के प्रस्तुत किया जा रहा है –

वह बेहद दुखद और चिंताजनक है. कृष एक पढ़ा-लिखा, संवेदनशील और होनहार छात्र है. वह अभी छुट्टियों में रांची आया हुआ है. सेवा की भावना उसके भीतर सहज रूप से मौजूद है – आखिर वह पूर्व सांसद फुरकान अंसारी का पोता है, जिन्होंने झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. ऐसे परिवार में जन्मे युवा में जनभावना और सेवा का स्वाभाविक संस्कार होना कोई अचरज नहीं.

लेकिन क्या अब मदद करना भी अपराध है?

कृष बार-बार मुझसे एक ही सवाल कर रहा है –

पापा, क्या लोगों की मदद करना गुनाह है? क्या किसी की तकलीफ देखकर मदद करना नेतागिरी कहलाता है?

यह सवाल मुझे भीतर तक तोड़ देता है.

मेरा बेटा न तो किसी किसान को गाड़ी से कुचलता है,

न ही किसी के मुंह में पेशाब करता है,

और न ही सत्ता के नशे में इंसानियत भूल जाता है.

उसने तो बस एक बीमार को देखा... और मदद की.

क्या अब संवेदनशीलता और करुणा भी अपराध मानी जाएगी?

मैं इस सोच से बेहद व्यथित हूं और सोचने को मजबूर हूं कि

आखिर हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है?

क्या हर युवा हाथ जो मदद के लिए उठता है,

अब राजनीति की काली स्याही से रंग दिया जाएगा?

यह हाय-तौबा, यह मानसिकता, समाज के लिए घातक है.

मैं आप सभी से हाथ जोड़ कर निवेदन करता हूं –

कृपया सच्चाई को समझें. राजनीति के चश्मे को उतारें.

यह एक युवा की संवेदनशीलता और सेवा-भावना का अपमान है.

कृष का मन टूटा हुआ है, लेकिन उसके इरादे मजबूत हैं.

आपको बता दें कि इरफान अंसारी के बेटे कृष अंसारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. जिसके बाद कई तरह के सवाल उठ रहे हैं कि क्या मंत्री के बेटे को इतना अधिकार है कि वह अस्पतालों का निरिक्षण कर सके. इसी बात को लेकर इरफान अंसारी की तरफ से यह भावुक पोस्ट किया गया है.

मेरी पोस्ट किसी को बदनाम करना नहीं बल्कि सच्चाई दिखाना था : कृष अंसारी

कृष ने कहा है कि उन्हें वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं और कुछ मीडिया वर्गों से विरोध का सामना करना पड़ रहा है. लेकिन उन्होंने साफ किया कि उनकी पोस्ट का उद्देश्य कभी किसी को बदनाम करना या उकसाना नहीं था. उनका कहना है कि उन्होंने केवल उन ज़मीनी सच्चाइयों को दिखाने की कोशिश की जो आम लोग हर दिन झेल रहे हैं, चाहे वो राशन वितरण हो या अस्पतालों की दुर्दशा. सच्चाई से पीछे हटने का मतलब यह नहीं कि मैं हार गया. इसका मतलब बस इतना है कि मैं अब अपनी आवाज़ को सही समय और माध्यम से उठाऊंगा. मक़सद सिर्फ़ जागरूकता फैलाना और उन आवाज़ों के साथ खड़ा होना था जो अक्सर अनसुनी रह जाती हैं. फिलहाल अब सभी की नजरें राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पर टिकी हैं कि वे इस मामले में क्या रुख अपनाते हैं. साथ ही क्या कोई दिशा-निर्देश या कार्रवाई होगी या यह मामला भी वक्त के साथ दब जाएगा?

बड़े साहबों के लिए आईएएस क्लब में बनेगा एक करोड़ की लागत से जिम

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची के दीनदयाल नगर स्थित आईएएस क्लब में बड़े साहबों के लिए एक करोड़ की लागत से जिम बनेगा. बड़े साहब के आदेश पर जिम बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. कार्मिक विभाग के अधिकारियों को जिम बनाने की आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया है. जानकारी के अनुसार कार्मिक विभाग के अधिकारियों ने दीनदयाल नगर स्थित आईएएस क्लब का निरीक्षण भी किया है. उस स्थान का मुआयना किया है, जहां जिम स्थापित होगा. जिम बनाने पर खर्च होनेवाली राशि राज्य सरकार वहन करेगी.

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिम बनाने पर लगभग एक करोड़ की राशि खर्च की जाएगी. इसमें लगभग 95 लाख रुपए जिम के इक्विपमेंट पर खर्च किए जाएंगे. इसके अतिरिक्त संबंधित भवन के आधारभूत संरचना को जिम स्थापित करने के अनुरूप बनाने पर लगभग पांच लाख रुपए की राशि खर्च होगी. जानकारी के अनुसार बड़े साहबों के स्वास्थ्य को ध्यान में रख कर आईएएस क्लब में जिम बनाया जा रहा है. मोरहाबादी मैदान में आज कल टहलने के समय अत्यधिक भीड़ की वजह से कई बड़े अधिकारी अब आईएएस क्लब परिसर में ही टहलते हैं. मोरहाबादी मैदान में टहलने के दौरान बड़े अधिकारियों को कई तरह की समस्या भी पैदा होती है. वे अपने को आम लोगों के साथ टहलने में अपने को असहज भी महसूस करते हैं. ताक बिठाए कई अधिकारी, व्यवसायी, ठेकेदार और आम लोग भी उन्हें मोरहाबादी मैदान में पकड़ लेते हैं. उनसे अपनी समस्या बताने लगते हैं. अपनी पैरवी करने लगते हैं. इस कारण आईएएस क्लब में ऐसी व्यवस्था की जा रही है ताकि टहलने के लिए उन्हें मोरहाबादी मैदान नहीं जाना पड़े. क्लब में ही टहलने और व्यायाम की पूरी व्यवस्था हो सके.

झारखंड को जापानी निवेश से जल्द ही मिलेगा बूस्ट!

जेआईसीए, जेईटीआरओ और एनईसी से हुई अहम मुलाकातें

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने राज्य में औद्योगिक विकास, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है. राज्य के उद्योग सचिव अरवा राजकमल के नेतृत्व में झारखंड प्रतिनिधिमंडल ने जापानी एजेंसियों और कंपनियों के साथ दिल्ली में कई अहम बैठकें कीं. झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (जियाडा) के एमडी वरुण रंजन और उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने जेआईसीए इंडिया की अतिरिक्त मुख्य विकास विशेषज्ञ अदिति पुरी से मुलाकात की. बैठक में औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य अवसंरचना और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई. जेआईसीए ने झारखंड के प्रयासों की सराहना करते हुए इन क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी की गहरी रुचि दिखाई.

औद्योगिक विकास में रणनीतिक सहयोग देगा जेआईसीए : बाद में एक बयान जारी करके कहा गया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिशा निर्देश पर राज्य में विकास योजनाओं को गति देने के उद्देश्य को लेकर उद्योग सचिव अरवा राजकमल और ज़ियाडा के प्रबंध निदेशक श्री वरुण रंजन ने दिल्ली में विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ अलग अलग बैठक की. झारखंड प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में जापानी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी इंडिया की अपर मुख्य विकास विशेषज्ञ अदिति पुरी के साथ एक बैठक की. जिसमें जेआईसीए ने औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य अवसंरचना और कौशल विकास पर झारखंड के कार्यों की सराहना की और रणनीतिक सहयोग की संभावनाओं में गहरी रुचि व्यक्त की. वहीं, उद्योग सचिव ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन इंडिया के मुख्य महानिदेशक सुजुकी ताकाशी से मुलाकात की. जेईटीआरओ ने झारखंड को जापानी निवेशकों से जोड़ने के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है. दोनों पक्ष नए निवेश अवसरों को खोलने के लिए आउटरीच कार्यक्रमों पर सहमति बनी है.

जेईटीआरओ से झारखंड को जापानी निवेशकों से जोड़ने पर सहमति

इसी कड़ी में, राजकमल ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेईटीआरओ) इंडिया के मुख्य महानिदेशक सुजुकी ताकाशी से भी मुलाकात की. जेईटीआरओ ने झारखंड को जापानी निवेश से जोड़ने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया. दोनों पक्षों ने संयुक्त रूप से आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने और निवेश के नए अवसर तलाशने पर सहमति व्यक्त की.

एनईसी कॉर्पोरेशन के साथ डिजिटल साझेदारी की ओर कदम

झारखंड के रेजिडेंट कमिश्नर अरवा राजकमल ने झारखंड भवन, नई दिल्ली में एनईसी कॉर्पोरेशन के कॉर्पोरेट रणनीति के एवीपी रयोहेई आइबा की मेजबानी की. बैठक में कई उभरते क्षेत्रों पर चर्चा हुई. जैसे-

- आईओटी आधारित समाधान
- दुर्लभ मृदा खनिजों के लिए डिजिटल तकनीकों का प्रयोग
- झारखंड में जापानी भाषा अकादमी की स्थापना

एनईसी ने झारखंड की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में सहभागी बनने की गहरी इच्छा व्यक्त की और इसे दीर्घकालिक साझेदारी के रूप में देखा.

एक नजर

अजय राय ने दिया न्योता, हिंदी साहित्य गोष्ठी 27 को, मुख्य अतिथि होंगी मंत्री दीपिका पांडे

रांची। हिंदी साहित्य भारती, झारखंड प्रदेश इकाई तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 27 जुलाई रविवार को रांची स्थित पुराना विधानसभा सभागार, सेक्टर 2 में एक दिवसीय हिंदी साहित्य गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, जिसका विषय है — भारतीय ज्ञान परंपरा और हम. इस महत्वपूर्ण साहित्यिक आयोजन के लिए झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति की स्वीकृति प्रदान की है. रांची स्थित आवास पर कार्यक्रम के संयोजक अजय राय से मुलाकात के दौरान उन्होंने इस आशय की सहमति दी. इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि हिंदी साहित्य की समकालीन प्रासंगिकता और भविष्य पर केंद्रित इस पहल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं. ऐसे प्रयास हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं. गोष्ठी में प्रदेश और देशभर के साहित्यकार, शिक्षाविद, चिंतक, मीडिया प्रतिनिधि एवं छात्र-छात्राएं भाग लेंगे. कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा और साहित्य की सामाजिक भूमिका, भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान में प्रासंगिकता, तथा युवाओं में वैचारिक जागरूकता का विस्तार करना है.

नगर निकाय चुनाव टालने पर हाईकोर्ट ने सरकार को मारा तमाचा : बाबूलाल मरांडी

रांची। झारखंड में नगर निकाय चुनाव नहीं कराने को लेकर झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार पर नाराज़गी जताई है. कोर्ट ने इसे संविधान पर सीधा हमला बताया है. हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद बाबूलाल मरांडी ने भी कांग्रेस-झामुमो गठबंधन सरकार पर तीखा हमला बोला है. बाबूलाल मरांडी ने कहा, नगर निकाय चुनाव टालने पर उच्च न्यायालय ने सरकार को करारा तमाचा मारा है. राज्य के कई निकायों का कार्यकाल पांच साल पहले ही खत्म हो चुका है, फिर भी चुनाव नहीं कराए गए. पूरे राज्य में निकायों को सिर्फ प्रशासकों के भरोसे चलाया जा रहा है. उन्होंने सरकार पर लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचलने का आरोप लगाते हुए कहा कि, परिवारवाद की राजनीति करने वाली सरकार ने शहरी नागरिकों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित कर दिया है. गंदगी, टूटी सड़कों और अव्यवस्था से जनता परेशान है, लेकिन सरकार राजनीतिक कारणों से चुनाव नहीं करा रही है. मरांडी ने कहा कि लोकतंत्र का गला घोंटने वाली सरकार को जनता कभी माफ नहीं करेगी.

आईएएस पूजा सिंघल के खिलाफ ईडी को नहीं मिली अभियोजन स्वीकृति

रांची। राज्य सरकार ने मनी लाउंड्रिंग के आरोपी आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति नहीं दी है. ईडी ने सरकार से मनी लाउंड्रिंग के आरोपों के मद्देनजर अभियोजन स्वीकृति मांगी थी. 120 दिनों बाद भी सरकार से जवाब नहीं मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिटीशन दायर कर न्यायालय से सरकार की तरफ से जवाब नहीं मिलने को अभियोजन स्वीकृति मानने का अनुरोध किया है. ईडी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में करीब पांच महीना पहले राज्य सरकार से पूजा सिंघल के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगी थी. नवंबर 2024 से पहले तक मनी लाउंड्रिंग के आरोप में किसी अधिकारी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सरकार से अभियोजन स्वीकृति लेने की जरूरत नहीं होती थी. इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी. सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई के बाद नवंबर 2024में दिये गये फैसले में सरकारी अधिकारियों के ख़िलाफ़ मुकदमा चलाने के लिए सरकार की अनुमति को आवश्यक बताया था.

आउटसोर्स कर्मियों के मानदेय बढ़ोत्तरी पर नहीं हुआ तीन माह बाद भी कोई फैसला

शुभम संदेश। रांची

कैबिनेट के निर्णय के तीन महीने बाद भी राज्य में कार्यरत आउट सोर्स कर्मियों के मानदेय में कोई वृद्धि नहीं हो सकी है. क्योंकि मानदेय में वृद्धि के लिए वित्त विभाग के विशेष सचिव अमित कुमार की अध्यक्षता वाली कमेटी की ही कोई बैठक नहीं हुई. इस कमेटी में जैप आईटी के सीईओ, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के संयुक्त सचिव आसिफ हसन, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग के उप सचिव रेज्युस बाढ सदस्य हैं. मालूम हो कि 22 मई 2025 को राज्य मंत्रिपरिषद ने आउट सोर्स कर्मियों की नियुक्ति व सेवा शर्तों को लेकर झारखंड प्रोक्योरमेंट ऑफ गुड्स एंड सर्विस मैन्युअल को मंजूरी दी थी। इस मैन्युअल का उद्देश्य विभिन्न विभागों द्वारा समय समय पर तकनीकी कर्मियों, यथा कंप्युटर ऑपरेटर, डाटा एनालिस्ट, प्रोग्रामर, सहायक प्रोग्रामर एवं समूह

घ के आदेशपाल, चालक, सफाई कर्मियों की सेवा शर्तों को पारदर्शी बनाना है. साथ ही इन कर्मियों के मानदेय में आवश्यक वृद्धि करनी है. वित्त विभाग के विशेष सचिव अमित कुमार की अध्यक्षता वाली कमेटी को मानदेय वृद्धि पर फैसला लेना है. जानकारी के अनुसार कमेटी की बैठक में महंगाई दर में हुई वृद्धि को आधार बनाते हुए अलग अलग संवर्ग के आउट सोर्स कर्मियों के लिए नये मानदेय की अनुशंसा करनी है. लेकिन कमेटी की बैठक नहीं होने से पूरा मामला ज्यों कि त्यों फंसा है. जबकि आउट सोर्स पर राज्य में लगभग 15-20 हजार कर्मी कार्यरत हैं. इन कर्मियों के लिए वर्षों पहले राज्य सरकार द्वारा जैप आईटी के माध्यम से मानदेय का दर निर्धारित किया गया था. उसी दर पर उन्हें वर्षों से मानदेय का भुगतान किया जा रहा है. उस दर में भी आउट सोर्स पर कर्मियों को उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों द्वारा एक निश्चित राशि की कटौती कर ली जाती है. साथ ही कर्मियों को समय पर मानदेय का भुगतान भी नहीं हो रहा है. इपीएफ में समय पर संबंधित एजेंसियों द्वारा राशि जमा नहीं की जा रही है. इसके साथ साथ जैप-आईटी द्वारा इंपैनल्ड एजेंसियों के इतर भी कुछ सरकारी विभागों और संस्थाओं द्वारा अपने तरीके से कर्मी रखे जा रहे हैं. कई तरह की विसंगतियां है, जिसे दूर करने के लिए ही यह मैन्युअल बनाया गया है. लेकिन कमेटी की बैठक नहीं होने से मैन्युअल का लाभ आउट सोर्स कर्मियों को नहीं मिल रहा है.

कांग्रेस भवन में कल इरफान सुनेंगे जनता की फरियाद

रांची। 21 जुलाई सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी अपराह्न 2:30 बजे से कांग्रेस भवन में आयोजित जनता दरबार में जन समस्याओं को सुनेंगे. यह जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि कांग्रेस द्वारा जनता के समस्याओं को नजदीक से जानने एवं उसके निराकरण के लिए प्रयास करने की दिशा में लगातार जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है, जिसका लाभ आम जनता को सीधे तौर पर हो रहा है. सरकार गठन के प्रारंभ से ही कांग्रेस जन समस्याओं के समाधान के प्रति अति गंभीरतम रूख अपनाये हुए हैं. कांग्रेस द्वारा प्रत्येक सोमवार को जनता दरबार के आयोजन का निर्णय लिया गया है. इसी कड़ी में सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री जनता से रूबरू होंगे. उन्होंने कहा कि जनता दरबार प्रारंभ होने के पहले अपनी समस्याओं को रखने के पूर्व लोगों को कार्यालय में आवेदन एवं उचित दस्तावेज के साथ सूचीबद्ध कराना होगा, ताकि उनकी समस्याओं को सुनकर उनका निदान किया जा सके.

जनता के नकारने से विचलित हो गए हैं बाबूलाल मरांडी: कांग्रेस

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर पर तंज कसते हुए शनिवार को कहा कि भाजपा को जनता ने नकार दिया है तो बाबूलाल जी अपना रोष अब जनता पर उतार रहे हैं. अगर कोई व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त हुआ है तो मानवीय संवेदना के तहत सबसे प्राथमिक कर्तव्य आम जनता का भी होता है, वहां जो उपलब्ध साधन हो उससे पीड़ित व्यक्ति को अविलंब नजदीक के अस्पताल में पहुंचाकर तत्काल उपचार प्रारंभ कराया जाए. उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं की मानवीय संवेदनाएं मर चुकी हैं. वह किसी के जीवन को बचाने की पहल करने पर साधुवाद देने की बजाय मंत्री डॉ. इरफान अंसारी पर मिथ्या आरोप लगाना उनकी विध्वंसक मानसिकता का परिचय देता है. आम जनता के जीवन का मूल्य कांग्रेस ही समझ सकती है. भाजपा नेताओं को आम लोगों से कोई मतलब नहीं है. जिस जगह पर दुर्घटना हुई थी वहां पर यदि एंबुलेंस का इंतजार किया जाता, तो वहां एंबुलेंस पहुंचने में कम से कम 15 से 20 मिनट लगते तब तक दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की स्थिति गंभीरतम हो सकती थी इसलिए उपलब्ध साधनों से उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया. कांग्रेस की कार्यशैली यही रही है कि हम दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को उपलब्ध संसाधनों से इलाज मुहैया कराते हैं ना कि एम्बुलेंस,बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज़ का इंतजार करते हैं. हमारे लिए व्यक्ति की जान ज्यादा कीमती है वह किसी कीमत पर बचना चाहिए. आलोचनाओं से हम नहीं डरते, भाजपा की आलोचना हमारे लिए गहने के समान है जिसे हम प्रतिदिन उड़ते हैं और इससे हमें जनता के लिए काम करने का संबल मिलता है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र, कहा

13300 करोड़ रुपए माफ किए जाएं

- उग्रवाद को जड़ से समाप्त करना राज्य एवं केंद्र की संयुक्त ज़िम्मेवारी

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को शुक्रवार देर रात एक पत्र लिख कर केंद्र सरकार द्वारा झारखंड राज्य में नक्सल विरोधी अभियान संचालित किये जाने हेतु केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति के एवज़ में कुल 13,299.69 करोड़ रुपए लंबित बकाया राशि के भुगतान राज्य सरकार से किए जाने के अनुरोध पर इसे पूर्ण रूप से वेव-ऑफ करने का अनुरोध किया है. उल्लेखनीय है कि उग्रवाद की समस्या को जड़ से समाप्त करना राज्य एवं केंद्र सरकार की संयुक्त ज़िम्मेवारी है. कोविड -19 महामारी के पश्चात राज्य सरकार आर्थिक पुनरुत्थान करने, आपदाओं से निपटने तथा अन्य जन-कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में जुटी हुई है अपने सीमित संसाधनों के कारण राज्य पर वित्तीय भार अधिक बढ़ गया है, ऐसे में केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति के विरुद्ध लंबित राशि के भुगतान करने पर राज्य सरकार पर एक बड़ा वित्तीय बोझ पड़ेगा, जिससे फलस्वरूप विकास योजनाएं प्रभावित होंगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पत्र में केंद्रीय गृह मंत्री को अवगत कराते हुए कहा है कि राज्य गठन के समय से ही झारखंड अति उग्रवाद प्रभावित राज्य रहा है. नक्सल उन्मूलन अभियान में राज्य सरकार द्वारा अपने उपलब्ध संसाधनों एवं केंद्र सरकार द्वारा प्रतिनियुक्त केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के सहयोग से नक्सल विरोधी अभियान संचालित किया जाता रहा है, जिसके फलस्वरूप राज्य में उग्रवादी गतिविधियों में काफ़ी कमी आयी है. इस अभियान में झारखण्ड राज्य अंतर्गत अब तक कुल 400 से भी अधिक पुलिस पदाधिकारी/कर्मी कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हो चुके हैं. उपयुक्त परिपेक्ष्य में मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया है कि नक्सल उन्मूलन अभियान में केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की प्रतिनियुक्ति में संबंधित प्रतिधारण शुल्क को सहकारी संघवाद के सिद्धांत के तहत पूर्ण रूप से वेव-ऑफ करने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जाए. उन्होंने आशा व्यक्त की है कि इस दिशा में केंद्रीय गृह मंत्री का सकारात्मक दृष्टिकोण एवं सहयोग राज्य की जनता को अवश्य प्राप्त होगा तथा राज्य अपने आर्थिक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होगा.

लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत बने कांग्रेस के मीडिया के पर्यवेक्षक

रांची। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने शनिवार को लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत को झारखंड के लिए मीडिया और सोशल मीडिया का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है. जारी एक पत्र में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने लोहरदगा सांसद से कहा है कि वे सोशल मीडिया विभाग को मार्गदर्शन देंगे ताकि पार्टी की मौजूदगी को मीडिया और सोशल मीडिया में विस्तार दिया जा सके. साथ ही आम जनता के बीच कांग्रेस के प्रति विश्वास को और गहरा किया जा सके. इस संबंध में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की तरफ से शनिवार शाम को पत्र जारी कर दिया गया है.

प्रियंका गांधी को बाबूलाल मरांडी ने एक्स पर ऐसे घेरा

सोनिया दरबार पहुंच रहा झारखंड के दलित-आदिवासियों के अधिकार का पैसा

शुभम संदेश। रांची

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे की शराब घोटाले में गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस के लोग इसे बीजेपी की साजिश बता रहे हैं. कांग्रेस सांसद प्रियंगा गांधी वाड्रा ने इसे लेकर एक्स पर पोस्ट किया. उसपर रिप्लाई करते हुए झारखंड के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में आपकी सहयोगी झामुमो-कांग्रेस सरकार आज तक पेसा अधिनियम को लागू नहीं कर पाई है, राज्य में एनजीटी के दिशा-निर्देशों की खुलेआम अनदेखी करते हुए बालू, कोयला और पत्थर की अंधाधुंध लूट जारी है. यहां के गरीब, दलित और आदिवासी समाज के अधिकारों का पैसा दिल्ली के

'सोनिया दरबार' में पहुंच रहा है. बाबूलाल ने आगे कहा, यदि वास्तव में आपको पर्यावरण और प्रकृति से लगाव है, तो पहले झारखंड में पेसा अधिनियम लागू करवाइए और यहां के जंगलों को उजड़ने से बचाइए. भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने के लिए पर्यावरण के नाम पर दिखावटी राजनीति करना बंद कीजिए. प्रियंका गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा, भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ के सारे जंगल अडानी जी को समर्पित कर दिए हैं. पेसा कानून और एनजीटी के निर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए जंगलों को तबाह किया जा रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी विधानसभा में यह मुद्दा उठाने वाले थे. उन्हें रोकने के लिए सुबह-सुबह ईडी ने उनके घर पर छापा मारा और उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया. पिछले 11 सालों में देश अच्छी तरह समझ चुका है कि ये जनता की आवाज को कुचलने और विपक्ष को दबाने के तरीके हैं. लेकिन ऐसे हथकंडों से सच को दबाना और विपक्ष को डराना नामुमकिन है. कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता बघेल जी के साथ मजबूती से खड़ा है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, रविवार 20 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण पक्ष 10, संवत 2082
रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित। वर्ष : 3, अंक : 103
मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

मंजूर की गई तीन प्रमुख परियोजनाएं

अरगोड़ा चौक-कटहल मोड़-चापू टोली एलिवेटेड फ्लाईओवर	करमटोली-मोरहाबादी-साइंस सिटी फ्लाईओवर एवं रिंग रोड तक फोर लेन	रांची रेलवे स्टेशन से एयरपोर्ट तक
लंबाई : 1.75 किमी **चौड़ाई** : फ्लाईओवर : 10 मीटर, नीचे की सड़क : 7 मीटर. **विशेषताएं** : सड़क के दोनों ओर ड्रेनेज और यूटिलिटी डक्ट, नीचे की सड़क का सौंदर्यीकरण, दोनों किनारों पर नॉइज़ बैरियर. **फायदा** : अरगोड़ा-चापू टोली तक यातायात से राहत	**फ्लाईओवर लंबाई** : 2.2 किलोमीटर (करमटोली चौक से साइंस सिटी तक) **फ्लाईओवर चौड़ाई** : 10 मीटर. **फोर लेन सड़क लंबाई** : साइंस सिटी से रिंग रोड तक 5 किमी से अधिक. **फायदा** : व्यस्त मार्गों पर जाम से मिलेगी निजात.	वैकल्पिक फोर लेन सड़क बनेगी कुल **लंबाई** : 4.7 किलोमीटर **एलिवेटेड रोड** : 800 मीटर

रांची में सुगम यातायात के लिए बनेंगे 3 नए फ्लाईओवर

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य के नागरिकों को सुगम यातायात एवं आधुनिक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है. इसी कड़ी में मुख्यमंत्री सोरेन ने राजधानी मे सगम यातायात एवं बेहतर और आधुनिक सड़क की सुविधाओं से संबंधित पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार की प्रस्तुतीकरण को देखने के बाद तीन परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान कर दी. सोरेन प्रधान सचिव कुमार को जल्द डीपीआर बनवा कर परियोजनाओं को धरातल पर उतार कर बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है.

शनिवार को नयी दिल्ली के झारखंड भवन के सभागार में साढ़े चार घंटे से अधिक चली बैठक में एक एक परियोजनाओं को सूक्ष्मता से देखने के बाद मुख्यमंत्री ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है. प्रस्तुतिकरण मे अन्य परियोजनाओं पर बाद मे विचार करने की बात मुख्यमंत्री ने कही. मुख्यमंत्री ने प्रधान सचिव को निर्देश दिया कि रांची की तरह अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी यातायात सुचारू बनाने संबंधित योजनाएं बनायी जाएं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जिन परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है उनमें अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ होते हुये चापू टोली एलिवेटेड फ्लाईओवर, करमटोली मोरहाबादी से सांइस सिटी तक एलिवेटेड फ्लाईओवर उससे रिंगरोड तक फोर लेन और रांची रेलवे स्टेशन के पीछे से एयरपोर्ट तक एलिवेटेड कारीडोर सह फोन का निर्माण शामिल है. हरमू मुक्ति धाम से हरमू नदी किनारों पर रेडिशन ब्लू तक फ्लाईओवर और हिनू पुल से जगन्नाथ पुर तक स्वर्णरेखा नदी पर दोनों किनारों पर फ्लाईओवर निर्माण से संबंधित परियोजनाओं पर बाद में विचार करने की बात सीएम ने कही.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी नई परियोजनाओं को हरी झंडी

राज्य के अन्य शहरों के लिए तैयार करें योजनाएं

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि न केवल रांची, बल्कि राज्य के अन्य शहरी क्षेत्रों में भी यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए दीर्घकालिक और व्यावहारिक समाधान तैयार किए जाएं. उन्होंने कहा कि शहरी परिवहन प्रणाली को मजबूत करने के लिए ठोस कार्ययोजना की आवश्यकता है. इन परियोजनाओं के शुरू होने से रांचीवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है और शहर में यातायात का संचालन अधिक सहज और व्यवस्थित हो सकेगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सिर्फ रांची ही नहीं, राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में भी ट्रैफिक को सुचारू करने के लिए व्यवस्थित और दीर्घकालिक समाधान तलाशे जाएं. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि शहरी यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए.

योजना के पीछे उद्देश्य

- रांची में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव को कम करना
- नागरिकों के समय और ईंधन की बचत
- पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम करते हुए शहर की यातायात गति को बढ़ाना
- एयरपोर्ट और स्टेशन जैसी प्रमुख लोकेशनों को तेज और सुगम कनेक्टिविटी देना
- इन योजनाओं की मंजूरी से रांची की यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार होने की उम्मीद है. राज्य सरकार का उद्देश्य साफ है-बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और नागरिकों को स्मार्ट शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना.

फ्लाईओवर की होंगी ये विशेषताएं

- दोनों ओर फुटपाथ और कवर्ड साइकिल ट्रैक
- ट्रैक के ऊपर सोलर पैनल, जिससे सड़क रोशन रहेगी
- ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, गजीबों, बैठने की बेंच और प्राथमिक सुविधाएं

फायदा

- रांची एयरपोर्ट सड़क मार्ग तक जाने के लिए वैकल्पिक तेज रफ्तार मार्ग
- हटिया, डोरंडा, हिनू और एचईसी क्षेत्र के लोगों को रांची रेलवे स्टेशन तक त्वरित और सुगम पहुंच.

अन्य परियोजनाओं पर भी होगा विचार

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हरमू मुक्ति धाम से रेडिशन ब्लू तक फ्लाईओवर और हीनू पुल से जगन्नाथपुर तक स्वर्णरेखा नदी पर फ्लाईओवर जैसे अन्य प्रस्तावों पर बाद में विचार करने की बात कही है.

राज्य के अन्य हिस्सों में यातायात सुधार : मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि रांची की तर्ज पर जमशेदपुर, डालटनगंज और अन्य शहरों में भी ट्रैफिक सुधार की योजनाएं बनाई जाएं. इसके तहत-**जमशेदपुर-साकची सिटी फ्लाईओवर परियोजना** : 2.54 किमी लंबा फ्लाईओवर जाम की समस्या से राहत देगा. डालटनगंज-गढ़वा वैकल्पिक कॉरिडोर : चारों दिशाओं को जोड़ने वाला गोलाकार एलिवेटेड कॉरिडोर ट्रैफिक संतुलन में मदद करेगा.

एनएचएआई के ट्रांजिशन पॉइंट्स पर सुधार : रामगढ़, डालटनगंज, बरकाकाना जैसे स्थानों पर सुरक्षा और जंक्शन सुधार पर जोर दिया.

मुख्यमंत्री बोले-दुर्घटनाएं कम करने का उपाय ढूंढ़ें

मुख्यमंत्री ने रांची से गुजरने वाले एनएचएआई के मार्गों पर स्थित जंक्शन प्वाइंट्स पर, विशेष रूप से रामपुर चौक, विकास, कटहल मोड़ चौक और इरबा पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की. इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, उन्होंने पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों को एनएचएआई के साथ समन्वय स्थापित कर इन सभी जंक्शन प्वाइंट्स की तत्काल फिजिबिलिटी स्टडी कराने कराने का निर्देश दिया है.

बनेगा नया कानून: झारखंड में कोचिंग सेंटरों की मनमानी होगी खत्म

सरकार जल्द लाएगी रेगुलेशन बिल

- झारखंड कोचिंग सेंटर (कंट्रोल एंड रेगुलेशन) बिल 2025 को आगामी मॉनसून सत्र में विधानसभा में पेश किया जाएगा.

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार राज्य में तेजी से बढ़ते कोचिंग सेंटरों को नियंत्रित करने के लिए अब कड़ा कानून लाने जा रही है. इसके लिए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने एक प्रस्ताव तैयार किया है. संभावना है कि झारखंड कोचिंग सेंटर (कंट्रोल एंड रेगुलेशन) बिल 2025 को आगामी मॉनसून सत्र में विधानसभा में पेश किया जाएगा. इससे पहले यह विधेयक राज्य कैबिनेट की स्वीकृति के लिए लाया जाएगा.

बिल लाने की मुख्य वजहें क्या हैं : सरकार इस कानून के जरिए कोचिंग सेंटरों में बुनियादी सुविधाओं की कमी, बिना नियंत्रण फीस वसूली, और छात्रों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर नियंत्रण चाहती है. यह कानून उन कोचिंग सेंटरों पर लागू होगा, जो 50 या उससे अधिक छात्रों को किसी भी प्रतियोगी परीक्षा, स्कूल, कॉलेज या विश्वविद्यालय स्तर की पढ़ाई के लिए कोचिंग दे रहे हैं.

वेब पोर्टल पर देनी होगी पूरी जानकारी

हर कोचिंग सेंटर को एक वेब पोर्टल बनाना होगा, जिस पर नियमित रूप से निम्न जानकारियां अपलोड करनी होंगी :

- आधारभूत संरचना
- फीस स्ट्रक्चर
- पाठ्यक्रम (कोर्स डिटेल्स)
- मूल्यांकन प्रक्रिया
- ट्यूटर की जानकारी

इसके अलावा

- एक से अधिक सेंटर चलाने वालों को अलग-अलग रजिस्ट्रेशन कराना होगा.
- फ्रेंचाइजी मॉडल में काम कर रहे सेंटरों के लिए भी अलग आवेदन जरूरी होगा.
- एक अंडरटेकिंग के जरिए कोचिंग सेंटरों को यह भी बताना होगा कि वे सभी नियमों का पालन करेंगे.

सभी सेंटरों को करना होगा आवेदन

बिल लागू होने के 6 महीने के अंदर, झारखंड के सभी कोचिंग सेंटरों को जिला कोचिंग सेंटर रेगुलेटरी कमेटी के पास आवेदन देना अनिवार्य होगा. कमेटी को आवेदन मिलने के 2 महीने के भीतर फैसला लेना होगा. जो सेंटर आवेदन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और जुर्माना भी लगाया जा सकता है.

रेगुलेटरी कमेटियों का होगा गठन

इस कानून के तहत राज्य और जिला स्तर पर रेगुलेटरी कमेटियों का गठन किया जाएगा :

- जिला कोचिंग सेंटर रेगुलेटरी कमेटी
- राज्य कोचिंग सेंटर रेगुलेटरी कमेटी

ये कमेटियां कोचिंग संस्थानों के पंजीकरण, निगरानी, अनुमति, और संचालन से जुड़ी सभी गतिविधियों पर नजर रखेंगी. साथ ही, छात्रों और अभिभावकों की शिकायतों के समाधान के लिए एक विशेष शिकायत सेल का भी गठन होगा.

छात्रावासों में बढ़ेगी सुरक्षा

जहां-जहां कोचिंग सेंटरों से जुड़े छात्रावास (हॉस्टल) चल रहे हैं, वहां पर पुलिस गश्त नियमित कराई जाएगी ताकि छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

- पंजीकरण के लिए जरूरी नियम
- कमेटी से अनुमति मिलने के बाद सेंटर को 5 लाख रुपये की बैंक गारंटी जमा करनी होगी.
- सेंटर का पंजीकरण 5 साल के लिए वैध होगा.
- दोबारा रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन देना होगा.
- अभिभावकों की लिखित सहमति लेना अनिवार्य होगा.

चतराः वज्रपात से घायल महिला को गोबर में लपेटा, मौत

चतरा। जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के हेसातू गांव में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसकी गोद में बैठा आठ माह का पोता गंभीर रूप से घायल हो गया. दुखद पहलू यह रहा कि घायल महिला को समय पर इलाज नहीं मिल सका. परिजन और ग्रामीण इलाज की जगह उसे गोबर में लपेटकर बचाने की कोशिश करते रहे, लेकिन करीब डेढ़ घंटे बाद एंबुलेंस पहुंची, तब तक महिला की मौत हो चुकी थी.

जानकारी के अनुसार, गांव के बिलेश्वर भुइयां की 56 वर्षीय पत्नी उगनी देवी अपने पोते को गोद में लेकर घर के बाहर बैठी थीं, तभी अचानक वज्रपात हुआ और दोनों उसकी चपेट में आ गए. घटना के बाद बच्चे को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचा दिया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है और हालत अब स्थिर बताई जा रही है. वहीं, साधनों की कमी और इलाज की अनभिज्ञता के चलते घायल उगनी देवी को गोबर में लपेटकर गांव में ही रखा गया, इस उम्मीद में कि वह होश में आ जाए. यह स्थानीय अंधविश्वास का हिस्सा माना जाता है. जब डेढ़ घंटे बाद एंबुलेंस पहुंची, तब तक उसकी जान जा चुकी थी. घटना ने अंधविश्वास की जमीनी हकीकत को उजागर किया है. यह भी दिखाया कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं ग्रामीण क्षेत्रों में किस हद तक असहाय स्थिति में हैं.

कड़ाई की तैयारी: अब सबको नहीं मिलेंगे 2500 रुपए हर महीने!

मंईयां योजना से हटेंगी 17 हजार महिलाएं

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ अब तक हजारों महिलाएं ले रही हैं, लेकिन अब योजना से जुड़ा बड़ा अपडेट सामने आया है. जानकारी के अनुसार, हर महीने करीब 15 से 17 हजार लाभुक महिलाएं ऐसी हैं जो 50 साल की अधिकतम आयु सीमा पूरी कर रही हैं. जैसे ही लाभुक 50 वर्ष की उम्र पूरी करती हैं, उन्हें योजना से बाहर कर दिया जाता है.

लाभुकों का पोर्टल पर होता है मासिक सत्यापन : राज्य सरकार ने सभी लाभुकों का डाटा एमएमएमएसवाई पोर्टल पर अपलोड किया है, जिसमें उनकी जन्मतिथि और अन्य जरूरी जानकारी दर्ज है. जिला स्तर पर हर महीने पोर्टल से आयु सत्यापन किया जाता है और 50 वर्ष की आयु पूरी करने वाली महिलाओं को योजना से बाहर किया जा रहा है.

योजना से बाहर होने के बाद क्या विकल्प है : जो महिलाएं 50 वर्ष की उम्र पूरी कर रही हैं, उन्हें अब सर्वजन पेंशन योजना में स्थानांतरित किया जाएगा. इसके लिए उन्हें नया आवेदन जमा करना होगा. इस योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपये की पेंशन दी जाती है. यह योजना भी राज्य सरकार द्वारा संचालित है.

जून माह की राशि भी जल्द होगी वितरित : मई माह की राशि राज्य सरकार ने लगभग 51.10 लाख महिलाओं को वितरित कर दी है. वहीं जून माह की राशि का वितरण आदेश भी सामाजिक सुरक्षा निदेशालय द्वारा जिलों को भेजा जा चुका है. अगले सप्ताह के अंत तक यह राशि लाभुकों के खातों में पहुंच जाएगी.

नवंबर तक की राशि जारी, मिला 96 अरब से अधिक फंड : राज्य सरकार ने मंईयां सम्मान योजना के लिए नवंबर 2025 तक की राशि आवंटित कर दी है. जिलों को कुल 96 अरब 9 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है ताकि भुगतान प्रक्रिया में कोई बाधा न आए.

इस योजना का लाभ वही महिलाएं ले सकती हैं जो

- झारखंड की स्थायी निवासी हों, 18 से 50 वर्ष की आयु सीमा में हों, आधार से जुड़ा एकल बैंक खाता, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड (अंत्योदय अन्न योजना के तहत) हो
- सरकार ने योजना की शुरुआत में महिलाओं को 1,000 रुपए प्रति माह देना शुरू किया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति माह कर दिया गया.

दो साइबर अपराधी गिरफ्तार आठ मोबाइल और सिम कार्ड बरामद

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह पुलिस कप्तान डॉ. बिमल कुमार के निर्देश पर साइबर अपराध के खिलाफ लगातार छापेमारी की जा रही है. इसी क्रम में जिले के अहिल्यापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पंदनिया मोड़, गिरिडीह-देवघर मुख्य मार्ग के पास नवाडीह गांव में छापेमारी अभियान चलाया गया. साइबर डीएसपी आबिद खान और साइबर थानेदार अजय कुमार की देखलेख में की गई इस छापेमारी में दो साइबर अपराधी मनीष मंडल और मिथुन मंडल को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से आठ मोबाइल फोन और आठ सिम कार्ड बरामद किए हैं. पुलिस जांच में पता चला है कि मनीष मंडल और मिथुन मंडल के मोबाइल नंबरों के खिलाफ 7-7 शिकायतें दर्ज हैं. फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और इनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है.

आगमन: देवघर एम्स के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

प्रशासन ने शुरू की तैयारी, किए जा रहे सारे इंतजाम

शुभम संदेश। देवघर

31 जुलाई को देवघर एम्स में आयोजित होने वाले पहले दीक्षांत समारोह में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी. राष्ट्रपति के आगमन की सूचना मिलते ही देवघर जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं. इस भव्य आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन के बीच समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं.

दीक्षांत समारोह की तैयारियां जोरों पर : देवघर एम्स का यह पहला दीक्षांत समारोह है, जिसे भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां की जा रही हैं. कार्यक्रम का आयोजन एम्स के ऑडिटोरियम में होगा, जहां लगभग एक हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है. एम्स प्रबंधन ने सभी अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी हैं, और तैयारियां पूरे जोरशोर से चल रही हैं.

48 छात्रों को मिलेगी डिग्री, चार को मेडल : दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 48 छात्रों को डिग्री प्रदान करेंगी. इनमें से चार मेधावी छात्रों को विशेष सम्मान मिलेगा, जिसमें एक छात्र को गोल्ड मेडल, एक को सिल्वर मेडल, एक को ब्रॉन्ज मेडल और एक अन्य छात्र को डिग्री दी जाएगी. शेष छात्रों को एम्स प्रबंधन और विशिष्ट अतिथियों द्वारा डिग्री वितरित की जाएगी.

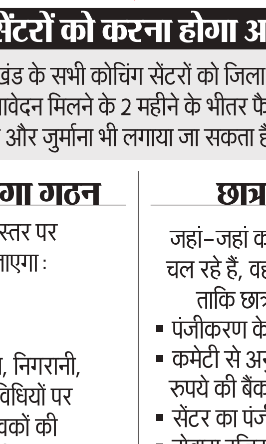

मंदिर में पूजा की कोई सूचना नहीं : देवघर के उपायुक्त रवि कुमार ने बताया कि राष्ट्रपति 31 जुलाई को एम्स के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी और इसके बाद अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान करेंगी. फिलहाल, बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा करने को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है. हालांकि, यदि राष्ट्रपति मंदिर में पूजा की इच्छा जताती हैं, तो जिला प्रशासन इसकी भी पूरी तैयारी करेगा.

परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान : राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन ने परिवहन और पुलिस विभाग को वाहनों की आवाजाही और सुरक्षा व्यवस्था के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं. वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं.

पहले स्थगित हुआ था दौरा

गौरतलब है कि राष्ट्रपति का देवघर दौरा पिछले महीने 10 और 11 जून को प्रस्तावित था, लेकिन आवश्यक कार्यों के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था. अब एक बार फिर उनके आगमन की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन इस आयोजन को यादगार बनाने में जुट गए हैं.

ऐतिहासिक होगा पहला दीक्षांत समारोह : देवघर एम्स का यह पहला दीक्षांत समारोह न केवल संस्थान के लिए, बल्कि पूरे देवघर के लिए गर्व का क्षण होगा. राष्ट्रपति के आगमन से इस आयोजन की गरिमा और भी बढ़ जाएगी. जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन इस अवसर को ऐतिहासिक बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है.

बालुमाथः अपराधियों ने चमातू कोलियरी में दो वाहनों में लगायी आग

बालुमाथ (लातेहार)। सीसीएल द्वारा संचालित मगध परियोजना, बालुमाथ में खनन कार्य कर रही आउटसोर्सिंग कंपनी वीपीआर के दो वाहन डोजर और हाइवा को बीती रात अपराधियों ने फूंक दिया. इस दौरान अपराधियों ने फायरिंग भी की. बाइक सवार चार से छह अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है. घटना के बाद पुलिस ने पहुंच कर जानकारी एकत्र की. घटना को किसी आपराधिक गिरोह ने अंजाम दिया है. वीपीआर मगध परियोजना में कार्य आउटसोर्सिंग कंपनी के रूप में करती है. कंपनी आंध्र की सत्तारूढ़ टीडीपी के सांसद की है.अपराधियों ने जाते जाते लेवी की मांग को ले कर वहां मौजूद लोगो को धमकी भी दी. एसपी कुमार गौरव ने घटना की पुष्टि की. कहा की पुलिस मामले की जांच कर रही. पुलिस जल्द से जल्द अपराधियों को गिरफ्तार कर लेगी.

जमशेदपुर : लंबे समय से पति से चल रहा था विवाद

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, केस दर्ज

शुभम संदेश। जमशेदपुर

बिरसानगर थाना क्षेत्र के विजया गार्डेन में शुक्रवार देर शाम एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. महिला की पहचान 47 वर्षीय प्रीति वर्मा के रूप में हुई है. मृतका के पति ब्रजेश वर्मा पेप्सी कंपनी में अधिकारी हैं.

इधर, सूचना मिलने पर बिरसानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गयी. थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है. पूछताछ में परिजनों ने बताया कि प्रीति और उनके पति ब्रजेश वर्मा के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा था, जिससे वह मानसिक तनाव में थी. पुलिस ने मृतका के मायके वालों को सूचना दे दी है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और मायके पक्ष के आने के बाद बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी. घटना के बाद मोहल्ले में शोक का माहौल है.

घटना के संबंध में परिवार वालों के अनुसार, शुक्रवार की शाम प्रीति वर्मा अपने कमरे में थीं. कुछ देर बाद जब दरवाजा नहीं खुला, तो बेटे ने आवाज दी, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली. दरवाजा तोड़कर भीतर जाने पर देखा गया कि प्रीति पंखे से फंदे के सहारे लटकी हुई थी. परिजन तुरंत उन्हें फंदे से उतारकर टीएमएच ले गये, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

रांची रेड क्रॉस की बैठक में लिए गए बड़े फैसले

अब ब्लड डोनेशन होगा और आसान

शुभम संदेश। रांची

इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, रांची की कार्यकारिणी समिति की बैठक शनिवार को मोरहाबादी स्थित रेड क्रॉस सभागार में उपायुक्त-सह-अध्यक्ष मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में संपन्न हुई. इस बैठक में ब्लड डोनेशन को बढ़ावा देने, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं बढ़ाने और भवन मरम्मत जैसे कई अहम विषयों पर चर्चा की गई.

ब्लड डोनेशन पर खास ज़ोर : बैठक में तय किया गया कि ब्लड डोनेशन को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाएगी. युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करने और समय पर जरूरतमंदों तक ब्लड की आपूर्ति पर खास ध्यान देने की बात कही गई.

मेडिकल उपकरण और भवन मरम्मत का प्रस्ताव

सोसायटी में आधुनिक चिकित्सा उपकरणों को उपलब्ध कराने और ब्लड कंपोनेंट मशीन की ज़रूरत को देखते हुए प्रस्ताव भेजा जाएगा. इसके साथ ही, डीएमएफटी फंड से रेड क्रॉस भवन की मरम्मत के लिए भी प्रस्ताव तैयार किया जाएगा.

दिव्यांगजनों की मदद के लिए नई टीम: बैठक में निर्णय लिया गया कि दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और अन्य आवश्यक उपकरण मुहैया कराने के लिए एक टीम का गठन किया जाएगा.

उपायुक्त ने किया सोसायटी का निरीक्षण

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने रेड क्रॉस सोसायटी का निरीक्षण करते हुए रक्त संग्रहण, वितरण, प्राथमिक उपचार और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर जोर दिया और सभी सेवाओं में निरंतर सुधार के निर्देश दिए.

व्यापारियों व समाजसेवियों से सहयोग की अपील

कार्यकारिणी समिति ने रांची के सक्षम व्यापारियों और समाजसेवियों से अपील की कि वे रेड क्रॉस की सेवाओं को और बेहतर बनाने में सहयोग करें.

सभागार का बेहतर उपयोग

रेड क्रॉस सभागार को बैठकों के लिए अधिक उपयोगी बनाने के लिए निर्णय लिया गया कि 10–15 हजार रुपये प्रतिदिन के भुगतान पर इसका उपयोग किया जा सकेगा.

जल्द होगी अगली बैठक

अगली बैठक में ऐसे संगठनों को बुलाया जाएगा जो मेडिकल क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, ताकि रेड क्रॉस के साथ सहयोग और समन्वय और बेहतर किया जा सके. इस बैठक में रेड क्रॉस पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे.

पार्किंग ठेके को लेकर बवाल

हिंदूवादी नेता भैरव सिंह गिरफ्तार, भेजे गए जेल

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र में पार्किंग ठेकेदारी को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने गंभीर रूप ले लिया है. इस मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हिंदूवादी नेता भैरव सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. घटना सुपर मार्केट बिग बाजार के पास स्थित सुजाता चौक क्षेत्र की बताई जा रही है, जहां पार्किंग ठेके को लेकर विवाद इस कदर बढ़ा कि सड़क पर ही मारपीट हो गई. इस विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई.

पुलिस ने दबोचा पंडरा से, कोर्ट ने भेजा जेल

पुलिस ने मामले की जांच के बाद भैरव सिंह को पंडरा इलाके से गिरफ्तार किया. गिरफ्तारी के बाद उन्हें रांची सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया. फिर कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया.

कानून-व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश :चुटिया थाना प्रभारी ने बताया कि यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की गई है. पुलिस अब इस मामले से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है.

रांची की बेटी रवीना ने बॉलीवुड में बिखेरा अभिनय का जलवा

शुभम संदेश। रांची

रांची की प्रतिभाशाली बेटी रवीना की नई हिंदी फिल्म मर्डरबाद विगत 18 जुलाई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है. फिल्म में रवीना ने पुलिस इंस्पेक्टर आदिति रावत की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. उनके अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों से सराहना मिल रही है. यह जानकारी झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी. उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि रवीना ने झारखंड और मारवाड़ी समाज का नाम रोशन किया है.

सर्राफ ने बताया कि रवीना मूलतः रांची की निवासी हैं. और झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व महामंत्री की पुत्री हैं. उन्होंने लोरेटो कॉन्वेंट हाई स्कूल, डोरंडा से स्कूली शिक्षा और संत जेवियर्स कॉलेज से बी कॉम की पढ़ाई पूरी की. इसके बाद उन्होंने मुम्बई का रुख किया. मुंबई पहुंच कर इन्होंने कई विज्ञापनों में चर्चित कलाकारों के साथ काम किया जिनका प्रसारण विभिन्न चैनलों एवं यूट्यूब पर होता रहा है. फिल्म के निर्देशक अनरव चटर्जी हैं नकुल रोशन शहदेव, कनिका कपूर, शारीब हाशमी, सलोनी बत्रा, मनीष चौधरी, अमोल गुप्ता, अंजन श्रीवास्तव, मसुदा अख्तर, सुब्रत दत्ता, बरूण चंदा, विभा छिब्बर और उदय टिकेकर इस फिल्म के अन्य कलाकार हैं. शान कुशल इस फिल्म के एक्शन डायरेक्टर हैं. इस फिल्म की शुटिंग राजस्थान एवं दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) में हुई है. रवीना को बधाई देनेवालों में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री विनोद कुमार जैन, ललित कुमार पोद्दार, पवन पोद्दार, राजेंद्र केडिया, मनोज चौधरी,कौशल राजगढ़िया अनिल कुमार अग्रवाल सहित अन्य के नाम शामिल है.

निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरकर मजदूर की मौत

रांची। रांची के अपर बाजार स्थित निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरकर एक मजदूर की शनिवार को मौत हो गई. मृतक मजदूर बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में काम कर रहा था. तभी अचानक असंतुलित होकर नीचे गिर गया. गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग और बिल्डिंग में मौजूद अन्य मजदूर तुरंत मौके पर पहुंचे. लेकिन तब तक मजदूर की मौत हो चुकी थी. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई है. कोतवाली इंस्पेक्टर आदिकांत महतो ने बताया कि एक मजदूर के गिरने से मौत हुई है. पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है.

कृषि मंत्री ने केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र, कहा

लघु वनोपज का एमएसपी बढ़ाया जाए

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने केंद्र सरकार से लघु वनोपज (एमएफपी) का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने की मांग की है. इसके लिए उन्होंने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम को पत्र लिखा है. मंत्री नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड में बड़ी आबादी खासकर आदिवासी और वंचित वर्ग, वनों से मिलने वाले उत्पादों जैसे लाह, महुआ, करंज के बीज, साल बीज, जंगली शहद, चिरौंजी आदि पर निर्भर है. ये वनोपज न सिर्फ आमदनी का जरिया हैं, बल्कि पर्यावरण और जैविक खेती को भी बढ़ावा देते हैं. उन्होंने पत्र में बताया कि जनजातीय कार्य मंत्रालय की "एमएसपी फार एमएफपी" योजना के तहत इन वनोपजों का समर्थन मूल्य तय किया जाता है, लेकिन मौजूदा एमएसपी बाजार मूल्य से बहुत कम है. जैसे—

- कुसमी लाह का एमएसपी 275/किलो है, जबकि बाजार में 730–750/किलो में बिकता है
- जंगली शहद का एमएसपी 225/किलो, बाजार मूल्य 600–800/किलो
- चिरौंजी का एमएसपी 126/किलो, जबकि बाजार में 250–300/किलो
- महुआ फूल, करंज बीज और साल बीज के मामले में भी यही स्थिति है

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की की मुख्य मांगें

1. लघु वनोपज के एमएसपी का निर्धारण वैज्ञानिक तरीकों और मौजूदा बाजार दरों के आधार पर किया जाए.
2. सभी वनोपज के एमएसपी में उचित बढ़ोतरी की जाए ताकि आदिवासी समुदाय को सही मुनाफा मिल सके.
3. मूल्य निर्धारण प्रक्रिया में कृषि मंत्रालय के विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाए.
4. राज्यों की भागीदारी से एक केंद्रीकृत मूल्य मॉनिटरिंग सिस्टम बनाया जाए, जिससे एमएसपी का सही तरीके से पालन हो सके.

उन्होंने पत्र में लिखा कि यदि इस दिशा में जल्द कार्रवाई होती है, तो आदिवासी समुदायों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी.

खादगढ़ा टीओपी में यात्री का गुम हुआ बैग और 80 हजार मिला

रांची। कांटा टोली स्थित खादगढ़ा बस स्टैंड पर एक यात्री का बैग गुम हो गया, जिसमें लगभग 80 हजार रुपये नकद और जरूरी दस्तावेज थे. बैग खो जाने से घबराया यात्री तत्काल खादगढ़ा टीओपी पहुंचा और वहां तैनात पुलिसकर्मियों को मामले की जानकारी दी. मामले की गंभीरता को समझते हुए खादगढ़ा टीओपी में पदस्थापित पुलिसकर्मी भीम सिंह ने सूझबूझ और तत्परता से कार्रवाई शुरू की. उन्होंने न केवल बैग को ढूंढ निकाला, बल्कि बैग में रखे सारे कागजात और पूरे 80,000 भी सुरक्षित यात्री को लौटा दिए.

पोस्टल सेवा के लोग 25 को बनाएंगे मानव श्रृंखला

रांची। रांची जीपीओ में शनिवार को ऑल इंडिया पोस्टल/आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन का 12वां स्थापना दिवस मनाया गया. राज्य सचिव ने संबोधित करते हुए कहा कि 2013 में वेल्लोर में इसका गठन किया गया था और आज 13 साल के उपरांत इसकी देश भर में शाखाएं सक्रियता से कार्यरत हैं. बैठक में निर्णय लिया गया कि वित्त विधेयक के माध्यम से संसद में 25 मार्च को पेंशन अधिनियम संशोधन कर सरकार ने पेंशनर्स को वर्तमान और भविष्य के श्रेणी में विभाजित कर उन्हें आठवें वेतन आयोग के लाभ से वंचित करने की साजिश की है. इसके विरुद्ध 25 जुलाई को अपराह 4 बजे फिरायालाल पर फोरम ऑफ सिविल पेंशनर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय आह्वान पर मानव श्रृंखला बनाई जाएगी, जिसमें सभी शामिल होंगे.

एक नजर

धौनी ने पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ दिउड़ी मां के दरबार में की पूजा

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी ने अपनी पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ शनिवार को दिउड़ी मां के दरबार में पूजा-अर्चना की. धौनी काले रंग की कार से खुद ड्राइव कर बुंडू स्थित मंदिर पहुंचे. वहां डीएसपी ओमप्रकाश और एसडीएम किस्टो कुमार बेसरा ने उन्हें चुनरी ओढ़ा कर स्वागत किया. स्वागत में नगाड़ा भी बजाया गया. पूजा के दौरान मंदिर के पुजारी मनोज पंडा ने बताया कि धौनी मां के दरबार में आकर आशीर्वाद लेना कभी नहीं भूलते. आमतौर पर वे अकेले या दोस्तों के साथ आते हैं, लेकिन इस बार काफी समय बाद पत्नी और बेटी के साथ पहुंचे. धौनी के मंदिर पहुंचने की खबर फैलते ही आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में प्रशंसक वहां पहुंच गए. सभी उनके साथ सेल्फी लेने के लिए उत्साहित नजर आए. इस दौरान बुंडू पुलिस पूरी तरह सतर्क रही. धौनी की माता दिउड़ी के प्रति गहरी आस्था रही है और वे हर खास मौके पर यहां पूजा करने आते हैं. आईपीएल सीजन के बाद से धौनी रांची में हैं और अक्सर जेएससीए स्टेडियम में नजर आते हैं. कैप्टन कूल धौनी भारत के सबसे सफल क्रिकेट कप्तानों में से एक हैं. उनके नेतृत्व में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप, वनडे वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है. उन्हें खेल रत्न, पद्मश्री और पद्म भूषण जैसे सम्मान मिल चुके हैं.

कोचिंग संस्थानों पर नियंत्रण से संबंधित कानून का अभिभावक संघ ने किया स्वागत

रांची। राज्य सरकार की ओर से राज्य में कोचिंग संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रस्तावित कोचिंग सेंटर कंट्रोल एंड रेगुलेशन बिल 2025 का झारखंड अभिभावक संघ ने स्वागत किया है. संगठन के अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए सरकार कि इस सकारात्मक पहल को छात्रों और अभिभावकों के हित में एक ऐतिहासिक कदम बताया. उन्होंने कहा कि राज्य में सैकड़ों कोचिंग सेंटर बिना किसी नियम और पारदर्शिता के कार्य कर रहे हैं. मनमानी फीस, शैक्षणिक गुणवत्ता की कमी और छात्रों पर मानसिक दबाव जैसी समस्याएं आम हैं. प्रस्तावित विधेयक में पंजीकरण अनिवार्य करने, संचालन से पहले जिला स्तरीय अनुमति लेने और गारंटी राशि जमा करने जैसी व्यवस्था स्वागत योग्य हैं. अजय राय ने इस बात पर बल दिया कि फीस नियंत्रण पर स्पष्ट प्रावधान होना चाहिए, ताकि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ न पड़े. उन्होंने सुझाव दिया कि फीस निर्धारण शैक्षणिक गुणवत्ता और छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर हो. संगठन ने यह भी मांग की कि कोचिंग संस्थानों के लिए न्यूनतम अधोसंरचना, प्रशिक्षित शिक्षक, छात्र-शिक्षक अनुपात और मनोवैज्ञानिक परामर्श को अनिवार्य किया जाए. साथ ही जिले स्तर पर निगरानी समिति बनाई जाए और प्रत्येक कोचिंग की परफॉर्मेंस रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए.

रांची के 19 परीक्षा केंद्रों पर आज संयुक्त पारा मेडिकल परीक्षा, सेंटर के 200 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा लागू

रांची। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद, रांची द्वारा आयोजित पारा मेडिकल प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक स्तरीय)–2025 का आयोजन 20 जुलाई 2025 (रविवार) को रांची जिले के 19 परीक्षा केंद्रों में किया जा रहा है. परीक्षा के शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संचालन के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं. उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची और वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची के संयुक्त आदेश पर परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है. वहीं, विधि-व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों की संभावित गड़बड़ी को रोकने के लिए अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर, रांची ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के परिधि में निषेधाज्ञा लागू की है.

रांची में चोरों के टारगेट पर जेवर दुकानें

बरियातू के बाद पुंदाग में लाखों की चोरी को दिया गया अंजाम

- तिजोरी नहीं काट पाए चोर, सीसीटीवी फुटेज में दिखे चोर

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची में जेवर दुकानें चोरों के टारगेट पर हैं. बरियातू के बाद अब पुंदाग इलाके में चोरों ने एक जेवर दुकान को अपना निशाना बनाया. गैस कटर से जेवर दुकान का शटर काट कर चोर लाखों रुपये के गहने चुरा ले गए. राजधानी में आधा दर्जन से अधिक चोर अपने साथ गैस कटर लेकर घूम रहे हैं, उसी कटर का प्रयोग कर वे रात के अंधेरे में दुकानों का शटर काट रहे हैं और फिर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं. ताजा मामला रांची के पुंदाग के शैल सिटी स्थित श्रेष्ठ ज्वेलर्स का है. इस जेवर दुकान को चोरों ने शुक्रवार की रात निशाना बनाया. जेवर दुकान का शटर काट कर पांच लाख से ज्यादा के गहने चोर अपने साथ उड़ा ले गए. मामले की जानकारी दुकानदार को शनिवार की सुबह हुई, जब मॉर्निंग वॉक करने वाले कुछ लोगों ने दुकान का शटर कटा हुआ देखा तो उन लोगों ने दुकानदार को मामले की जानकारी दी. जेवर दुकान के मालिक ने बताया कि पांच लाख से ज्यादा के जेवर चोरी किए गए हैं.

सबसे ज्यादा राहत की बात तो यह है कि जेवर दुकान के अंदर तिजोरी को काट नहीं पाए वरना यह चोरी बहुत बड़ी हो सकती थी. तिजोरी को काटने के लिए चोरों ने पूरा प्रयास कियाा लेकिन वे उसमें सफल नहीं हो पाए. इसके बाद वे लोग बाहर के गहनों पर ही हाथ साफ करके चले गए.

मामले की जानकारी मिलने के बाद पुंदाग पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई है. हटिया डीएसपी प्रमोद मिश्रा ने बताया कि मौके पर एफएसएल की टीम से भी जांच करवाई गई है. कुछ सीसीटीवी फुटेज भी हाथ लगे हैं जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

पुलिस की गश्त पर सवाल

भले ही पुलिस यह दावा कर रही है कि चोर जल्द पकड़ लिए जाएंगे. लेकिन चोरी की ये वारदात पुलिस की गश्त और मुस्तैदी दोनों पर सवाल उठा रही है. आठ से दस की संख्या में चोर सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे हैं जो अपने साथ गैस सिलेंडर और कटर दोनों लेकर घूम रहे हैं और चोरी भी कर रहे हैं, लेकिन रात में मुस्तैद रहने का दावा करने वाली पुलिस को वे नजर नहीं आ रहे हैं.

आलोक कुमार दूबे की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखी गई चिट्ठी का दिखा असर

झारखंड में कोचिंग माफिया पर लगाम कसने को तैयार सरकार

शुभम संदेश। रांची

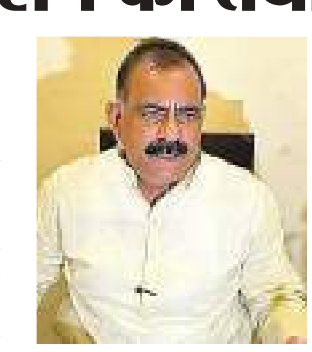

झारखंड में पिछले कई वर्षों से कोचिंग संस्थानों की मनमानी, छात्रों के साथ आर्थिक शोषण,गलत एवं झूठे वायदे एवं फर्जी आंकड़े पेश कर अभिभावकों से मोटी फीस वसूलने जैसी घटनाएं सामने आती रही हैं. इस गंभीर मुद्दे पर पहली बार संगठित रूप से आवाज़ उठाई गई पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) द्वारा. इस अभियान का नेतृत्व पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने किया, जिन्होंने राज्य के हज़ारों छात्रों और उनके अभिभावकों की आवाज़ को मजबूती से सरकार तक पहुंचाया. दूबे ने हाल ही में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर आग्रह किया कि राज्य में कोचिंग संस्थानों के लिए एक सख्त और पारदर्शी नियमावली बनाई जाए. अपने पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया कि कैसे कई बाहरी व्यक्ति और संस्थान झारखंड आकर कोचिंग के नाम पर छात्रों का शोषण कर रहे हैं. ये लोग शुरुआत में बड़े-बड़े वादे करते हैं, मोटी फीस वसूलते हैं और फिर या तो अचानक शहर छोड़कर चले जाते हैं या फिर बहुत ही घटिया गुणवत्ता वाली शिक्षा देकर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं. इससे न केवल अभिभावक आर्थिक रूप से टूटते हैं, बल्कि छात्रों की मानसिक स्थिति भी प्रभावित होती है. इन सभी सुझावों और पासवा द्वारा लगातार किए गए जन-जागरूकता अभियानों का असर अब सामने आ रहा है. झारखंड सरकार ने घोषणा की है कि वह जल्द ही कोचिंग सेंटर कंट्रोल एंड रेगुलेशन बिल 2025 विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत करेगी. इस बिल में कोचिंग संस्थानों की पंजीकरण प्रक्रिया, बुनियादी ढांचा, फीस नियंत्रण, बैंक गारंटी और अभिभावकों की लिखित सहमति जैसे कई आवश्यक प्रावधान शामिल होंगे. इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि झारखंड के छात्रों का शैक्षणिक और आर्थिक शोषण रोका जा सके और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ बनाई जा सके.

समारोह — सेंट जेवियर स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

रांची के उपायुक्त ने बढ़ाया बच्चों का हौसला

शुभम संदेश। रांची

सेंट जेवियर स्कूल, डोरंडा (जूनियर सेक्शन) में शनिवार को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजित किया गया. इस बार समारोह की थीम चिंगारी जगाएं, चैंपियन बनें थी. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रांची डीसी सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया.

कई खास मेहमान रहे मौजूद : इस अवसर पर डीआईजी, एससीआरबी रांची वाई.एस. रमेश विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे. इनके अलावा स्कूल के प्राचार्य फादर फुलदेव सोरेंग, सुपीरियर फादर सुधीर कुमार कुजूर, फादर अजीत खेस (एसएआर रांची), मनीषा तिर्की, डॉक्स प्रेसिडेंट आशीष बुधिया और संत एंथनी स्कूल के प्राचार्य सी. ए. फ्रांसिस सहित कई गणमान्य अतिथियों ने समारोह की गरिमा बढ़ाई.

डीसी ने बच्चों को किया प्रेरित : डीसी भजंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हर बच्चा खास होता है. हमें उनकी प्रतिभा को पहचानकर आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए. उन्होंने बच्चों को मोबाइल का सही उपयोग करने की सलाह दी. साथ ही अभिभावकों को बच्चों की संगति व आदतों पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी.

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समा: छात्रों ने रंगारंग नृत्य, गीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया. कार्यक्रम के अंत में उपप्राचार्य फादर कुलदीप लिंडा ने सभी मेहमानों और शिक्षकों को धन्यवाद दिया. स्कूल गीत के साथ समारोह का समापन हुआ.

प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में केजी से लेकर कक्षा 5वीं तक के विद्यार्थियों को पढ़ाई, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के लिए पुरस्कृत किया गया. मेडल और सर्टिफिकेट के साथ बच्चों को किताबें भी भेंट की गईं, जिन्हें डॉक्स (पूर्व छात्र संघ) द्वारा प्रायोजित किया गया था.

जेएलकेएम नेता देवेंद्रनाथ महतो ने स्वास्थ्य सचिव को सौंपा ज्ञापन

फार्मेसी काउंसिल में मूल झारखंडी की नियुक्ति की मांग

शुभम संदेश। रांची

झारखंड लोककल्याण मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो ने आज नेपाल हाउस में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर सचिव अजय कुमार सिंह से मुलाकात कर झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल से संबंधित कई गंभीर मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा. महतो ने ज्ञापन में मांग की कि फार्मेसी काउंसिल के सदस्य और रजिस्ट्रार पद पर मूल झारखंडी और सरकारी पद पर कार्यरत फार्मासिस्ट को ही नियुक्त किया जाए. उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनने के 25 वर्षों बाद भी राज्य के युवाओं और कर्मियों को उनका अधिकार नहीं मिल पाया है.

उन्होंने जानकारी दी कि झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल के प्रभारी निबंधक-सह-सचिव प्रशांत कुमार पांडे का कार्यकाल 13 अप्रैल 2025 को समाप्त हो चुका है. उन्हें छह माह के लिए औपबंधिक रूप से नियुक्त किया गया था, लेकिन अब वे तीन महीने से बिना वैधता के पद पर बने हुए हैं. महतो ने बताया कि फरवरी 2022 से अब तक स्थायी रजिस्ट्रार-सह-सचिव की नियुक्ति नहीं की गई है, जिससे फार्मेसिस्टों के निबंधन, नवीकरण, परीक्षा संचालन आदि कार्य बाधित हो रहे हैं. उन्होंने आगे बताया कि फार्मेसी एक्ट 1948 की धारा 26 के अनुसार, काउंसिल के अध्यक्ष, सचिव और सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष होता है. वर्तमान में काउंसिल के 15 में से 11 सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है. 11 जुलाई को उपाध्यक्ष जादूनाथ मार्डी का निधन भी हो गया है.

महतो ने कहा कि सरकार द्वारा काउंसिल में नवीन 5 नामित सदस्यों की नियुक्ति की जा रही है, लेकिन इनमें से कोई भी सरकारी फार्मासिस्ट नहीं हैं. उन्होंने कहा कि, झारखंड के मूल निवासियों और सरकारी सेवा में कार्यरत फार्मेसिस्टों को ही काउंसिल में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए. महतो ने घोषणा की कि इन मुद्दों को लेकर 23 जुलाई को झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल बरियातू कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया.

ब्रीफ न्यूज

करंट की चपेट में आने से एक की मौत

छतरपुर(पलामू)। छतरपुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर पिछुलिया निवासी शत्रुघ्न कुमार (27) पिता रामाशीष राम को बिजली की करंट लगने से मौत हो गई. जानकारी के मुताबिक शत्रुघ्न खेत में काम कर रहा था और मोटर का तार जोड़ने के क्रम में विद्युत प्रवाहित बिजली का तार टूट कर शत्रुघन के उपर गिर गया. परिजनों उसे अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर लाये. जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. घटना की जानकारी मिलते ही छतरपुर पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर भेज दिया. परिजनों ने बताया कि मृतक शत्रुघ्न चार बहनों के बीच अकेला भाई था.

बैंक रॉबरी का प्रयास, मैनेजर ने दिया थाना में आवेदन

महुआडांड़ (लातेहार)। महुआडांड़ थाना क्षेत्र में लगातार कुछ महीनों से चोरी की वारदात घट रही है. इसे लेकर दर्जनो पीड़ित महुआडांड़ थाना में आवेदन दे चुके है, लेकिन चोर इतना शातिर है, अब तक पुलिस के हाथ चोर नहीं आ पाया है. दर्जनो से अधिक चोरी के वारदात के घटने के बाद लोग डर से घबराये हुए है. वही चोर अब बैंक रौबरी का प्रयास करने लगें है. वही शुक्रवार की रात झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक महुआडांड़ में चोरों ने बैंक रौबरी का प्रयास किया. चोरों द्वारा बैंक के मुख्य द्वार पर लगा ताला को काटने का प्रयास किया गया. शनिवार सुबह जब बैंक कर्मी बैंक खोलने पहुंचे तो देखा बैंक के ग्रील का ताला काटने का प्रयास किया गया.

चेकिंग के दौरान पकड़े गए 13 मोटरसाइकिल

मेदिनीनगर। यातायात पुलिस ने स्थानीय सद्दीक चौक पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया. इस दौरान चारपहिया व दोपहिया वाहनों की जांच की गई. ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद ने बताया कि जांच के क्रम में दोपहिया वाहन के कुछ चालक बगैर हेलमेट व बगैर लाइसेंस के वाहन चलाते पकड़े गए और ऐसे 13 दोपहिया वाहनों को जब्त कर शहर थाना परिसर में रखा गया है. उन्होंने बताया कि 19 जुलाई को जिला परिवहन कार्यालय से 10 दोपहिया का जुर्माना राशि 10 हजार रुपया जमा कराया गया है. वहीं एक टेंपो सवारी गाड़ी से 1150 रुपए तथा शराब पीकर मोटरसाइकिल चला रहे चालक से 11 हजार रुपया जुर्माना वसूला गया है.

हाथियों ने घर तबाह किये, मुआवजे की मांग

लातेहार। जिले के कई प्रखंड क्षेत्रों मे जंगली हाथियों का आतंक जारी है. पिछले कई दिनों से हाथियों का झुंड बालुमाथ में तांडव मचा रहा था.अब शुक्रवार की रात जंगली हाथियों का झुंड जिले के हेरहंज प्रखंड मे तबाही मचा रहा है. हाथियों का झुंड पिछले तीन-चार दिनों से हेरहंज प्रखंड के हुंबु, नवादा, तासू, हुंदरा व बोगांदाग गांवों मे विचरण कर रहा है.इस दौरान हाथियों ने इन गांवों में 12 से 15 घरों को क्षतिग्रस्त किया. घरों मे रखे अनाज खा गये. शुक्रवार की रात हाथियों ने तीन घरो को नुकसान पहुंचाया. पंचायत समिति सदस्य ने इसकी सूचना वन विभाग को दी.काफी प्रयास के बाद ग्रामीणो ने हाथियों को गांव से भगाया. इससे पहले गुरूवार की रात हाथियों ने बोगांबाद में मनोज उरांव के चहारदिवारी तोड़ दिया. एक हाथी अपने झुंड से भटक कर मुख्य सड़क पर आ गया. वह एक टायर दुकान में पहुंच गया. दुकानदार किसी प्रकार वहां से भागा.

हुसैनाबाद के लोहबंधा में जन समाधान शिविर का किया गया आयोजन

जनता की समस्याएं सुन कार्रवाई का आश्वासन

शुभम संदेश। हुसैनाबाद (पलामू)

हुसैनाबाद पुलिस प्रशासन के सहयोग से महुडंड पंचायत स्थित रा० उत्क० मध्य विद्यालय, लोहबंधा में शनिवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे से जन समाधान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी सह आईएएस ओमप्रकाश गुप्ता, अभियान एसपी राकेश सिंह, एसडीपीओ सह आईपीएस एस मोहम्मद याकूब, थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, बीडीओ सुनील कुमार वर्मा, सीओ पंकज कुमार, अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. बिनेश कुमार, महिला थाना प्रभारी पार्वती कुमारी एवं पंचायत की मुखिया मीना देवी द्वारा संयुक्त रूप से की गई।इस जन समाधान शिविर का आयोजन पलामू पुलिस अधीक्षक रेशमा रमेशन के निर्देश पर किया गया. स्थानीय लोगों ने इस पहल को सराहनीय और अनोखा बताया, जिसकी व्यापक चर्चा क्षेत्र में देखने को मिली.

समस्याओं का ऑन स्पॉट समाधान : जन समाधान शिविर में प्रखंड स्तरीय सभी विभागों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने स्टॉल लगाकर लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया. शिक्षा, चिकित्सा, आपूर्ति, कृषि, मनरेगा, आत्मा, पशुपालन, बिजली, पेयजल, बैंक, पुलिस, गैस एजेंसी, सहकारिता जैसे विभिन्न विभागों से आए अधिकारियों ने लोगों के आवेदन लिए और उनका त्वरित निष्पादन किया.

स्थानीय प्रतिनिधियों की मांगें

महुडंड पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि शिवशंकर यादव ने पंचायत के 13 राजस्व गांवों की बदहाल सड़कों, जल संकट, नेटवर्क की समस्या, स्वास्थ्य और बिजली सेवाओं की स्थिति पर चिंता जताई . उन्होंने इन समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों से आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया .

एसडीओ और एसपी ने दिया भरोसा

एसडीओ ओमप्रकाश गुप्ता ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि यह क्षेत्र अति संवेदनशील है, जहां कई समस्याएं विकराल रूप ले चुकी हैं। ऐसे में इस तरह के शिविरों के माध्यम से गरीबों को उनके अधिकार दिलाने की कोशिश की जा रही है. वहीं, अभियान एसपी राकेश सिंह ने कहा कि पुलिस प्रशासन की यह पहल क्षेत्र के लोगों को सीधे सेवा देने की दिशा में बड़ा कदम है.

एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब ने स्थानीय जनता से संवाद करते हुए कहा कि अगर किसी को किसी प्रकार की परेशानी हो, तो वे बेहिचक पुलिस प्रशासन से संपर्क करें। पुलिस हमेशा जनता के साथ है.

स्थानीय लोगों की सहभागिता

इस अवसर पर गुड्डू पाल, उपेंद्र यादव, रामबली यादव, रमजीत यादव, ओमप्रकाश रवि, अखिलेश यादव, गोपाल चंद्रवंशी, अकबर अंसारी, इरफान अंसारी, लालू यादव, राजू कुमार रवि, दिनेश्वर ठाकुर, नगीना यादव, सुरेंद्र चौधरी समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे.

उपायुक्त ने पांकी के स्वास्थ्य केंद्र, आवासीय विद्यालय व जलापूर्ति योजना का किया निरीक्षण

छात्राओं की समस्याएं सुनी, जलापूर्ति में सुधार के दिए कई निर्देश

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

जिले की उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस शनिवार को पांकी प्रखंड के दौरे पर रहीं. इस दौरान उन्होंने पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं ग्रामीण जलापूर्ति योजना का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया. उपायुक्त ने दौरे की शुरुआत पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से की. निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सकों एवं कर्मियों की बायोमैट्रिक उपस्थिति, दवा भंडारण, अटेंडरों की बैठने की व्यवस्था, कोल्ड चेन मेन्टेनेंस, प्रसव कक्ष, जन औषधि केंद्र, बाथरूम की स्वच्छता, बिजली उपकरणों की स्थिति, एक्स-रे मशीन की कार्यप्रणाली आदि का गहन निरीक्षण किया.

उन्होंने डेंटल ओपीडी में डेंटल एक्स-रे मशीन और आई ओपीडी में रिफ्रैक्शन मशीन की आवश्यकता को देखते हुए इन्हें शीघ्र क्रय करने के निर्देश दिए. बरसात के मौसम में सर्पदंश की घटनाओं की आशंका को देखते हुए उपायुक्त ने अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में एंटीवेनम दवाएं स्टॉक में रखने का निर्देश दिया ताकि मरीजों को मेदिनीनगर रेफर न करना पड़े. साथ ही अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार लाने को भी कहा. इस मौके पर उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन, सिविल सर्जन डॉ. अनिल, स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे.

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण : इसके बाद उपायुक्त समीरा एस ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया. वह सीधे छात्राओं के कक्षा में पहुंचीं और उनसे पढ़ाई के स्तर को लेकर सवाल-जवाब किए. होस्टल निरीक्षण के दौरान छात्राओं ने पंखा नहीं होने की शिकायत की. बताया गया कि डबल डेकर बेड की वजह से छत से पंखा हटाया गया है. इस पर उपायुक्त ने वॉल फैन लगाने का सुझाव दिया.होस्टल में पर्याप्त रोशनी नहीं होने की शिकायत पर वार्डन से पूछताछ की गई, जिस पर बताया गया कि कुछ निर्माण कार्यों के चलते यह अस्थायी समस्या है. उपायुक्त ने किचन का भी निरीक्षण किया और निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन सुनिश्चित करने को कहा. साथ ही भोजन पर खर्च की विवरणी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया.

ग्रामीण जलापूर्ति योजना की समीक्षा

पांकी जलापूर्ति योजना का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों ने उपायुक्त से नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत की. एजेंसी प्रतिनिधि ने बताया कि बिजली आपूर्ति में बाधा के चलते जलापूर्ति रुक जाती है. इस पर उपायुक्त ने जलापूर्ति एजेंसी को बिजली विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर प्रतिदिन जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया कि पांकी में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक कदम तत्काल उठाए जाएं. मौके पर उप विकास आयुक्त सहित संबंधित विभागों के अभियंता और अधिकारी उपस्थित रहे.

नगर ऊंटारी उपकारा को शीघ्र चालू कराएं: डीसी

गढ़वा। नगर ऊंटारी स्थित उपकारा का निरीक्षण करते डीसी दिनेश कुमार यादव गढ़वा, प्रतिनिधि. शनिवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव ने नगर ऊंटारी स्थित उपकारा का निरीक्षण किया. उस दौरान उन्होंने भवन निर्माण की प्रगति, सुरक्षा मानकों, जल-विद्युत आपूर्ति, कैदियों के आवासीय प्रावधानों व मूलभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की. उपायुक्त ने जेल परिसर के सभी वार्डों का स्वयं निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. पदाधिकारियों को उपकारा को शीघ्र शुरू कराने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि नगर ऊंटरी उपकारा को शीघ्र कार्यशील बनाया जाएगा ताकि जिला में कारागार प्रबंधन और अधिक व्यवस्थित व प्रभावी हो सके.साथ ही कारा के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अभियंताओं को कड़ी हिदायत दी गई. उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि अगले वर्ष की शुरुआत से उपकारा को पूरी तरह से संचालन में लाने का लक्ष्य रखा गया है. उपकारा निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने गढ़वा-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 39 पर झारखंड-उत्तर प्रदेश सीमा स्थित बिलासपुर चेकपोस्ट का भी दौरा किया. वहां उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र की विधि-व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती, निगरानी तंत्र व यातायात व्यवस्था की समीक्षा की. उन्होंने निर्देश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सतत मजबूत बनाए रखा जाए. संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी निगरानी और वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए ताकि राज्य की सीमाओं पर कानून व्यवस्था चाक-चौबंद बनी रहे.

खबर का असर: जल्द ही इस समस्या से मुक्ति मिलेगी : डीआरएम

मयंक विश्वकर्मा। बरवाडीह

बरवाडीह रेलवे कॉलोनी के चारों ओर फैली घनी झाड़ियां और असुरक्षित नालियां रेलकर्मी एवं उनके परिवार, बच्चे समेत अन्य लोगों को एक बड़े खतरे को आमंत्रण दे रही है. बरसात के मौसम में हालात और भी गंभीर हो जाता है. टूटी–फूटी नालियां, चारों ओर गंदगी और झाड़ियों में पलते जहरीले जीव–जंतु. इन सभी हालतों के बीच कॉलोनी में रह रहे रेलवे कर्मचारियों के छोटे–छोटे बच्चे और महिलाएं सबसे ज्यादा खतरे में है. रेलकर्मी रोजाना अपनी ड्यूटी पर निकल जाते है, और उनके पीछे छूट जाते है उनके परिवार जो खुद को असुरक्षित महसूस करते है. लेकिन इन जमीनी हकीकतों की परवाह ना तो वरीय अनुभाग अभियंता कार्य को है, ना ही रेलवे हेल्थ इंस्पेक्टर को, जिनका काम कॉलोनी की देखरेख और स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित करना है. इन गंभीर समस्या को शुभम संदेश ने 18 जुलाई के अंक में प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था. वहीं खबर प्रकाशित होने के बाद धनबाद डीआरएम अश्विनी वैष्णव ने खबर पर संज्ञान लेते हुए सोशल मीडिया एक्स पर जवाब दिया कि इस समस्या को नोट कर लिया गया.

15 दिनों में हस्तगत कराएं नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन: डीडीसी

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

15 दिनों में पूरी कराएं चयन प्रक्रिया

मेदिनीनगर। आंगनबाड़ी केन्द्रों में सेविका एवं सहायिका के रिक्त पदों पर चयन प्रक्रिया 15 दिनों के अन्दर आमसभा कर पूरी करें. डीडीसी ने कहा कि चयन प्रक्रिया पूर्ण करने से संबंधित प्रस्ताव को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एक सप्ताह के अन्दर अनुमोदन कराते हुए उन्हें चयन पत्र निर्गत करने हेतु संबंधित सीडीपीओ को आदेश देंगे. उन्होंने सभी चयनित सेविका/सहायिका के शैक्षणिक प्रमाण पत्र की जाँच कराने का निर्देश दिया. वहीं दो दिनों के अन्दर नवचयनित सेविका/सहायिका को योगदान कराने का आदेश दिया.

पलामू डीडीसी जावेद हुसैन ने आज समाज कल्याण विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा की. श्री हुसैन ने आंगनबाड़ी केन्द्र की आधारभूत संरचना से संबंधित समीक्षा के दौरान निर्मित आंगनबाड़ी केन्द्रों को हस्तगत कराने को लेकर भवन निर्माण के कार्यपालक अभियंता, जिला परिषद एवं मनरेगा से भवन निर्मित को सीडीपीओ व महिला पर्यवेक्षिकाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए 15 दिनों के अन्दर हस्तगत कराने का निर्देश दिया. साथ ही सीडीपीओ से जर्जर एवं मरम्मति योग्य भवनों का सत्यापन प्रतिवेदन भौतिक स्थिति के साथ चार दिनों के अन्दर जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने, सरकारी भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय, पेयजल एवं विद्युत्त की उपलब्धता के लिए बीडीओ की अध्यक्षता में समन्वय बैठक आहूत कराने का निर्देश दिया. पोषण ट्रैकर में आवश्यक गतिविधि का इन्ट्री माह के अंत तक 70 प्रतिशत, दैनिक अनुश्रवण, वृद्धि निगरानी, गृह भ्रमण एवं लाभुकों का मोबाइल सत्यापन सेविका / सहायिका का केवाईसी इस माह के अन्त तक शत-प्रतिशत पूर्ण कराने का निर्देश दिया. बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान तथा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका उपस्थित थीं.

लापरवाही

लातेहार में सरकारी तालाब का किया जा रहा है अतिक्रमण

जिस विभाग को है देखरेख की जवाबदेही, साधा है मौन

शुभम संदेश। लातेहार

कहते हैं कि जल ही जीवन है और जल के बिना मानव जीवन की परिकल्पना नहीं की सकती है. जल स्रोतों को बचाना आवश्यक है. नदियों और अन्य जल स्रोतों को बचाने के लिए अदालतों ने भी कई बार आदेश दिये हैं. सरकार भी हर एक उपाय कर रही है. कई प्रावधान बनाये गये हैं. जिले के अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिये गये हैं. जहां भी जल स्त्रातो का अतिक्रमण किया जा रहा है वहां तत्काल कार्रवाई करने का आदेश सरकार ने दिया है. लातेहार जिला मुख्यालय में भी तालाब में अतिक्रमण करने का एक मामला सामने आया है. इसे ले कर स्थानीय लोगों ने उपायुक्त व नगर प्रशासक, लातेहार को एक ज्ञापन सौंप कर तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने का आग्रह किया है. स्थानीय लोगों ने पिछले 03.06.2025 को उपायुक्त, लातेहार को एक आवेदन सौंप कर उक्त तालाब में किये जा रहे अतिक्रमण को रोकने का आग्रह किया था. आवेदन मे बताया गया था कि मुहल्ले के एक युवक के द्वारा उक्त तालाब का नीजि प्रयोग किया जा रहा है. उसके द्वारा तालाब को भरने का प्रयास किया जा रहा है. तालाब भर कर वह रास्ता निकाल रहा है. इससे पहले 02.06.2025 को नगर प्रशासक, लातेहार को भी एक आवेदन दे कर उक्त तालाब में अतिक्रमण को रोकने का आग्रह किया गया. कहा कि जल स्तर को बनाये रखने के लिए तालाब को बचाना आवश्यक है. इस संबंध में पूछे जाने पर नगर प्रशासक राजीव रंजन ने बताया कि शिकायत के बाद तालाब की मापी करायी गयी है. उन्होने कहा कि संबंधित लोगों को नोटिस भी जारी किया गया है. उन्होने कहा कि अवैध निर्माण तोड़ा जायेगा.

शहर की नालियों से हटाया जा रहा है अतिक्रमण

लातेहार। नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर नगर पंचायत, लातेहार के द्वारा बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए शहरी क्षेत्रो के नालियों को अतिक्रमण मुक्त करने की विशेष कार्रवाई शुरू की गयी है. इस अभियान का उद्देश्य है मानसून के दौरान वर्षा जल का सुगम निकासी सुनिश्चित कराना है, ताकि आमजन को जलजमाव व बीमारियों से निजात मिल सके. अभियान के दौरान नालियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया और संबंधित व्यक्तियों को चेतावनी दी गई. नियम उल्लंघन के चलते एक दुकानदार पर एक हजार रूपये का जुर्माना भी लगाया गया. इस कार्यवाही में दंडाधिकारी चार्ल्स गीद, नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा, कनीय अभियंता अमित कुमार, राजस्व निरीक्षक ओमप्रकाश प्रजापति, क्षेत्र पर्यवेक्षक रणधीर कपूर, पिंटू कुमार सहित पुलिस बल मौजूद थे. नगर प्रशासन ने साफ शब्दों में कहा कि सार्वजनिक नालियों को अवरुद्ध करने वाले किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील की गई है ताकि साफ-सफाई और जल निकासी की स्थिति बेहतर बनी रह सके.

बारिश से पांच लोगों का घर हुआ ध्वस्त

रंका। प्रखंड में क्षेत्र के लगातार हो रही बारिश के कारण मिट्टी के मकानों को नुकसान हुआ है. प्रखंड अंतर्गत जोलंगा गांव में बारिश के कारण पांच आदिम जनजाति के परिवारों को घर ध्वस्त हो गया. उक्त कारण पीड़ित परिवार बेघर हो गए हैं. लोग प्लास्टिक से ढककर किसी तरह रह रहे हैं. उन्होंने प्रशासन ने आवास योजना का लाभ देने की गुहार लगाई है. बारिश के कारण जोलंगा गांव के जिन लोगों का घर गिरा उनमें गीता देवी, रूबानी देवी, चरकु परहिया, राजेश लोहार व तुलसी परहिया शामिल हैं. पीड़ित परिवार किसी तरह प्लास्टिक लगाकर रह रहा है. पीड़ितों में गीता और रूबानी देवी को आवास योजना का लाभ नहीं मिला है.बाकी पीड़ितों को मिला है लेकिन वह अधूरा है. सभी परिवार मजदूरी कर अपना भरण पोषण करते हैं. पंचायत की मुखिया रिंकी देवी के प्रतिनिधि घनश्याम सिंह ने सूचना पर मौके पर पहुंच पीड़ित परिवारों के ध्वस्त मकानों का जायजा लिया.

एक नजर

सहायक अध्यापकों ने विधायक को मांग पत्र सौंपा

लातेहार। शनिवार को जिले के सहायक अध्यापकों का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष अतुल कुमार सिंह व महासचिव अनूप कुमार के नेतृत्व में विधायक प्रकाश राम को एक मांग पत्र समर्पित किया. विधायक की अनुपस्थिति में उन्होंने विधायक प्रतिनिधि अनिल कुमार सिंह एवं लातेहार भाजपा जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह को सौंपा. मौके पर सांसद प्रतिनिधि अमलेश कुमार सिंह भी मौजूद थे. सहायक अध्यापकों ने दूरभाष पर विधायक श्री राम से बात की. विधायक प्रकाश राम ने कहा कि सहायक अध्यापकों की मांग जायज हैं और वे विधानसभा सत्र मे सहायक अध्यापकों की मांगों को पुरजारे तरीके से उठायेगें. उन्होने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार सहायक अध्यापकों को बरगला कर सत्ता में आयी है. सहायक अध्यापकों के साथ किया गया एक भी वायदे को सरकार अब तक नहीं पूरा कर पायी है. सहायक अध्यापकों ने ज्ञापन में सहायक अध्यापकों को समान कार्य के बदले समान वेतन देने, आंदोलन के क्रम में दर्ज मुकदमों को वापस लेने, दिवगंत शिक्षकों के परिजनों को अनुकंपा का लाभ देने एवं 28 अगस्त 2024 को सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के साथ सरकार का जो लिखित समझौता हुआ था, उसे लागू करने, सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने एवं 1700 सहायक अध्यापकों की कार्यमुक्ति आदेश को वापस लेने की मांग की गयी. मौके पर सहायक अध्यापक लाल आशीष नाथ शाहदेव, अभिनय कुमार मिश्र, पवन कुमार यादव, अजय कुमार सिंह, प्रमोद प्रसाद, नंद किशोर यादव, निर्मल सिंह यादव, उषा बेक, हरिशंकर यादव, दिनेश कुमार ठाकुर समेत अन्य कई सहायक अध्यापक मौजूद थे. जिला अध्यक्ष ने बताया कि 20 को मनिका विधायक रामचंद्र सिंह को मांग पत्र देते हुए सदन में आवाज उठाने का अनुरोध किया जाएगा.

नव नियुक्त पीजीटी व प्रयोगशाला सहायकों का स्वागत

लातेहार। जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, लातेहार के सभागार में शनिवार को नव नियुक्त पीजीटी एवं प्रयोगशाला सहायक कर्मियों का स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इसका आयोजन प्लस टू शिक्षक संघ, लातेहार जिला इकाई के द्वारा किया गया. कार्यक्रम में सभी नव नियुक्त पीजीटी एवं प्रयोगशाला सहायक कर्मियों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में शिक्षकों से संबंधित विभिन्न मुद्दों यथा वेतन विसंगति, वरीय वेतनमान, सेवा संपुष्टि इत्यादि विषयों पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया. कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार व विशिष्ट अतिथि के रूप में माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार पांडेय, प्लस टू शिक्षक संघ के अध्यक्ष धर्मेंद्र उपाध्याय,सचिव संतोष पासवान, कोषाध्यक्ष प्रयाग कुमार एवं अन्य लोग मौजूद थे. डीइओ श्री कुमार ने हर संभव मदद करने की बात कही. उन्होने जिले में शिक्षा के बेहतर प्रचार व प्रसार तथा विकास के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने की अपील की.

खानाबदोशों की गतिविधियों पर रखें नजर : डीआईजी

मेदिनीनगर। पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम ने प्रक्षेत्र अंतर्गत विभिन्न हिस्सों में टेंट या झोपड़ियों में अस्थायी रूप से रह रहे खानाबदोश समुदायों की संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने का निर्देश सभी थाना को दिया है. उन्होंने कहा कि इन समुदायों द्वारा जड़ी-बूटी बेचने और परिवार के सदस्यों के माध्यम से भीख मंगवाने की गतिविधियों के साथ-साथ चोरी, लूट और अन्य आपराधिक घटनाओं की आशंका बनी हुई है, जिससे आम नागरिकों में भय और असुरक्षा का माहौल बन सकता है. डीआईजी ने कहा है कि थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में इन समुदायों पर विशेष सतर्कता बरतें और निम्न चार बिंदुओं पर सख्ती से अमल करें, जिन स्थानों पर ये समुदाय अस्थायी रूप से डेरा जमाए हुए हैं, वहां नियमित और गहन पुलिस गश्त सुनिश्चित की जाए. संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्क्षण कार्रवाई हो. इन समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति की पहचान की जाए. उनके पास उपलब्ध कोई भी पहचान पत्र, निवास अवधि और वर्तमान ठिकानों की सटीक जानकारी एकत्र कर विस्तृत सूची तैयार की जाए और उसका अद्यतन रिकॉर्ड रखा जाए. डीआईजी ने इस मामले को अत्यंत संवेदनशील बताते हुए कहा कि निगरानी और कार्रवाई में किसी भी स्तर की लापरवाही को गंभीर प्रशासनिक चूक मानते हुए संबंधित अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाएगी.

दिवगंत झामुमो पंचायत अध्यक्ष पंचतत्व में विलीन

बालूमाथ (लातेहार)। प्रखंड के झाबर पंचायत झामुमो अध्यक्ष आनंद उरांव की शुक्रवार को वज्रपात से निधन हो गया था. शनिवार झामुमो नेता व कार्यकर्ताओं के अलावा स्थानीय ग्रामीणों ने उनके अंतिम संस्कार में शामिल होकर नम आंखों से विदाई दी. सभी लोगों ने कहा कि आनंद उरांव न केवल एक सक्रिय झामुमो कार्यकर्ता थे, बल्कि वे समाज में अपनी सेवा भावना और संगठन के प्रति निष्ठा के लिए जाने जाते थे. मौके पर प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गंझू, जिला उपाध्यक्ष कामेश्वर भोक्ता, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रीना उरांव, जिला संयुक्त सचिव ऐश्वर्य उरांव, प्रखंड उपाध्यक्ष मो. सरफराज, प्रखंड बीससूत्री अध्यक्ष सह केंद्रीय सदस्य नागदेव उरांव, बसिया पंचायत अध्यक्ष साबिर अंसारी, रजवार पंचायत अध्यक्ष इदू अंसारी, धाधू पंचायत अध्यक्ष ब्रह्मदेव उरांव, शेरगढ़ा पंचायत अध्यक्ष प्रकाश राम, वरिष्ठ झामुमो नेता यूसुफ आलम सहित सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ता और ग्रामीण जन उपस्थित थे.

लायंस क्लब ऑफ डाल्टनगंज ने किया खिचड़ी वितरण

मेदिनीनगर। लायंस क्लब ऑफ डाल्टनगंज ने शनिवार को सुभाष चन्द्र बोस चौक (सद्दीक चौक) पर खिचड़ी का वितरण किया. सुबह में चौक पर काफी संख्या में जुटे मजदूर तबके के लोगों के बीच पौष्टिक खिचड़ी बांटी गई. क्लब के सदस्यों ने बताया कि पारंपरिक तरीके से पौष्टिकता से भरपूर आहार के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से लायंस क्लब के द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है. सदस्यों ने बताया कि तुपौष्टिकता से भरपूर आहार बांटने की श्रंखला के तहत रविवार को चंद्रशेखर आजाद चौक(रेडमा चौक)पर खस्ता कचौड़ी एवं आलू चने की सब्जी का वितरण किया जाएगा. मौके पर क्लब के अध्यक्ष रूपेश कुमार, सचिव प्रभात अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कुलवंत सिंह, नामधारी, सुधीर अग्रवाल, रितेश कुमार, आलोक माथुर, पियूष तुलस्यान, नवीन गुप्ता, डॉ विनीत सिंह, संजय पाठक, अनवर हुसैन, संजय पाठक, अमित आनंद, दिलीप सांवरिया आदि उपस्थित थे.

मां अष्टभुजी मंदिर व साईं मंदिर का वार्षिकोत्सव संपन्न

विश्रामपुर.(पलामू)। पूजन अर्चना में शामिल पूर्व मंत्री व यजमान आरसीयू के प्रांगण में निर्मित मां अष्टभूजी मंदिर व साई मंदिर का वार्षिकोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया. सुबह ही गायत्री महायज्ञ प्रारंभ हुआ .जिसके उपरांत हवन की गई.पूजा अर्चना में मुख्य यजमान आरसीयू के कुलाधिपति डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी सहित काफी लोग शामिल हुए. पूजन समापन के उपरांत प्रसाद का वितरण किया गया.वहीं दोपहर में वृंदावन से आए कलाकारों के द्वारा भजन व साई भक्तों द्वारा भजन का आयोजन किया गया.पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी शामिल हुए.मौके पर रामचंद्र यादव, रविन्द्र नाथ उपाध्याय, दामोदर यादव, भोला चंद्रवंशी,पांडू प्रमुख प्रतिनिधि सिंटू सिंह,मानदेव साह,संजय चंद्रवंशी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे.

शुभम संदेश

रांची, रविवार 20 जुलाई, 2025

ब्रीफ न्यूज

ट्रैक्टर पलटने से किसान की हुई मौत

चतरा। हंटरगंज प्रखंड के सोनबरसा गांव में खेत जुताई के दौरान ट्रैक्टर पलटने से किसान तिलक यादव (35) पिता जटुन यादव की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी. वह अपने खेत की जुताई कर रहा था, इस दौरान ट्रैक्टर खेत में फंस गया. जिसे दूसरा ट्रैक्टर के सहारे निकालने का प्रयास कर रहा था. इस दौरान ट्रैक्टर का इंजर उपर की ओर उठा और पलट गया. जिससे ट्रैक्टर चला रहा तिलक दब गया. ग्रामीणों ने आनन फानन में ट्रैक्टर हटा कर उसे निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की जानकारी पाकर थाना प्रभारी प्रभात कुमार दल बल के साथ गांव पहुंचे और घटना की जानकारी ली.

घायल लोकेश की इलाज के दौरान मौत

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी प्रखंड के मलकपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम मलकपुर निवासी देवकी साव के इकलौते पुत्र लोकेश कुमार गुप्ता की एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई.हादसा पदमा-इटखोरी मुख्य मार्ग पर करमा के समीप हुआ, जब लोकेश का ट्रक असंतुलित होकर एक पेड़ से जा टकराया।हादसे में लोकेश गंभीर रूप से घायल हो गया.स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत हजारीबाग ले जाया, जहां डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए जवाब दे दिया.इसके बाद परिजन उसे रांची स्थित रिम्स ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है.मृतक के पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, शव को शाम 5 बजे तक मलकपुर लाया जाएगा.

आठ लोगों पर बिजली चोरी की प्राथमिकी

जयनगर (कोडरमा)। अवैध रूप से बिजली जलाने वालों के खिलाफ विभाग ने सख्ती दिखाते हुए थाना क्षेत्र के परसाबाद, कटिया, मकतपुर, नंदोडीह,बाघमारा में कनीय विद्युत अभियंता उज्ज्वल कुमार तिवारी के नेतृत्व में छापेमारी की गई. छापेमारी के दौरान आठ लोगों को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़ा गया. छापेमारी के दौरान विकास हज़ाम, साकेत गुप्ता, अश्विन कुमार, राजेंद्र सिंह, महेश यादव, जगदीश यादव, दामोदर यादव, केदार मोदी पर अवैध रूप से बिजली जलाने को लेकर जुर्माना लगाया गया एवं प्राथमिकी दर्ज करने के लिए थाना में आवेदन दिया गया है. छापेमारी अभियान में सहायक विद्युत अभियंता गजेन्द्र टोप्पो, मानव बल कर्मी मुन्ना यादव, सौरभ कुमार आदि शामिल थे.

कोडरमा में किसानों को कृषि यंत्र वितरित

कोडरमा। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार कोडरमा के सौजन्य से बिरसा सांस्कृतिक भवन में कृषि यांत्रिकीकरण प्रोत्साहन योजना के तहत मिनी ट्रैक्टर, पावर टीलर, सोलर पम्पसेट एवं पम्पसेट वितरण समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव, बरही विधायक मनोज कुमार यादव, उपायुक्त ऋतुराज एवं जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया.इस मौके पर 80% अनुदान पर वंदना, गुलाब,आरती एवं महादेव आजीविका सखी मंडल को मिनी ट्रैक्टर व अन्य कृषि यंत्र वितरित किए गए. साथ ही लाभुक मनोज कुमार यादव को पावर टीलर एवं 15 किसानों को सोलर पम्पसेट प्रदान किए गए.डॉ. नीरा यादव ने वर्षा जल संचयन और मृदा संरक्षण पर बल दिया.

जिला बाल कल्याण समिति का कार्यालय बदहाली की आंसू रो रहा, प्रशासन मौन

कबाड़ बना भवन का कमरा, लोगों में आक्रोश

अभिमन्यु सिंह ।चतरा

जिला मुख्यालय स्थित बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) का कार्यालय अपने स्थापना काल से ही बदहाली का दंश झेल रहा है.इस भवन में बुनियादी सुविधाओं का न सिर्फ घोर अभाव है, बल्कि अपने आप में जर्जर भवन को समेटे हुए है.₹कोढ़ में खाज₹ की युक्ति को चरितार्थ करता इस भवन को समाज कल्याण विभाग द्वारा फिलहाल कबाड़ की वस्तु रखने का स्थान बना दिया गया है.

सबसे मजे की बात तो यह है कि बाल कल्याण समिति में संसाधनों का घोर आभाव का सामना यहां कार्य करने वाले लोगों को झेलना पड़ रहा है.यहां काम करने वाले कर्मचारियों को पीने के लिए शुद्ध पेयजल भी यहां उपलब्ध नहीं है.

इस विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति तो कर दिया गया है, परंतु आजतक न तो कंप्यूटर उपलब्ध कराया गया है और ना हीं प्रिंटर.कार्यालय का सारा कार्य पैसा देकर बाहर से कराना पड़ता है.उसी प्रकार कागज, कलम तथा रजिस्टर भी विभाग द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया है.कार्यालय में पर्याप्त मात्रा में कुर्सी भी ही यहां उपलब्ध नहीं है.वर्ष 2010 से चतरा जिले में बाल कल्याण समिति कार्यरत है, तथा प्रत्येक तीन वर्ष पर इसका पुनर्गठन होता है.यह समिति महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग झारखंड सरकार के अंतर्गत कार्य करती है, जिस पर 18 वर्ष तक के बच्चों को देख रेख एवं संरक्षण की जरूरतमंद बच्चों के लिए कार्य करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है.इतने महत्वपूर्ण कार्य करने वाले सीडब्ल्यूसी का कार्यालय परिसर में गंदगी का अंबार कभी भी देखा जा सकता है.इसके कैंपस में जंगली पेड़ पौधों तथा घास ने जबरन अपना कब्जा जमा लिया है.भवन का हालत भी काफी जर्जर हो गया है.इतना महत्वपूर्ण कार्य करने वाली इस संस्था में एक भी सफाई कर्मी आज तक उपलब्ध नहीं कराया गया है.इस स्थिति में यह सवाल उठता है कि बच्चों को संरक्षण देने का इतना महत्वपूर्ण जवाबदेही जिस संस्था के कंधों पर है और जो झारखंड सरकार की महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग से संचालित है वह आज खुद बेवस और लाचार है.आगे देखना दिलचस्प होगा कि जिला के वरीय पदाधिकारी इस विभाग की खोज खबर लेते भी हैं या फिर इसे यूं ही देखकर अनदेखी कर देते हैं.

उपायुक्त कीर्तिश्री ने किया मयूरहंड प्रखंड का निरीक्षण

जाना योजनाओं की जमीनी हकीकत, लिया जायजा

❖ जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक

❖ महिला समूहों की आजीविका गतिविधियों की सराहना

शुभम संदेश।चतरा

उपायुक्त कीर्तिश्री ने शनिवार को मयूरहंड प्रखंड का व्यापक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं, सार्वजनिक सेवाओं और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों की गहन समीक्षा की. उन्होंने अधिकारियों को पारदर्शी व प्रभावी कार्य निष्पादन के निर्देश दिए और आमजनों की समस्याएं भी सुनीं.निरीक्षण की शुरुआत करमा पंचायत के अम्बा टांड़ में निर्मित मनरेगा पार्क से हुई, जहां उपायुक्त ने इसका औपचारिक उद्घाटन किया. लगभग 30 एकड़ में फैले इस पार्क को पर्यावरण संरक्षण, रोजगार सृजन व सामुदायिक उपयोग के उद्देश्य से विकसित किया गया है. उपायुक्त ने भूमि संरक्षण, जल संचयन के दीर्घकालिक उपायों को अपनाने तथा सुगम आवागमन हेतु सड़क निर्माण की योजना को शीघ्र स्वीकृति देने के निर्देश दिए.

मँझगांवा पंचायत स्थित अंजनवा जलाशय का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने इसे सिंचाई और ग्रामीण पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने पर बल दिया. उन्होंने गहरीकरण, सौंदर्यीकरण और साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर करने का निर्देश दिया, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिल सके.उपायुक्त ने मयूरहंड प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर चिकित्सा सेवाओं, औषधि भंडारण और सफाई व्यवस्था का मूल्यांकन किया. साथ ही, झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय का भी दौरा किया और छात्राओं के लिए उपलब्ध भोजन, सुरक्षा, शिक्षण और आवासीय सुविधाओं की समीक्षा की.

परोरिया उत्तरवारी की राधा देवी से मुलाकात की, जिन्होंने समूह से 2 लाख का ऋण लेकर 12 गायों के माध्यम से प्रतिदिन 160 लीटर दूध का उत्पादन शुरू किया. इससे उनकी मासिक आय 35,000 से 40,000 तक पहुंच रही है. उपायुक्त ने उनकी इस प्रेरणादायक पहल की सराहना करते हुए अन्य महिलाओं को भी प्रोत्साहित किया. निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, चतरा अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, कृषि पदाधिकारी निखत प्रवीण, बीडीओ मयूरहंड, जनप्रतिनिधि व कई पदाधिकारी उपस्थित थे.

आम नागरिकों की शिकायतें सुनीं

प्रखंड सह अंचल कार्यालय में आयोजित बैठक में उपायुक्त ने मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, प्रमुख और जिला परिषद सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधियों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं पर चर्चा की. उन्होंने आम नागरिकों की व्यक्तिगत शिकायतें भी सुनीं और त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया.

महिला समूहों की गतिविधियों का निरीक्षण

परोरिया गांव में उपायुक्त ने जेएसएलपीएस से जुड़ी महिलाओं द्वारा संचालित आटा मिल, सरसों तेल मिल आदि इकाइयों का निरीक्षण किया और उन्हें बाजार से जोड़ने तथा तकनीकी सहयोग देने के निर्देश दिए. उन्होंने इन इकाइयों को ग्रामीण स्वरोजगार और महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया.

धारदार हथियार से अधेड़ की हत्या

चतरा। आधुनिक विज्ञान और डिजिटल युग में भी अंधविश्वास समाज पर किस कदर हावी है, इसका एक और भयावह उदाहरण जिले के प्रतापपुर प्रखंड में सामने आया है. प्रतापपुर प्रखंड क्षेत्र के टंडवा पंचायत अंतर्गत बरवाकोचवा गांव में अंधविश्वास के वशीभूत वहशी दरिंदों ने कैल भारती (59) नामक अधेड़ व्यक्ति की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी. यह दिल दहला देने वाली घटना शुक्रवार देर रात की है. जब मृतक अपने झोपड़ीनुमा मोड़ई में सो रहा था. सूत्रों के अनुसार इस जघन्य वारदात के पीछे ओझा-गुनी और झाड़ फूंक जैसी कुप्रथा को मुख्य कारण बताया जा रहा है. आशंका जताई जा रही है कि कैल भारती को किसी तांत्रिक कर्मकांड या जादू टोना के नाम पर बलि चढ़ाया गया है. यह घटना समाज में व्याप्त अंधविश्वास की गहरी जड़ों और उसके घातक परिणामों को एक बार फिर उजागर करती है. घटना की सूचना मिलते ही प्रतापपुर थाना प्रभारी कासिम अंसारी अपने दलबल के साथ तत्काल बरवाकोचवा गांव पहुंचे. पूछताछ के दौरान मृतक की पुत्री रोशनी कुमारी ने थाना प्रभारी को बताई कि मेरे पिता रात में खाना खाकर इसी झोपड़ी में मेमोरी में आकर सो गए थे. सुबह हम लोग देख तो खाट पर पिता का शव पड़ा था, और खून बह रही थी. उसने थाना प्रभारी को बताई कि अंधविश्वास को लेकर गोतिया के साथ लड़ाई चल रही थी. गोतिया के लोग हमेशा मेरे पिता को हत्या कर देने की धमकी देते थे. रात में ही मेरे पिता की हत्या कर फरार हो गए. घटनास्थल पर पहुंचे थाना प्रभारी ने मृतक के शव का पंचनामा बनाया और पोस्टमार्टम के लिए चतरा भेज दिया.

कोडरमा में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 अभियान तेज

11,239 ग्रामीणों ने दी प्रतिक्रिया

शुभम संदेश।जयनगर (कोडरमा)

भारत सरकार द्वारा संचालित स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 अभियान कोडरमा जिला में जोर-शोर से चलाया जा रहा है. बीडीओ गौतम कुमार ने कहा कि इस सर्वेक्षण का उद्देश्य यह जानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को लेकर अब तक किए गए प्रयासों की क्या प्रतिक्रिया आम जनता में है? इसके लिए सरकार द्वारा एसबीएम-एसएसजी 2025 मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है, जिसे प्ले स्टोर से आसानी से डाउनलोड कर, ओटीपी के माध्यम से लॉगिन करके, केवल 13 प्रश्नों का उत्तर देकर आप अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कर सकते हैं. आगे बताया कि अब तक कोडरमा जिला के 11,239 ग्रामीणों ने अपनी प्रतिक्रिया देकर स्वच्छता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है.आपके विचार ही आपके गांव, पंचायत और जिले को और अधिक सशक्त व स्वच्छ बनाने की दिशा में मार्गदर्शन करेंगे. यह सर्वे भविष्य की योजनाओं के निर्माण में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका तय करता है. इस अभियान को सफल बनाने में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जिला और प्रखंड स्तर की पूरी टीम, वाश समन्वयक, जल सहिया दीदी, आंगनबाड़ी सेविकाएं, सहिया दीदी और स्वयं सहायता समूह की दीदी पूरे समर्पण से कार्य कर रही हैं.

बीओआई ने 32 करोड़ रुपये के ऋण का स्वीकृति पत्र जारी किया

शुभम संदेश।हजारीबाग

बैंक ऑफ इंडिया, हजारीबाग ज़ोन ने होटल श्री विनायक में ₹किसान दिवस समारोह₹ का भव्य आयोजन किया गया.इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों के योगदान को सम्मान देना, बैंक की योजनाओं की जानकारी साझा करना और कृषि व पशुपालन क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना था.कार्यक्रम की शुरुआत महाप्रबंधक धनंजय कुमार एवं आंचलिक प्रबंधक नरेंद्र कुमार द्वारा पौधारोपण से की गई.इसके बाद दीप प्रज्वलन व स्वागत सत्र आयोजित हुआ.इस अवसर पर राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की जिला विकास प्रबंधक ऋचा भारती, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी न्यूटन टिर्की एवं बैंक के महाप्रबंधक धनंजय कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।समारोह में किसानों को बैंकिंग सेवाओं, विभिन्न ऋण योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड, डेयरी व पशुपालन ऋण, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग ऋण तथा बीमा योजनाओं की जानकारी दी गई।बैंक द्वारा चयनित उत्कृष्ट किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया गया.इस अवसर पर कुल 32 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए, जिसमें को 3 करोड़, कृषि एवं पशुपालन से संबंधित गतिविधियों के लिए 27 करोड़ और एमएसएमई क्षेत्र में 2 करोड़ रुपये शामिल हैं. कार्यक्रम में विभिन्न कृषि व्यवसायियों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉल्स का भी अवलोकन किया गया।इस मौके पर आंचलिक प्रबंधक नरेंद्र कुमार ने कहा, बैंक ऑफ इंडिया केवल एक वित्तीय संस्थान नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास और किसान सशक्तिकरण का विश्वसनीय भागीदार है. महाप्रबंधक धनंजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा, "किसान भारत की आत्मा हैं.

कॉन्फ्रेंस

आईसेक्ट विवि की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का सफल समापन

नैनो तकनीक पर संवाद का बना वैश्विक मंच

शुभम संदेश ।हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का सफल समापन शनिवार को हुआ.उन्नत नैनो सामग्री और इसके अनुप्रयोग : भौतिकी में हालिया प्रगति विषय पर केंद्रित इस सम्मेलन के तीसरे और अंतिम दिन भी शोध एवं विज्ञान के क्षेत्र में विविध सत्र आयोजित हुए, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए विद्वानों एवं विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया.

समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय मंच ने शोध और नवाचार को लेकर छात्रों में नई चेतना जगाई है.

हमें गर्व है कि हमारा विश्वविद्यालय इस तरह के वैश्विक संवाद का केंद्र बना.कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि हमारा उद्देश्य एक ऐसा शिक्षण वातावरण विकसित करना है, जहां विज्ञान और तकनीक का उपयोग करके समाजोपयोगी समाधान निकल सकें.यह कांफ्रेंस हमारी अकादमिक दृष्टि और वैश्विक सोंच का उदाहरण है. उन्होंने सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को इस आयोजन की सफलता के लिए धन्यवाद दिया।मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित महाराजा भोज गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, धार, मध्यप्रदेश के सहायक प्राध्यापक डॉ सागर सेन ने कहा कि नैनो टेक्नोलॉजी आने वाले दशकों में विज्ञान का चेहरा बदलने वाली है.हमें इस क्षेत्र में सतत शोध और वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है.

ऐसे आयोजन इस दिशा में मजबूत कदम हैं.तीसरे दिन के अन्य प्रमुख वक्ताओं में प्रो पी महतो (विभावि), डॉ नित्य गर्ग (सहायक प्राध्यापक, सारला बिरला विश्वविद्यालय), डॉ नितीश कुमार और मुकेश कुमार साव (सहायक प्राध्यापक, आईसेक्ट विश्वविद्यालय) शामिल रहे.इन सभी वक्ताओं ने नैनो तकनीक के विविध आयामों जैसे शिक्षा, कृषि, चिकित्सा और पर्यावरणीय अनुप्रयोगों पर अपने विचार रखे.

सम्मेलन के दौरान आयोजित विभिन्न तकनीकी सत्रों में कई शोधकर्ताओं ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए.चयनित प्रतिभागियों को समापन सत्र में प्रमाणपत्र प्रदान किए गए. तीनों दिनों के तकनीकी सत्रों का समन्वय मुकेश कुमार साव ने किया.

मंच संचालन बिशाखा बाला एवं नेहा सिन्हा ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन कोमल पल्लवी भेंगरा ने किया.सम्मेलन को सफल बनाने में विज्ञान विभाग के एचओडी सबिता कुमारी, नेहा सिन्हा, राहुल राजवार, विशाखा बाला, डॉ नितीश कुमार, श्रृष्टि सिन्हा, रौशन कुमार, मानसी प्रधान, मुन्ना कुमार व बबलू कुमार सहित विश्वविद्यालय की पूरी टीम का योगदान सराहनीय रहा.

गायक दीपक सिंह का नया कांवर भजन जल्द होगा रिलीज

कोडरमा। जिले के उभरते हुए गायक दीपक सिंह का नया कांवर भजन "चला ध्वजाधारी पहड़िया बनके कांवरिया" बहुत जल्द माही सोनू यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया जाएगा. सावन के पावन महीने में कांवर यात्रा की आस्था और ऊर्जा को समर्पित यह भजन खास डीजे म्यूजिक के साथ तैयार किया गया है. गायक दीपक सिंह ने बताया कि उन्हें झरनाकुंड बाबा और ध्वजाधारी बाबा में गहरी आस्था है. उन्होंने इससे पहले भी "जलवा चढ़ाई ध्वजाधारी पहड़िया" जैसे भक्तिमय भजन प्रस्तुत किए हैं, जिन्हें श्रोताओं ने खूब सराहा. इस बार के भजन में संगीत और भावनाओं का विशेष समावेश किया गया है. भजन के वीडियो में दीपक सिंह के साथ कोडरमा के रंजीत रॉयल और भानु प्रताप ने विशेष भूमिका निभाई है. कैमरामैन रवि क्षेत्री, कोरियोग्राफर एवं डायरेक्टर माही सोनू के निर्देशन में इस भजन का फिल्मांकन किया गया है.

एक नजर

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में सिविल सेवा पर केंद्रित करियर काउंसलिंग आयोजित

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग में शनिवार को सिविल सेवा परीक्षाओं पर केंद्रित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ सादिक रज्जाक ने की.मुख्य वक्ता रामकृष्ण आईएएस अकादमी, धनबाद के निदेशक विभात शांडिल्य ने विद्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी से जुड़ी उपयोगी बातें साझा कीं. उन्होंने परिवार से जुड़े रहने, शिक्षकों से मार्गदर्शन लेने और करियर को लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि सही दृष्टिकोण और सकारात्मक सोच से सफलता संभव है.डॉ राज शेखर ने यूपीएससी और जेपीएससी की रणनीतिक तैयारी, पाठ्यक्रम विश्लेषण व विषय चयन पर विस्तार से जानकारी दी. अध्यक्षीय संबोधन में डॉ सादिक रज्जाक ने स्ट्रक्चर्ड और योजनाबद्ध अध्ययन के महत्व पर बल देते हुए सीमित समय में अधिकतम उपयोग की रणनीति साझा की.कार्यक्रम का संचालन डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने किया. इसमें विभागीय शिक्षक, छात्र और शोधार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए.

डीसी ने मिशन वात्सल्य व ओल्ड एज होम का निरीक्षण किया

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शनिवार को मिशन वात्सल्य (सृजन फाउंडेशन) तथा ओल्ड एज होम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की.मिशन वात्सल्य में उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, बच्चों की देखरेख, स्टाफ ड्यूटी, साफ-सफाई,सीसीटीवी और गेट की स्थिति की जांच की.बच्चों का प्रोपर वैक्सीनेशन हो, उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, इसके लिए उपायुक्त ने डीसीपीओ को साप्ताहिक निरीक्षण करने का आदेश दिया.ओल्ड एज होम में उपायुक्त ने बुजुर्गों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली.चिकित्सीय जांच, स्वच्छता, कंबल,दवाइयां और बैठने की सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

टंडवा पहुंचा 16 हाथियों का झुंड, ग्रामीण भयभीत

टंडवा (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों एक साथ 16 जंगली हाथियों का दल घूम रहा है, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है.विशेष रूप से राहम सरादु पंचायत के ग्रामीणों में भारी भय व्याप्त है.खेतों, पेड़ों, घरों और अनाज भंडारों को हाथी नुकसान पहुंचा रहे हैं।ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों ने अब तक कई खेतों की फसलें बर्बाद कर दी हैं, पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचाया है और कुछ घरों को भी क्षति पहुंचाई है.इससे न केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि लोगों की जान को भी खतरा बना हुआ है।हाथियों की लगातार आवाजाही से क्षेत्र में काम कर रहे मजदूरों और राहगीरों में भय का वातावरण है.लोग आवश्यक कार्यों के लिए भी घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं.वन विभाग की टीम क्षेत्र में सक्रिय है और हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रही है.

उप-प्रधानाचार्य की मोबाइल चोरी हुई

चौपारण (हजारीबाग)। ज्ञान कुंज इंटरनेशनल स्कूल, चौपारण के उप-प्रधानाचार्य श्री नंदकिशोर कुमार का मोबाइल फोन आज उस समय चोरी हो गया जब वे साप्ताहिक बाजार महाराजगंज बीघा में सब्जी खरीद रहे थे.यह घटना गुरुवार को करीब शाम 3:30 बजे की है.श्री कुमार ने बताया कि उन्होंने विद्यालय के अन्य शिक्षकों के साथ मिलकर मोबाइल की खोजबीन की, परंतु सफलता नहीं मिली.इसके बाद उन्होंने शाम लगभग 7:30 बजे चौपारण थाना में इस घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई है।चोरी हुए मोबाइल में दो सिम कार्ड लगे थे – एक एयरटेल (9430352276) और दूसरा जियो (6200750790) का. यह मोबाइल न केवल व्यक्तिगत रूप से अहम था, बल्कि इसमें विद्यालय से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज और बच्चों के साथ ली गई हजारों तस्वीरें भी संग्रहित थीं.

सीजीएम ने किया एनसीसी शिविर का उद्घाटन

जयनगर (कोडरमा)। तिलैया डैम स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय में शनिवार को केटीपीएस के सीजीएम सह परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर ने शनिवार को दीप प्रज्जवलित कर एनसीसी शिविर का उद्घाटन किया. इस दौरान एनसीसी के अधिकारी बलविंदर सिंह अमील बारा भी उपस्थित थे. इस मौके पर सीजीएम मनोज कुमार ठाकुर ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य कैडेटों में अनुशासन, नेतृत्व और तकनीकी जागरूकता पैदा करना साथ ही साथ देशभक्ति और सेवा की भावना को बढ़ावा देना है. इस मौके पर शिविर अवधि के लिए रामचंद्र शर्मा को कम्प्यूटर प्रशिक्षक नियुक्त किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य रामलखन यादव ने किया. इस मौके पर काफी संख्या में शिक्षक व डीवीसी के अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे.

डीडीसी ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

कोडरमा। उप विकास आयुक्त रवि जैन के द्वारा कोडरमा प्रखंड अंतर्गत मरियमपुर बिरहोर टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में बच्चों को दी जा रही समावेशी शिक्षा, पोषण वाटिका की स्थिति, रजिस्टर संधारण एवं दैनिक गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण एवं शिक्षा सुनिश्चित की जाए, साथ ही पोषण वाटिका को बेहतर तरीके से संरक्षित एवं उपयोग में लाया जाए. इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती कनक कुमारी तिर्की सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्थानीय कर्मी उपस्थित थे.

पेट्रोल-डीजल से लदा टैंकर पलटा, चालक और खलासी सुरक्षित

जयनगर (कोडरमा)। थाना क्षेत्र के पाण्डु शांति ढाबा के समीप एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, बीती रात जब पेट्रोल और डीजल से भरी भारी टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क छोड़ खेत में पलट गई. इस हादसे में चालक और खलासी बाल-बाल बच गए. जानकारी के अनुसार, टैंकर जेएच 15पी 8626 बोकारो डिपो से पिपचो पेट्रोल पंप आ रही थी. शांति ढाबा के पास अचानक चालक का संतुलन बिगड़ा और देखते ही देखते पेट्रोल-डीजल से लदी टैंकर खेत में जा घुसी. पलटने के बाद टैंकर से डीजल का रिसाव शुरू हो गया, जिससे आसपास तेज गंध फैल गई. घटना बीती रात को हुई, अहले सुबह जब लोगों की नींद खुली तो यह मंजर देख लोगो का सास कुछ पल के लिए थम गया. लोगों ने कहा कि हादसे के समय रात था अगर दिन होता तो खेत में किसान काम रहे होते तो कुछ भी अनहोनी हो सकती थी. टैंकर सीधा करने में घंटों मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से टैंकर को सीधा किया गया. तब तक खेत में कई लीटर डीजल बह चुका था, पेट्रोल का चैंबर सही सलामत है.

फ्लाई ऐश पाउंड लदा ट्रैक्टर जब्त,एक गिरफ्तार

जयनगर (कोडरमा)। केटीपीएस से फ्लाई ऐश के अवैध कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फ्लाई ऐश एरिया से एक ट्रैक्टर को जप्त किया है. साथ ही चालक को भी गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने कांड संख्या 168/25 दर्ज करते हुए गिरफ्तार चालक घंघरी निवासी अंशु सिंह उम्र 26 वर्ष पिता देवराज सिंह को जेल भेज दिया है.

ब्रीफ न्यूज

कोडरमा में सभी अंचलों में विशेष राजस्व कैंप का आयोजन

कोडरमा। उपायुक्त कोडरमा ऋतुराज के निर्देशानुसार कोडरमा जिला अंतर्गत सभी अंचलों में दिनांक 19 जुलाई, 21 जुलाई एवं 22 जुलाई को विशेष राजस्व कैम्प का आयोजन किया जा रहा है. यह कैम्प दाखिल-खारिज, निबंधन, भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग से संबंधित अन्य लंबित मामलों के निष्पादन के लिए जनहित में आयोजित किया जा रहा है. इसी कड़ी में आज कोडरमा जिला अंतर्गत सभी अंचलों में विशेष राजस्व कैम्प का आयोजन किया गया. जिसमें 30 दिनों से अधिक समय से लंबित आपत्ति सहित एवं आपत्ति रहित दाखिल-खारिज मामलों का निष्पादन किया गया.

ऑपरेशन नार्कोस के तहत गांजा तस्कर गिरफ्तार

कोडरमा। ऑपरेशन नार्कोस के तहत आरपीएफ ने शनिवार को लगभग साढ़े पांच किलो गांजा के साथ एक युवक को ट्रेन से गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार युवक की पहचान बैजू कुमार उर्फ देवराज, पुत्र स्वर्गीय राजेंद्र चौधरी, निवासी थाना नसीरगंज, रोहतास (बिहार) के रूप में हुई है. आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर धनबाद अपराध शाखा, आरपीएफ और जीआरपी के संयुक्त छापेमारी अभियान के दौरान ट्रेन के सामान्य बोगी में यात्रा कर रहे युवक को संदेह के आधार पर पकड़ा गया.

रातू में फर्जी डॉक्टर का क्लीनिक किया गया सील

रातू। रांची के रातू थाना क्षेत्र के काठीटांड चौक स्थित एक फर्जी क्लीनिक को प्रशासन ने शनिवार को सील कर दिया. ग्रामीणों की शिकायत और वीडियो साक्ष्य के आधार पर सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार के निर्देश पर एसडीएम संजय तिवारी ने यह कार्रवाई की. मुकेश कुमार के घर में संचालित "चांदसी दवाखाना" नामक इस क्लीनिक को डॉ. एनके हाजरा चला रहे थे, जो न तो अपनी डिग्री दिखा पाए और न ही उनके पास ड्रग लाइसेंस या फार्मेसी सर्टिफिकेट था. खुद को डॉक्टर बताकर वह अपेंडिक्स, खांसी, यहां तक कि कैंसर तक का इलाज करने का दावा करता था.

अनुमंडल पदाधिकारी ने किया राजस्व शिविर का निरीक्षण

कोडरमा। अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, अपर समाहर्ता पूनम कुजुर, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी ने अंचल कार्यालय में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया. उन्होंने शिविर में आए आवेदनों का शीघ्र और निष्पक्ष निपटारा करने का निर्देश दिया. सभी अंचल अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि अधिक-से-अधिक लंबित मामलों का निष्पादन हो तथा प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ शीघ्र कार्रवाई की जाए. परिशोधन के तहत प्राप्त सभी मामलों में दस्तावेजों का गहन सत्यापन कर, संतुष्टि के उपरांत ही निर्णय लिया जाए.

बिरसा पीएम फसल बीमा योजना पर बैठक संपन्न

कैरो (लोहरदगा)। कैरो प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को बिरसा प्रधानमंत्री खरीफ फसल बीमा योजना को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता बीडीओ छंदा भट्टाचार्य ने की. इसमें एचडीएफसी बैंक के बीमा प्रतिनिधियों, कृषक मित्रों, मुखियाओं और सीएससी संचालकों ने हिस्सा लिया. बैठक में बीडीओ ने फसल बीमा योजना की प्रक्रिया, लाभुकों के चयन के मापदंड और आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी दी.

सांसद कालीचरण सिंह ने नेगाई में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का किया उद्घाटन

अनुसूचित जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी

शुभम संदेश। लातेहार

सदर प्रखंड के नेगाई गांव में सांसद कालीचरण सिंह ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का भव्य उद्घाटन किया. इस अवसर पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, और विद्यार्थियों ने दीप प्रज्वलित कर 2025-26 सत्र का शुभारंभ किया. समारोह में विद्यार्थियों ने परंपरागत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल को और भी रंगीन बनाया. सांसद कालीचरण सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि इस विद्यालय के माध्यम से अनुसूचित जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, जिससे उनका समग्र विकास संभव होगा. उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई, अनुशासन और मेहनत को अपना मूल मंत्र बनाने की प्रेरणा दी. यह विद्यालय भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के तहत स्थापित किया गया है.

संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के तहत, नेगाई स्थित इस एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का निर्माण कार्य राज्य सरकार द्वारा कराया गया है. विद्यालय का सत्र 2025-26 से प्रारंभ हो रहा है, जिसमें कक्षा VI से XII तक कुल 480 अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राएं अध्ययनरत होंगे. इन्हें निःशुल्क शिक्षा के साथ सभी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी. यह विद्यालय केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के अंतर्गत संचालित होगा. विद्यालय का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जनजाति के छात्रों को उच्च गुणवत्ता की आवासीय शिक्षा प्रदान करना है. इस हेतु भारत सरकार द्वारा दो शिक्षक नियुक्त किए गए हैं, जबकि जिला प्रशासन ने छह अतिथि शिक्षक तैनात किए हैं. कार्यक्रम के दौरान कक्षा 6, 7 और 8 के छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग और यूनिफॉर्म का वितरण भी किया गया.

सांसद कालीचरण सिंह और उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया, जिससे छात्रों में पर्यावरण संरक्षण की भावना जागृत हो. इस अवसर पर आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, गोपनीय प्रभारी श्रेयांश, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे. इस नई शिक्षा संस्था के संचालन से क्षेत्र के आदिवासी बच्चों को बेहतर शैक्षणिक अवसर मिलेंगे और उनकी प्रतिभा निखरकर समाज में उनकी भागीदारी बढ़ेगी. यह विद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि आदिवासी बच्चों के समग्र विकास और सशक्तिकरण का भी मार्ग प्रशस्त करेगा.

फोरलेन पिकअप लूटकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन

चार कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

शुभम संदेश। गुमला

गुमला जिला अंतर्गत सिसई थाना क्षेत्र में बीते 12 जुलाई की रात फोरलेन पर हुए पिकअप लूटकांड का गुमला पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है. इस मामले में पुलिस ने चार कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. पुलिस की तत्परता और सटीक कार्रवाई से घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन, लूटी गई पिकअप और करीब 2 लाख रुपये मूल्य का किराना सामान भी बरामद कर लिया गया है. घटना 12 जुलाई की है, जब लाल पंडरिया बाईपास सड़क पर गुमला की ओर आ रही एक सफेद रंग की पिकअप को बोलेरो सवार अज्ञात अपराधियों ने रोका. पिकअप चालक दिलीप सिंह के अनुसार, लाठी-डंडों से मारपीट कर अपराधियों ने वाहन और उस पर लदे राशन के सामान को लूट लिया. इसके बाद चालक ने सिसई थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई. पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया. 18 जुलाई को बेड़ो थाना क्षेत्र में चार संदिग्धों की गतिविधि की सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें धर दबोचा. पूछताछ में चारों ने फोरलेन लूटकांड में संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि घटना में कुल छह अपराधी शामिल थे.

गिरफ्तार अपराधियों में हुलसी गांव का 28 वर्षीय पुनई उरांव, मासू गांव का 34 वर्षीय कालेश्वर गोप उर्फ क्लेश गोप, जरिया सिंगवार टोली का 26 वर्षीय मनोज उरांव और कटर माली गांव का 38 वर्षीय मनोज महली शामिल हैं. इन सभी का आपराधिक इतिहास रहा है. विशेष रूप से मनोज उरांव पर लूट, हत्या और आर्म्स एक्ट से जुड़े 9 मामले बेड़ो थाना में दर्ज हैं, जबकि पुनई उरांव पर भी हत्या व रंगदारी के तीन मामले दर्ज हैं. पुलिस टीम में सिसई थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक सुरेंद्र कुमार सिंह, तकनीकी शाखा की टीम और सशस्त्र बल के सदस्य शामिल थे. शनिवार दोपहर ढाई बजे एसडीपीओ कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के बाद चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया. गुमला पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है और अपराधियों में डर का माहौल कायम हुआ है.

कोलेबिरा में महिला फील्ड स्टाफ से लूट:आरोपी गिरफ्तार

सिमडेगा। सिमडेगा जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र में एक महिला फील्ड स्टाफ से लूट की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया, जिसमें पुलिस ने महज 72 घंटे के भीतर सफलता पाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. घटना 16 जुलाई 2025 की है, जब जामटोली निवासी प्रीना कुमारी, जो कि भारत माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कोनबीर कार्यालय में फील्ड स्टाफ के पद पर कार्यरत हैं, कंपनी का 29,150 कलेक्ट कर स्कूटी से लौट रही थीं. दोपहर करीब 12 बजे श्रीकोन्डेकेरा जंगल के समीप एक अज्ञात व्यक्ति ने लिफ्ट मांगने के बहाने उन्हें रोका और जान से मारने की धमकी देकर उनके बैग से पूरी राशि लूट ली. इसके बाद वह जंगल में छिपाकर रखी मोटरसाइकिल से फरार हो गया. प्रीना कुमारी द्वारा दी गई शिकायत पर कोलेबिरा थाना में कांड संख्या 62/25 के तहत मामला दर्ज किया गया. पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की पहचान दानिश खान उर्फ पप्पू खान, निवासी बोम्बोटोली, के रूप में की और 19 जुलाई को उसे गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया है. आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने 28,800 नकद और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद कर लिया है. पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है.

पुलिस ने स्कॉर्पियो से किया 6 मवेशी जब्त, चालक फरार

गुमला। घाघरा थाना पुलिस ने अवैध मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियो वाहन से छह मवेशी जब्त किए हैं. हालांकि, पुलिस को देखते ही चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया. मिली जानकारी के अनुसार, घाघरा पुलिस तड़के सुबह 3 बजे पेट्रोलिंग कर रही थी उसी दौरान चपका के समीप एक खड़ी स्कॉर्पियो के समीप कुछ लोग दिखे एवं जब सामने जाकर पुलिस ने पूछताछ करने के लिए गाड़ी रोकी वैसे ही पुलिस को देखकर वो लोग घबरा गये और गाड़ी सड़क किनारे छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए.

नाबालिग से गैंगरेप के तीन आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

गुमला। नाबालिग से गैंगरेप के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. मामला 17 जुलाई का है. पुलिस को 18 जुलाई को गुप्त सूचना मिली थी. इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गुमला के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया. दल में थाना प्रभारी महेंद्र कुमार करमाली पुलिस अवर निरीक्षक विनय कुमार महतो बबीता कुमारी और सशस्त्र बल शामिल थे. शाम छपारी दल ने चेटर मैदान के पास स्थित अनूप उरांव के घर पर दबिश दी. अनुप उरांव को घर में मौजूद पाया गया. कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने बताया कि पंकज उरांव और बलराम महतो ने मिलकर एक नाबालिग लड़की को सुनसान जगह पर दुष्कर्म किया फिर उसे चेटर मैदान के पास छोड़ दिया था. अनूप को मौके पर गिरफ्तार किया गया.

बीडीओ ने किया आवास योजना का निरीक्षण, दिये निर्देश

भंडरा (लोहरदगा)। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) प्रतिमा कुमारी ने शनिवार को भंडरा पंचायत का दौरा कर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत हो रहे आवास निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने विभिन्न गांवों में चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और कार्य की प्रगति की जानकारी ली. बीडीओ ने लाभुकों को निर्देश दिया कि वे आवंटित राशि के अनुसार निर्धारित चरणों में आवास निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करें.

सर जेसी एकेडमी में संस्थापक दिवस धूमधाम से संपन्न हुआ

शिक्षा और सामाजिक सेवा का मिला संदेश

शुभम संदेश। बुढ़मू

सर जेसी एकेडमी में संस्थापक जनार्दन चौबे की जयंती के अवसर पर संस्थापक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा स्व. जनार्दन चौबे के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई. इसके पश्चात विद्यार्थियों ने प्रकृति, पर्यावरण और भारतीय संस्कृति पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया. छात्र-छात्राओं ने शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और पौधों के संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक किया. इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी अतिथियों को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया, जो प्रेम, प्रकृति और विकास का प्रतीक बना. कार्यक्रम में पूर्व जिप उपाध्यक्ष पार्वती देवी और बुढ़मू थाना प्रभारी रितेश कुमार बतौर विशेष अतिथि शामिल हुए. उन्होंने सर जे. सी. एकेडमी की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र का भविष्य का शिक्षा केंद्र बताया. उन्होंने कहा कि यह संस्थान न सिर्फ शिक्षा बल्कि कौशल विकास और नैतिक मूल्यों के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है. कार्यक्रम के दौरान हिंदुस्तान ओलिंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सब इंस्पेक्टर त्रिदेव कुमार, प्रभात कुमार और अरविंद ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया.

महिलाओं ने की सांसद से जर्जर सड़क निर्माण की मांग

नामकुम। बरगंवा कालीनगर की महिलाओं ने जर्जर सड़क निर्माण को लेकर राज्यसभा सांसद प्रोफेसर आदित्य साहू से मुलाकात की. इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर और मंडल उपाध्यक्ष पुष्पा चौधरी ने किया. बरगँवा कालीनगर में जनसंख्या घनत्व काफी अधिक है, लेकिन कई सड़कें खराब हालत में होने के कारण खासकर बरसात के दिनों में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है. सड़कों की खराबी के कारण बच्चे स्कूल आने-जाने में असुविधा झेलते हैं और घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है. स्थानीय महिलाओं ने कई बार प्रशासन से सड़क निर्माण की मांग की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. लगातार बारिश से सड़कों की स्थिति और भी खराब हो गई है. तंग आकर महिलाओं ने इस समस्या को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर और मंडल उपाध्यक्ष पुष्पा चौधरी के सामने रखा. इसके बाद उन्होंने सांसद से मिलकर अपनी समस्या बताने का फैसला किया.

झारखंड चैंबर का प्रतिनिधिमंडल साहेबगंज रवाना हुआ

रांची। संथाल परगना प्रमंडल में आयोजित क्षेत्रीय अधिवेशन और कार्यकारिणी समिति की बैठक में शामिल होने के लिए अध्यक्ष परेश गट्टानी के नेतृत्व में झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स का 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल रांची से रवाना हुआ. विदित हो कि साहेबगंज में रविवार को झारखंड चैंबर के कार्यकारिणी समिति की बैठक है. ईस्टर्न झारखंड चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के आतिथ्य में इस बैठक का आयोजन किया गया है. बैठक शाम 4 बजे से आयोजित है. कार्यकारिणी बैठक से पूर्व सुबह 11 बजे से संथाल परगना प्रमंडल के व्यापारियों-उद्यमियों का क्षेत्रीय अधिवेशन का आयोजन भी किया गया है. अधिवेशन में गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहेबगंज, पाकुड़, गुमला, पलामू, कोयलांचल प्रमंडल के चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों-व्यापारियों का महाजुटान होगा. झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि संथाल परगना सिर्फ झारखंड का एक प्रमंडल नहीं, बल्कि असीम संभावनाओं का केंद्र भी है. हमारा मानना है कि यदि हमें एक समृद्ध झारखंड चाहिए, तो हमें एक सशक्त संथाल परगना चाहिए. उक्त जानकारी देते हुए चैम्बर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा जिले के व्यापारियों-उद्यमियों की समस्याएं जानने के लिए झारखंड चैंबर के द्वारा जिलों का दौरा सत्र के आरंभ से ही किया जा रहा है.

परेशानी अलौदी पंचायत स्थित चंदवा नंदवा टोली गांव पहुंचने वाला मार्ग पूरी तरह कच्चा

लोगों का जीवन व बच्चों की शिक्षा हो रही प्रभावित

शुभम संदेश। सेन्हा (लोहरदगा)

सेन्हा प्रखंड के अलौदी पंचायत स्थित चंदवा नंदवा टोली गांव के लोग आज भी पथ जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित हैं. गांव तक पहुंचने वाला मार्ग पूरी तरह कच्चा है, जो खासकर बरसात के मौसम में कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे लोगों का दैनिक जीवन और बच्चों की शिक्षा दोनों बुरी तरह प्रभावित हो रही है. गांव की स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने लोकसभा सांसद सुखदेव भगत से समस्या के समाधान की गुहार लगाई. ग्रामीणों के अनुसार, यह कच्चा रास्ता लगभग 2.5 किलोमीटर लंबा है और इसमें दो छोटे पुलों की भी जरूरत है. गांव के सेवा निवृत्त जवान तितरु उरांव ने बताया कि बरसात के मौसम में हालात और भी बदतर हो जाते हैं. बाजार, अस्पताल या प्रखंड कार्यालय जाने के लिए कीचड़ से होकर पैदल ही निकलना पड़ता है. बीमार मरीजों को अस्पताल तक ले जाना भी किसी जंग से कम नहीं होता, उन्होंने कहा. महिलाओं और स्कूली बच्चों के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है.

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बच्चों को स्कूल जाने के लिए बांस से बनी अस्थायी पुलिया का सहारा लेना पड़ता है, जिससे उनकी सुरक्षा भी खतरे में रहती है. वहीं, गांव के उत्पादों को बाजार तक पहुंचाना भी चुनौती बन गया है, जिससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक असर पड़ा है. इस समस्या से सांसद सुखदेव भगत को अवगत कराने के लिए उनके प्रतिनिधि नंदकिशोर शुक्ला ने गांव का दौरा किया. भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लिया और उन्हें भरोसा दिलाया कि सांसद महोदय तक यह बात पहुंचाई जाएगी. नंदकिशोर शुक्ला ने बताया कि सांसद को पूरी जानकारी दे दी गई है और उन्होंने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है. ग्रामीणों ने सांसद के इस प्रयास की सराहना करते हुए धन्यवाद प्रकट किया. गांववासियों को अब उम्मीद है कि वर्षों पुरानी उनकी यह मांग जल्द ही हकीकत में बदलेगी और उन्हें एक पक्की सड़क की सुविधा मिलेगी, जिससे उनका जीवन आसान और सुरक्षित बन सकेगा.

बचरा बसंत विहार कॉलोनी में विशाल अजगर से मचा हड़कंप

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र की सबसे बड़ी आवासीय कॉलोनी बचरा बसंत विहार के थर्ड फ्लोर क्वार्टर में बीती रात एक विशाल अजगर घुसने से कॉलोनी में हड़कंप मच गया. बताया गया कि अजगर कॉलोनी के क्वार्टर की बालकनी से अंदर प्रवेश कर गया, जिसे देखकर क्वार्टर में रहने वाले कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य डर के मारे सहम गए. कॉलोनी के क्वार्टर नंबर बी-211 में रहने वाले सीसीएल कर्मचारी राजु मेहता और उनके ऊपर वाले बिल्डिंग के भोला मोची के घर अजगर बालकनी में लटका मिला. इसकी सूचना मिलने के बाद कॉलोनी में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और पिपरवार पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंच गई. पुलिस और स्थानीय लोगों की टीम ने काफी मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित बाहर निकाला.

एक नजर

शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर, लोहरदगा में कक्षा नवम के भैया-बहनों के लिए अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत अभिभावकों और आचार्यों द्वारा मां सरस्वती, ऊं तथा भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन और पुष्पार्पण के साथ हुई. कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रभारी मधुमिता शर्मा ने की, जबकि संचालन जया मिश्रा ने किया. अतिथियों का परिचय मंजू देवी ने कराया. इस संगोष्ठी का उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा, गृहकार्य, विद्यालयीय गतिविधियों और शैक्षणिक प्रगति में सक्रिय रूप से भागीदारी हेतु प्रेरित करना था. इस दौरान शिक्षक राजीव कुमार सिंह ने अभिभावकों को शिक्षकों के साथ संवाद बनाए रखने और बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करने पर बल दिया. विद्यालय प्रभारी मधुमिता शर्मा ने कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के बीच नियमित संपर्क आवश्यक है.

कोडरमा में चल रहा निःशुल्क 'लाइफलाइन एक्सप्रेस' शिविर

कोडरमा। जिला प्रशासन कोडरमा और इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'लाइफलाइन एक्सप्रेस' निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 11 जुलाई से 30 जुलाई तक कोडरमा जंक्शन रेलवे स्टेशन स्थित सीएच स्कूल मैदान में जारी है. इस विशेष शिविर का उद्देश्य दूरदराज के जरूरतमंद लोगों को उच्चस्तरीय चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना है. 16 से 20 जुलाई तक आयोजित कान संबंधी जांच एवं सर्जरी शिविर में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 1785 लोगों ने कान की जांच करवाई. इनमें से 45 मरीजों की सफल सर्जरी की गई, जबकि 23 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज किया गया. कई मरीजों ने बताया कि वे लंबे समय से कान की समस्या से पीड़ित थे लेकिन आर्थिक कारणों से इलाज नहीं करवा पा रहे थे. शिविर में न केवल उनकी जांच हुई, बल्कि सफल ऑपरेशन के बाद उन्हें राहत भी मिली.

सीसीएल प्रबंधन व मोर्चा के बीच सात सूत्री मांगों पर सफल वार्ता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय में शनिवार को सीसीएल प्रबंधन और रैयत विस्थापित मोर्चा के बीच राजधर साइडिंग से जुड़े सात सूत्री मांगों पर करीब चार घंटे तक वार्ता हुई. बैठक में विस्थापितों, प्रभावितों और वंचितों के हितों को ध्यान में रखते हुए रोजगार, लोडिंग-ट्रांसपोर्टिंग कार्य, सेंपलिंग, मुआवजा, लंबित नौकरी, भूखंड के बदले एकमुश्त भुगतान, और निजी कंपनियों में बहाली जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई. वार्ता से पहले महाप्रबंधक कार्यालय के सामने विस्थापितों की बैठक हुई, जिसमें जोरदार नारेबाजी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की गई. वार्ता में बिजली, पानी, चिकित्सा, शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण, कल्याणपुर और रिजेक्ट कोल डंप, सोलर प्लांट में रोजगार जैसे मुद्दे भी शामिल रहे.

जीवन लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत से बनाएं कैरियर: उपायुक्त

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने कहा कि आज के समय में युवा अनेक क्षेत्रों में सफल कैरियर बना सकते हैं. उन्होंने छात्रों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर जी तोड़ मेहनत करने की प्रेरणा दी. उपायुक्त ने यह बात नगर भवन में कॉमर्स क्षेत्र में आयोजित एक दिवसीय कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. उन्होंने कहा कि जब तक आप अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच जाते, तब तक मेहनत करना नहीं छोड़ना चाहिए. सफलता निरंतर प्रयासों से ही मिलती है. उपायुक्त ने कंपनी सेक्रेटरी, चार्टर्ड अकाउंटेंट और कॉस्ट अकाउंटेंट जैसे आकर्षक कैरियर विकल्पों की जानकारी देते हुए कहा कि युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है.

गोंदलीपोखर में करंट लगने से दीपक शर्मा की मौत

अनगड़ा। खिजरी विधानसभा क्षेत्र के गोंदली पोखर चौक निवासी दीपक शर्मा (44) की शनिवार दोपहर बिजली का काम करते समय करंट लगने से मौत हो गई. दोपहर 1:41 बजे घटना हुई, जब उन्हें तेज़ झटका लगा और वे जमीन पर गिर पड़े. परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अनगड़ा ले गए, लेकिन वहां प्राथमिक इलाज न मिलने के कारण बिना फर्स्ट एड दिए उन्हें रेफर कर दिया गया.

पेज एक का शेष...

संवैधानिक परंपरा ही स्वशासन की बुनियाद...

न्यायिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप बढ़े :
उपायुक्त ने हुकुकनामा की शर्त 22 से 29 में वर्णित प्रावधानों के तहत मुंडा बाग़ुन जामुदा को बर्खास्त कर दिया है. ऐसे ही अन्य मामले में पूर्वी सिंहभूम की सिविल जज सुशीला सोरेंग के कोर्ट ने 23दिसंबर 2024 को मांझी परगना महाल के चार परंपरागत अगुवाओं पर 10 लाख का जुर्माना लगाया है. आरोप था कि मांझी परगना महाल के प्रमुख अगुवाओं द्वारा 6 दिसंबर 2015 को पूर्व सांसद सालखन मुर्मू के सामाजिक बहिष्कार का फैसला सुनाया गया था.

नौवें दशक में संथाल परगना में प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद बिटलाहा जैसे घोर महिला विरोधी और अमानवीय सामाजिक बहिष्कार की घटनाएं बंद हुई. कई गांवों में महिलाओं को नाचने, बोलने या सामाजिक मंचों पर हिस्सा लेने से रोका जा रहा है. उन्हें 'ग्राम संस्कृति की रक्षा' के नाम पर सीमित किया जा रहा है. झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में विधवा महिलाओं, परित्यक्ता, एलजीबीटीक्यू+ व्यक्तियों और धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भी सामाजिक फैसले लिए जा रहे हैं.

पेसा का सपना और उसकी सच्चाई : पेसा में स्पष्ट प्रावधान है कि ग्राम सभा को ग्राम स्तर पर सामाजिक न्याय, संपत्ति का संरक्षण, खनिज संसाधनों पर नियंत्रण, और स्थानीय विवादों का समाधान करने का अधिकार होगा. परंतु यह अधिकार लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादाओं के अंतर्गत ही होना चाहिए. लेकिन कई बार देखा गया है कि यह अधिकार निजी प्रतिशोध, जातिगत घृणा, और पुरुषवादी सोच का औजार बन जाता है.

स्वशासन का मतलब कभी भी यह नहीं था कि कोई भी समुदाय या व्यक्ति अन्य को गैर-संवैधानिक तरीके से सजा दे. लेकिन आज ग्राम सभा का निर्णय अक्सर अंधविश्वास, पंथिक कट्टरता, या गुटीय राजनीति से प्रभावित हो जाता है. व्यक्तिगत आज़ादी का उल्लंघन होने लगता है खासकर महिलाओं, दलितों, वंचितों और प्रवासी मजदूरों की आजादी का.

स्वशासन और पितृसत्ता का गठजोड़ : आदिवासी समाजों में जहां एक ओर समूहवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा रही है, वहीं दूसरी ओर यह भी सच है कि महिलाओं को निर्णय प्रक्रियाओं में बराबर स्थान नहीं मिला है. आज पेसा या एफआरए जैसे कानूनों के तहत महिलाओं को ग्राम सभा का हिस्सा माना गया है, लेकिन हकीकत में क्या महिलाएं बोल पाती हैं? कई स्थानों पर देखा गया है कि महिलाओं को ग्राम सभा से बाहर रखा जाता है. 'बदचलन' करार देकर महिलाओं का सामाजिक बहिष्कार किया जाता है. जिन महिलाओं ने शराब बंदी, भूमि अधिकार या यौन हिंसा पर आवाज़ उठाई है, उन्हें चुप करा दिया गया है. ऐसे में सवाल है - क्या यह स्वशासन है? या यह उस पितृसत्तात्मक सोच का विस्तार है जो हर स्त्री की स्वतंत्रता से डरती है?

संवैधानिकता बनाम परंपरा : भारत का संविधान हर व्यक्ति को आवाज उठाने, घूमने, धार्मिक स्वतंत्रता, जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता, और सम्मान से जीने का अधिकार देता है. लेकिन जब ग्राम सभा किसी को गांव में आने से रोक देती है, जब किसी को 'चरित्रहीन' कहकर उसकी सामाजिक हत्या की जाती है, तो वह सीधे-सीधे संविधान की धारा 14 (समानता), 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और 21 (जीवन का अधिकार) का उल्लंघन है. संविधान का अनुच्छेद 13 यह स्पष्ट करता है कि कोई भी परंपरा, प्रथा या नियम जो मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है, अमान्य होगा. स्वशासन का मतलब यह नहीं है कि कोई समूह संविधान के ऊपर हो जाए.

क्या है समाधान : आदिवासी समाज उदार और लोकतंत्र पसंद समाज है. स्त्री-पुरुष समानता का व्यवहारिक स्वरूप यहां देखने को मिलता है. आदिवासी समाज को अपने भीतर परंपराओं के परिमार्जन की प्रक्रिया चलानी चाहिए. ग्राम सभा के सदस्यों को संविधान, मानवाधिकार, पेसा और एफआरए के वास्तविक प्रावधानों की जानकारी दी जाए. महिलाओं और युवाओं को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाए. ग्राम सभा के फैसलों की रिकॉर्डिंग, अपील व्यवस्था, और जवाबदेही तंत्र विकसित हो, ताकि मनमानी रोकी जा सके. आदिवासी समाज की परंपराओं का सम्मान करते हुए उन्हें संवैधानिक मूल्यों से जोड़ा जाए. न कि उनकी आड़ में संविधान का गला घोंटा जाए. ग्राम सभाओं में महिला अध्यक्षता, महिला मंच, और सुरक्षित बोलने का वातावरण सुनिश्चित किया जाए.

आदिवासी स्वशासन की नींव विश्वास, साझेदारी, और सामाजिक न्याय पर रखी गई है. अगर यह डर, बहिष्कार, और वर्चस्व की राजनीति का केंद्र बनती जा रही है तो यह बेहद चिंताजनक है. हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वशासन का मतलब 'ग्राम का राजा' होना नहीं है. बल्कि यह हर व्यक्ति, चाहे वह महिला हो, दलित हो, चरवाहा हो या कोई और सम्मान के साथ अपनी बात कह सके, निर्णय का हिस्सा बन सके, और न्याय पा सके, ऐसी व्यवस्था हो तभी स्वशासन सार्थक है.

मंथन

मंईयां योजना में सरकार निभाए अपनी जिम्मेदारी

झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना गरीब महिलाओं को सामाजिक व आर्थिक संबल प्रदान करने की महत्वपूर्ण पहल है. लेकिन हालिया घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि इस योजना के क्रियान्वयन में खामियां हैं. जमशेदपुर के कदमा, उलीडीह, आजाद नगर की महिलाओं ने शिकायत की कि योजना में दो माह तक राशि मिली, लेकिन इसके बाद भुगतान बंद हो गया. इसके चलते घर चलाना मुश्किल है. महिलाएं कई बार अंचल कार्यालय और जिला मुख्यालय का चक्कर लगा चुकी हैं, पर समाधान के नाम पर केवल तारीखें दी जा रहीं. यह स्थिति न केवल सरकारी तंत्र की अक्षमता को उजागर करती है, बल्कि गरीब महिलाओं के आत्मसम्मान को भी ठेस पहुंचाती है. जब सरकार किसी योजना को सम्मान योजना नाम देती है, तो उसका उद्देश्य महज़ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि लाभार्थियों को गरिमा से जीने का मौका देना होता है. लेकिन जब मदद रुकती है, तो यह सम्मान अपमान में बदलने लगता है. प्रशासन को चाहिए कि वह योजना की पुनः समीक्षा कर पारदर्शी और उत्तरदायी तंत्र स्थापित करे. लाभार्थियों को बार-बार बुलाकर सूचीबद्ध करना समस्या का समाधान नहीं है. लंबित भुगतान तत्काल किए जाने चाहिए और योजना के कार्यान्वयन में कोई बाधा है तो उसे स्पष्ट किया जाए. राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं तभी सफल मानी जाएंगी जब वे जरूरतमंदों तक समय पर पहुंचे. मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत जिन महिलाओं को सहायता का भरोसा दिया गया है, वह वादा निभाया जाना जरूरी है-क्योंकि यही भरोसा लोकतंत्र की बुनियाद है.

नजरिया

हाथियों की मौत, प्रकृति और प्रगति के बीच भारी टकराव

बंगाल और झारखंड सीमा पर ट्रेन टकराकर तीन हाथियों की मौत एक बार फिर उस कड़वे सच को उजागर करती है, जहां विकास की रफ्तार प्रकृति की कीमत पर जारी है. झाड़ग्राम और गिधनी स्टेशन के बीच बसुला स्टेशन के पास हुआ यह हादसा दुर्भाग्यपूर्ण है. बताया गया कि हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार ट्रेन आ गई और तीन हाथी उसकी चपेट में आकर मारे गए. यह क्षेत्र हाथियों के पारंपरिक रास्ते में आता है. हर साल देश के अलग-अलग हिस्सों में इसी तरह के हादसे होते हैं, जिनमें हाथियों समेत अन्य वन्यजीवों की मौत होती है. यह स्थिति दर्शाती है कि वन्यजीवों के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के बीच समन्वय अभी भी कमजोर है. क्या रेलवे को यह जानकारी नहीं कि यह क्षेत्र हाथियों का कॉरिडोर है? क्या ट्रेनों की गति नियंत्रित नहीं की जा सकती थी, खासकर सुबह के समय, जब वन्यजीवों की गतिविधियां अधिक होती हैं? रेलवे ट्रैक के दोनों ओर चेतावनी बोर्ड, अंडरपास, सेंसर और निगरानी प्रणाली जैसी तकनीकें अपनाई जानी चाहिए ताकि ऐसे हादसे दोहराए न जाएं. साथ ही, वन्य हाथियों के पारंपरिक रास्तों को चिन्हित कर उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी. अगर हमें विकास की राह पर आगे बढ़ना है, तो प्रकृति और उसके जीवों के साथ संतुलन बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है. वरना यह टकराव केवल हाथियों तक सीमित नहीं रहेगा-बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचेगा.

युद्ध की लपटों में घिरती पूरी दुनिया

डॉ. अंशुल उपाध्याय

संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही इस युद्धमय माहौल को नियंत्रित किया जा सकता है. अगर आज हमने युद्ध को नहीं रोका, तो कल शायद हमारे पास पछताने के अलावा कुछ नहीं बचेगा. युद्ध से मुद्दों का कोई स्थाई समाधान नहीं निकलता.

दुनिया के कई हिस्सों में भड़क रही युद्ध की आग बेहद चिंताजनक है.

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य अत्यंत तनावपूर्ण और चिंता का विषय बन चुका है. दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध की आग भड़क रही है, जिससे न केवल संबंधित देशों की सुरक्षा को खतरा है, बल्कि संपूर्ण मानवता संकट के मुहाने पर खड़ी दिख रही है. एक ओर रूस और यूक्रेन का युद्ध वर्षों से थमने का नाम नहीं ले रहा, तो दूसरी ओर ईरान और इजरायल के बीच शीत युद्ध सीधे सैन्य संघर्ष में बदल चुका है. इसी बीच भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर को लेकर फिर से तनाव ने गंभीर रूप ले लिया है.

हाल ही में पाकिस्तान द्वारा भारत के पहलगांव क्षेत्र में किए गए हमले के जवाब में भारत ने भी हवाई हमले कर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया. इन घटनाओं ने वैश्विक चिंता को और गहरा कर दिया है. चूंकि ये सभी देश परमाणु हथियारों से लैस हैं, इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अगर यही हालात रहे तो पूरी दुनिया एक बड़े परमाणु युद्ध की ओर अग्रसर हो सकती है, जिसके परिणाम भयावह होंगे.युद्ध, मूलतः दो या दो से अधिक राष्ट्रों या समूहों के बीच सशस्त्र संघर्ष होता है, लेकिन यह केवल हथियार उठाने से नहीं शुरू होता. युद्ध का बीज पहले एक विचार के रूप में पनपता है-कभी राजनीतिक स्वार्थ, कभी सुरक्षा के डर से, तो कभी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा से. यह विचार जब शासन तंत्र में प्रभावी हो जाता है, तब युद्ध अपरिहार्य हो जाता है. 20वीं सदी में हुए दो विश्व युद्धों ने दुनिया को यह सिखाया था कि युद्ध में कोई विजेता नहीं होता-सिर्फ बर्बादी ही होती है. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब भारत को 1947 में स्वतंत्रता मिली, उसके बाद पाकिस्तान ने कश्मीर को लेकर हमला किया और भारत को अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए युद्ध में उतरना पड़ा. तब से अब तक भारत-पाकिस्तान के बीच चार बड़े युद्ध हो चुके हैं- 1948, 1965, 1971 और 1999 का कारगिल युद्ध.

भारत ने चीन के साथ भी 1962 में युद्ध झेला है. इन युद्धों ने यह साबित कर दिया है कि उपमहाद्वीप में स्थायी शांति की राह आज भी कठिन बनी हुई है.दूसरी ओर पश्चिम एशिया की स्थिति और भी चिंताजनक है. ईरान और इजरायल के बीच लंबे समय से चल रहा तनाव 2024-25 में एक पूर्ण युद्ध में बदल गया. 01 अप्रैल 2024 को इजराइल द्वारा दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर की गई बमबारी में कई वरिष्ठ ईरानी अधिकारी मारे गए. यह संघर्ष सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहा-अब अमेरिका और जी-7 जैसे शक्तिशाली देश भी इसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल हो चुके हैं, जिससे यह युद्ध एक वैश्विक संकट का रूप लेता जा रहा है.ईरान और इजरायल का यह संघर्ष नया नहीं है. दोनों के बीच 1979 की ईरानी क्रांति के बाद राजनयिक संबंध टूट गए थे. क्रांति से पहले, इन देशों के संबंध अपेक्षाकृत सामान्य थे, लेकिन उसके बाद शिया-बहुल ईरान और यहूदी राष्ट्र इजरायल के बीच वैचारिक और रणनीतिक संघर्ष बढ़ता गया. ईरान ने लेबनान में हिजबुल्ला और फिलिस्तीन में हमास जैसे समूहों को समर्थन देकर इजरायल के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर की नीति अपनाई. इजरायल ने भी समय-समय पर ईरानी ठिकानों पर हमले किए. 2024 तक यह टकराव सिर्फ प्रॉक्सी नहीं रहा-अब यह प्रत्यक्ष युद्ध का रूप ले चुका है.

ईरान की सांस्कृतिक और धार्मिक पृष्ठभूमि को समझना भी इस संघर्ष की जड़ें जानने में सहायक है. इस्लामिक खिलाफत के दौरान जब खलीफा उमर के समय इस्लाम का विस्तार हुआ, तब फारसी संस्कृति और भाषा को इस्लामी पहचान के साथ एकीकृत किया गया. इसी काल में ईरान में शिया इस्लाम का प्रसार हुआ, जिसने उसे इस्लामी दुनिया में एक अलग पहचान दी. आज के ईरान की राजनीतिक और धार्मिक पहचान शिया इस्लाम से जुड़ी है, और इसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खोमेनेई को पूरी दुनिया के शिया समुदाय का प्रतिनिधि माना जाता है. इसी धार्मिक वैचारिकता के चलते ईरान न केवल इजराइल बल्कि अमेरिका जैसे देशों से भी वैमनस्य रखता है. वहीं अमेरिका ने भी समय-समय पर अपने हितों के अनुसार नीतियां बदली हैं. अतीत में, अमेरिका ने इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन को ईरान के खिलाफ समर्थन दिया, लेकिन बाद में उसी सद्दाम को बंकर से निकाल कर मार डाला.

यह उदाहरण बताता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में न कोई स्थायी मित्र होता है और न स्थायी शत्रु-सिर्फ स्वार्थ ही तय करता है कि कौन किसके साथ खड़ा होगा.आज जी-7 जैसे ताकतवर देश ईरान के खिलाफ हैं, लेकिन इतिहास बताता है कि वे कल किसी और पाले में भी खड़े हो सकते हैं. इसीलिए, यह आवश्यक है कि भारत जैसे देश सतर्क रहें और एक संतुलित विदेश नीति अपनाएं, जो किसी भी वैश्विक संकट में उसे स्थायित्व प्रदान करे.युद्ध का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह होता है कि यह सिर्फ सैनिकों तक सीमित नहीं रहता—आम नागरिक, महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग, सभी इसकी चपेट में आते हैं. आर्थिक मंदी, भोजन संकट, शरणार्थी समस्या और मानसिक स्वास्थ्य की दिक्कतें युद्ध के अनिवार्य दुष्परिणाम हैं.

आधुनिक युग में जब देश परमाणु अस्त्रों से लैस हैं, तब युद्ध का अर्थ सिर्फ सीमाओं की लड़ाई नहीं, बल्कि मानवता के अस्तित्व पर संकट है.इस समय विश्व समुदाय की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वह सक्रियता से शांति प्रयासों को बढ़ावा दे. संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों को फिर से अपनी भूमिका मजबूत करनी होगी. संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही इस युद्धमय माहौल को नियंत्रित किया जा सकता है.अगर आज हमने युद्ध को नहीं रोका, तो कल शायद हमारे पास पछताने के अलावा कुछ नहीं बचेगा. इतिहास हमें सिखाता है कि युद्ध से कोई स्थायी समाधान नहीं निकलता-बल्कि यह नई पीढ़ियों को सिर्फ दर्द और तबाही की विरासत सौंपता है. अतः समय की मांग है कि राष्ट्र अपनी शक्ति का प्रदर्शन हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, सह-अस्तित्व और सहयोग की भावना से करें. यही मानवता की सबसे बड़ी जीत होगी.

(लेखिका, यूजीसी में सीनियर रिसर्च एसोसिएट रही हैं.)

आज का इतिहास

1296 : अलाउद्दीन खिलजी ने स्वयं को दिल्ली का सुल्तान घोषित किया.
1654 : आंग्ल-पुर्तगाल संधि के तहत पुर्तगाल इंग्लैंड के अधीन हुआ.
1847 : जर्मनी के खगोलशास्त्री थियोडोर ने धूमकेतु ब्रोरसेन-मेटकॉफ की खोज की.
1903 : फोर्ड मोटर कंपनी ने अपनी पहली कार बाजार में उतारी.
1951 : जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला प्रथम यरुशलम में हमले में मारे गये.
1969 : नील आर्मस्ट्रांग के रूप में मानव ने चंद्रमा की सतह पर पहला कदम रखा.
1997 : तीस्ता नदी जल बंटवारे पर भारत-बांग्लादेश में समझौता.
2002 : उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच विमान सेवा की शुरुआत.
2005 : कनाडा में समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी. वह ऐसा करने वाला दुनिया का चौथा देश बना.

शिकायत न करें, खुद से लाएं जीवन में बदलाव

चिंतन

बहुत समय पहले की बात है, एक प्रसिद्द गुरु अपने मठ में शिक्षा दिया करते थे. पर यहां शिक्षा देने के तरीका कुछ अलग था. गुरु का मानना था कि सच्चा ज्ञान मौन रह कर ही आ सकता है. और इसीलिए मठ में मौन रहने का नियम था. लेकिन इस नियम का भी एक अपवाद था, दस साल पूरा होने पर कोई शिष्य गुरु से दो शब्द बोल सकता था.

पहला दस साल बिताने के बाद एक शिष्य गुरु के पास पहुंचा, गुरु जानते थे की आज उसके दस साल पूरे हो गए हैं. उन्होंने शिष्य को दो उंगलियां दिखा कर अपने दो शब्द बोलने का इशारा किया.

शिष्य बोला, खाना गंदा.

गुरु ने 'हां' में सिर हिला दिया.

इसी तरह दस साल और बीत गए और एक बार फिर वो शिष्य गुरु के समक्ष अपने दो शब्द कहने पहुंचा.

बिस्तर कठोर, शिष्य बोला.

गुरु ने एक बार फिर 'हां' में सिर हिला दिया.

करते-करते दस और साल बीत गए और इस बार वो शिष्य गुरु से मठ छोड़ कर जाने की आज्ञा लेने के लिए उपस्थित हुआ और बोला, नहीं होगा.

जानता था, गुरु बोले, और उसे जाने की आज्ञा दे दी और मन ही मन सोचा जो थोड़ा-सा मौका मिलने पर भी शिकायत करता है, वो ज्ञान कहां से प्राप्त कर सकता है.

दोस्तों, बहुत से लोग अपनी लाइफ कम्प्लेन करने या शिकायत करने में ही बिता देते हैं, और उस शिष्य की तरह अपने लक्ष्य से चूक जाते हैं. शिष्य ने पहले दस साल सिर्फ ये बताने के लिए इंतज़ार लिया कि खाना गंदा है. यदि वो चाहता तो इस समय में वो खुद खाना बनाना सीख कर अपने और बाकी लोगों के लिए अच्छा खाना बना सकता था. चीजों को बदल सकता था, हमें यही करना चाहिए. हमें शिकायत करने की जगह सभी चीजों को सही करने की दिशा में काम करना चाहिए. और शिकायत करने की जगह, हमें खुद वो बदलाव अपने में लाना चाहिए जो हम इस दुनिया में दूसरों से देखना चाहते हैं.

X इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #ControlAnger
2. #MangalPandey
3. मंगल पांडे
4. Saint MSG
5. #BetterEveryday
6. Perfect Schedule
7. #Saiyaara
8. प्रथम स्वतंत्रता संग्राम
9. #FUNToken1000x
10. श्री राम

बहुरंग

'किंग' के सेट पर घायल हुए शाहरुख खान

फिल्म की शूटिंग फिलहाल रोकी

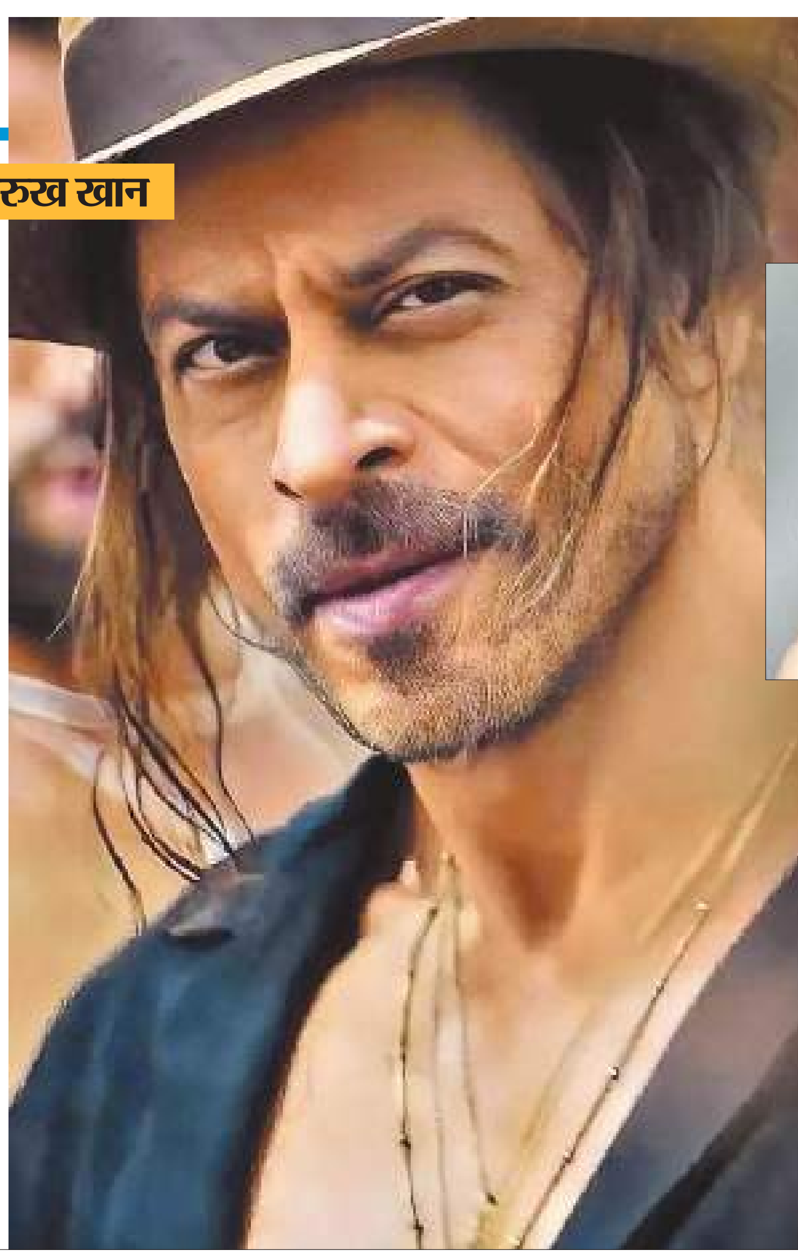

शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'किंग' पिछले काफी समय से सुर्खियों में है. यह प्रोजेक्ट इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें पहली बार वह अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे. फैंस इस अनोखी जोड़ी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं. हालांकि ताजा जानकारी के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग फिलहाल टाल दी गयी है. वजह ये है कि शूट के दौरान एक एक्शन सीन करते समय शाहरुख खान घायल हो गए हैं. चोट की गंभीरता को देखते हुए मेकर्स ने शूटिंग को कुछ समय के लिए रोकने का फैसला लिया है. शाहरुख खान हाल ही में मुंबई के गोल्डन टोबैको स्टूडियो में फिल्म 'किंग' के लिए एक बड़े एक्शन सीन की शूटिंग कर रहे थे, जब वह अचानक घायल हो गए. रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख को मांसपेशियों में गंभीर चोट आई है, जिसके चलते उन्हें इलाज के लिए अमेरिका ले जाया गया है. रिपोर्ट के अनुसार, चोट की स्थिति को देखते हुए शाहरुख की सर्जरी भी कराई जाएगी और डॉक्टरों ने उन्हें करीब एक महीने का आराम करने की सलाह दी है. इसी के चलते फिल्म 'किंग' की शूटिंग को कुछ समय के लिए टाल दिया गया है. अब इसका अगला शेड्यूल सितंबर या अक्टूबर में शुरू होने की संभावना है, जब तक कि शाहरुख पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते. शाहरुख खान अब पूरी तरह से ठीक होने के बाद ही फिल्म 'किंग' के सेट पर वापसी करेंगे. राहत की बात यह है कि उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है. यह पहली बार नहीं है जब शाहरुख शूटिंग के दौरान चोटिल हुए हों. पिछले कई वर्षों में वह कई बार मेडिकल इमरजेंसी का सामना कर चुके हैं. उनके कंधे, घुटने और पीठ की सर्जरी हो चुकी है, लेकिन इन तमाम मुश्किलों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी. वह हमेशा की तरह डटकर खड़े रहे और दर्शकों के दिलों में 'किंग' की तरह राज किया. शाहरुख खान और सुहाना खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' की शूटिंग मई 2025 में शुरू हुई थी.

संगीता बिजलानी के फार्महाउस में घुसे चोर, तोड़फोड़ करने के साथ की चोरी

अभिनेत्री संगीता बिजलानी के फार्महाउस में चोरी और तोड़फोड़ की चौंकाने वाली घटना सामने आई है. यह घटना पुणे जिले के मावल इलाके में स्थित उनके फार्महाउस पर घटी, जहां अभिनेत्री करीब चार महीने बाद पहुंचीं तो देखा कि वहां भारी नुकसान हुआ है. पुलिस के मुताबिक, फार्महाउस से कई कीमती सामान गायब मिले हैं और तोड़फोड़ के भी साफ निशान दिखाई दिए हैं. संगीता ने तुरंत स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

घटना से अभिनेत्री काफी हैरान और आहत हैं. पुलिस को दी गई शिकायत में संगीता बिजलानी ने बताया कि जब वह फार्महाउस पहुंचीं, तो वहां का मुख्य दरवाज़ा टूटा हुआ था और खिड़की की ग्रिल भी उखड़ी मिली. घर के भीतर जाकर उन्होंने देखा कि टीवी गायब है. इसके अलावा चोरों ने बिस्तर, फ्रिज और यहां तक कि सीसीटीवी कैमरा तक तोड़ डाला था. संगीता ने बताया कि बीते कुछ महीनों से वह अपने पिता की खराब तबीयत के चलते फार्महाउस नहीं आ सकीं, जिस वजह से वहां की स्थिति की जानकारी नहीं हो सकी. पुलिस अब आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है. संगीता बिजलानी ने घटना के बारे में कहा, मैं अपने दो घरेलू सहायकों के साथ फार्महाउस पहुंची थी. वहां पहुंचते ही देखा कि मुख्य दरवाज़ा टूटा हुआ है और खिड़की की ग्रिल भी क्षतिग्रस्त है. एक टीवी गायब था, जबकि दूसरा टूटा हुआ मिला. ऊपरी मंज़िल पर हर तरफ सामान बिखरा हुआ था. कुछ कीमती चीज़ें भी नज़र नहीं आ रही थीं. फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है.

बॉक्स ऑफिस पर 'सैयारा' की तूफानी एंट्री, पहले दिन की कमाई शानदार

मोहित सूरी हिंदी सिनेमा के उन निर्देशकों में से हैं जिन्होंने 'आशिकी 2' और 'एक विलेन' जैसी सुपरहिट फिल्मों से अपनी खास पहचान बनाई है. अब 18 जुलाई को उनकी नई पेशकश 'सैयारा' रिलीज हुई और पहले ही दिन दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स देखने को मिला. अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे नए चेहरों वाली इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन ही बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका कर दिया. दर्शकों की भीड़ सिनेमाघरों में उमड़ पड़ी और 'सैयारा' ने बड़े सितारों की फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया.

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, 'सैयारा' ने रिलीज के पहले ही दिन 20 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई की है. अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे नए चेहरों ने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया है. 'सैयारा' ने ओपनिंग डे पर इतना जबरदस्त प्रदर्शन किया कि इसने आमिर खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन जैसे सुपरस्टार्स की इस साल रिलीज हुई फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है. फिल्म की शुरुआत ने यह साबित कर दिया है कि अच्छी कहानी और नई ऊर्जा हमेशा दर्शकों को आकर्षित करती है. आमिर खान की 'सितारे ज़मीन पर' ने पहले दिन 10.70 करोड़ रुपये, अक्षय कुमार की 'स्काई फोर्स' ने 15.30 करोड़ रुपये, जबकि अजय देवगन की 'रेड 2' ने 19.71 करोड़ रुपये की ओपनिंग की थी. वहीं, मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' ने इन सभी को पीछे छोड़ते हुए पहले दिन 20 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया है. करीब 50 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म की जबरदस्त शुरुआत के बाद अब उम्मीद की जा रही है कि शनिवार और रविवार को भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करेगी.

रिलीज से पहले ही 'सैयारा' ने 9.39 करोड़ रुपये की शानदार एडवांस बुकिंग करके सभी का ध्यान खींचा था. पहले दिन इसके 14 से 16 करोड़ रुपये कमाने की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन इसने सीधे 20 करोड़ रुपये की ओपनिंग कर सभी को चौंका दिया. बिना शक, मोहित सूरी ने एक बार फिर 'आशिकी 2' वाला जादू बिखेरा है.

रिलीज से पहले ही 'सैयारा' ने 9.39 करोड़ रुपये की शानदार एडवांस बुकिंग करके सभी का ध्यान खींचा था. पहले दिन इसके 14 से 16 करोड़ रुपये कमाने की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन इसने सीधे 20 करोड़ रुपये की ओपनिंग कर सभी को चौंका दिया. बिना शक, मोहित सूरी ने एक बार फिर 'आशिकी 2' वाला जादू बिखेरा है. फिल्म को खासकर युवा दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा से अहान पांडे और अनीत पड्डा ने बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री की है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा. ज्ञान-विज्ञान की वृदि्घ होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. कुछ कार्य भी सिद्घ होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. शुभांक-1-4-6

वृष : महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें. कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे. किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा. जल्दबाजी में कोई भूल संभव है. कार्य भार बढ़ेगा. स्वविवेक से कार्य करें. कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा. समय व्ययकारी सिद्घ होगा. शुभांक-2-5-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा. अच्छे समय इन्तजार करें. कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें. नैतिक दायरे में रहें. शुभांक-3-6-7

कर्क : सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें. रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें. शुभांक-4-6-8

सिंह : अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम को प्राथमिकता से करें. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे हैं. कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा. शुभांक-5-8-9

कन्या : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं. अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे. अभिष्ट कार्य सिद्घ होंगे. निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा. बुरी संगति से बचें. सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी. वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है. शुभांक-4-7-9

तुला : पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. स्वास्थ्य पर ध्यान दें. शांतिपूर्वक कार्य करें. धार्मिक यात्रा का योग हैं. शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी. शुभांक-2-5-9

धनु : संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. शुभांक-4-6-8

मकर : मनोरथ सिद्घ होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी. शुभांक-3-5-7

कुंभ : स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. शुभांक-6-9-9

मीन : सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे. लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. खुद की सेहत को लेकर सावधान रहें, मौसमी रोग हो सकते हैं. शुभांक-3-6-7

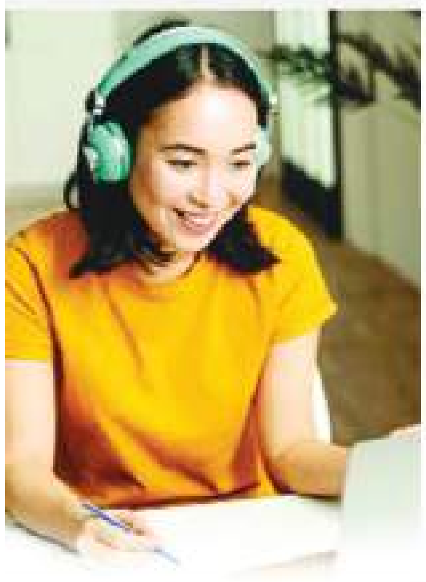

पढ़ा हुआ याद रखने के उपाय

आज के समय मे सभी सबजेक्ट को कैसे याद रखा जाए यह समस्या लगभग सभी के सामने होती है इस बात को सोचकर कुछ छात्र परेशान भी रहते है अगर आप पढ़ाई तो खूब करते है लेकिन आपको पढ़ा हुआ कुछ याद नहीं रहता है तो यहां इस पोस्ट मे हम आपको कुछ टिप्स बताने वाले है जिनसे आपको बहुत हद तक पढ़ा हुआ आसानी से याद हो जाएगा।

अपनी पढ़ाई को निरंतर जारी रखे पढ़ा हुआ याद रखने के लिए सबसे जरूरी है की आप रेगुलर अपनी पढ़ाई को करते रहे आपको जैसे भी समय मिलता है आप अपनी पढ़ाई को समय निकालकर कर सकते है इसके लिए आपको समय सारणी बनानी होती है। और उसके अनुसार ही तैयारी करनी होती है।

लिख कर याद करना

अक्सर आपने अपने शिक्षको से यह तो जरूर सुना होता की आपको याद करने के लिए लिखकर भी प्रयास करना चाहिए क्योंकि लिख कर याद करने से आपकी सोचने व समझने की क्षमता बढ़ती है आपको बिल्कुल पढ़ाई मे मन लगाने मे आसानी होती है। और आपको वह लिखने का फायदा यह होता है की हम उस समय केवल उस विषय के बारें मे ही सोचते है इससे हमारी याद करने की शक्ति बढ़ जाती है और हम उसके बाद किसी भी चीज को लम्बे समय तक याद रख सकते है और इसका एक और भी फायदा है की जब भी हम उस टॉपिक को दुबारा देखेंगे तो हमे वह बाते जल्दी ही याद हो जाएगी।

तनाव व चिंता से दूर रहे

जब भी आप किसी विषय को पढ़ने बैठे तो आपका दिमाग बिलुकल फ्री होना चाहिए और किसी प्रकार की कोई परेशानी नही होनी चाहिए। आपका दिमाग बिल्कुल फ्री होना चाहिए। इससे आपका पूरा ध्यान पढ़ाई पर होगा और आपको किसी भी विषय को याद करने मे आसानी होगी। अगर आपका मन उस समय पढ़ाई मे नही है और आप घर वालो के दबाव मे आकर केवल पढ़ने बैठते है तो आपको कुछ भी याद नही होगा इसलिए आपको फ्री दिमाग से पढ़ाई करनी चाहिए। आपको बिल्कुल शांत होकर पढ़ाई मे अपना ध्यान लगाना चाहिए। तब आपका मन पढ़ाई के प्रति आगे बढ़ेगा और आपको आसानी से याद होगा।

किसी दूसरे व्यक्ति को पढ़ाये

हम अक्सर देखते है की अपनी स्कूल या कॉलेज में अपने बिना पुस्तक के आपको पूरा पाठ पढ़ा देते है, किसी को समझाने के लिए आपको उस विषय को बहुत अच्छी तरह से अध्ययन करना होता है और आप जब उस विषय या टॉपिक को किसी दूसरे व्यक्ति को पहली बार समझायेंगे तो आप स्वयं उसमें से कई बिंदु भूल जायेंगे, जब दोबारा फिर उस टॉपिक को पढ़ेंगे तो वह भूले हुए बिंदु हमें याद हो जायेंगे, एक समय ऐसा आएगा कि आप अपने टीचर की तरह किसी को भी समझा पाएगे आपको बता दे की अपने नॉलेज को दूसरों के साथ शेयर करने से आपका नॉलेज तेजी से बढ़ता है। इसके लिए आप अपने किसी मित्र को समझा सकते है या अपने सबजेक्ट के बारे मे चर्चा कर सकते है ऐसा करने से आपको आसानी से याद हो पाएगा।

पढ़ाई करते समय बीच मे ब्रेक लेना

जब आप पढ़ाई करते है तो आपको बीच मे 40-50 मिनट के बाद 10 मिनट का ब्रेक ले सकते है। पढ़ाई के बीच मे ब्रेक लेने से आपके दिमाग को थोड़ा आराम मिलेगा और आप दोबारा नई ऊर्जा के साथ पढ़ाई करने के लिए तैयार हो पाएगे। इसके लिए आपको अधिक समय का ब्रेक नही लेना चाहिए।

जियोस्पेशल इंफॉर्मेशन स्टडीज में होता है जियोमेटिक्स का इस्तेमाल

आपके शहर, घर और पसंदीदा जगहों की सेटेलाइट तस्वीरों की हो या फिर उस जीपीएस तकनीक की, जिसकी मदद से आप कोई पता तलाशते हैं, किसी अनजाने क्षेत्र में जाने के लिए आसान रास्ता ढूंढते हैं या कोई नजदीकी होटल खोजते हैं। कुछ साल पहले तक कोरी कल्पना लगने वाली ये तकनीकें अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं। यह सब संभव हुआ है जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी के कारण।

क्या है यह तकनीक

जीआईएस या जियोमेटिक्स एक नई वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसका इस्तेमाल जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन साइंस या जियोस्पेशल इंफॉर्मेशन स्टडीज में होता है। अकादमिक रूप से यह जियोइंफॉर्मेटिक्स विषय की एक शाखा है। इस विषय के सिद्धांतों को आधार बनाकर तैयार की गई तकनीकों को जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी कहा जाता है। इस तकनीक की मदद से सभी तरह की भौगोलिक सूचनाओं को इकट्ठा करके उनका संग्रहण, विश्लेषण और प्रबंधन किया जा सकता है। इस कार्य में जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और रिमोट सेंसिंग का प्रयोग किया जाता है। भारत में जियोमेटिक्स का क्षेत्र अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन एक उद्योग के रूप में यह तेजी से विस्तार कर रहा है। इसको अपने कामकाज के लिए बड़े पैमाने पर स्पेशल डाटा (आकाशीय आंकड़ों) की जरूरत होती है। मगर शुरुआती दौर में होने की वजह से इस उद्योग में कुशल पेशेवरों की कमी बनी हुई है। इस कारण यहां रोजगार और तरक्की की दृष्टि से काफी संभावनाएं हैं।

जियोइंफॉर्मेटिक्स शब्द जियोग्राफी और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी से मिलकर बना है। इस तकनीक का लाभ परिवहन, रक्षा, विनिर्माण और संचार सहित सैकड़ों क्षेत्रों में लिया जा रहा है। अर्बन प्लानिंग, लैंड यूज मैनेजमेंट, इन-कार नेविगेशन सिस्टम, वर्चुअल ग्लोब, पब्लिक हेल्थ, इंवायरन्मेंटल मॉडलिंग एंड एनालिसिस, मिलिट्री, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क प्लानिंग एंड मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, मीटिअरोलॉजी, ओशियनोग्राफी एंड एटमॉस्फेयर मॉडलिंग, बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर, आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन, टेलीकम्युनिकेशंस, क्रिमिनोलॉजी एंड क्राइम सिमुलेशन, एविएशन और मैरीटाइम ट्रांसपोर्ट आदि से संबंधित कार्यों में जियोइंफॉर्मेटिक्स काफी मददगार साबित हो रहा है। क्लाइमेट चेंज स्टडीज, टेलीकम्युनिकेशंस, डिजास्टर मैनेजमेंट और उसकी तैयारियों में इस तकनीक से विशेष मदद मिलती है। इसी तरह बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर और आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन में इस तकनीक को अपनाए जाने के बाद काम की गुणवत्ता में काफी सुधार आया है। जियोग्राफी और अर्थ साइंस के विशेषज्ञों और शोधार्थियों को भी इस तकनीक से सटीक अध्ययन में काफी मदद मिली है। जियोइंफॉर्मेटिक्स के बढ़ते महत्व का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अब यह सरकारी और निजी क्षेत्र के संगठनों में बड़े निर्णयों का आधार भी बनने लगा है। व्यावसायिक प्रतिष्ठान, पर्यावरण एजेंसियां, सरकार, शोध-शिक्षण संस्थान, सर्वेक्षण और मानचित्रीकरण संगठन अपने कामकाजी फैसलों में इस तकनीक से प्राप्त आंकड़ों को वरीयता देते हैं। कई सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों ने अपने दैनिक कार्यों का प्रबंधन करने के लिए भी स्पेशल डाटा का उपयोग शुरू कर दिया है।

संभावनाएं

जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी में कई तरह के रोजगार उपलब्ध हैं। साथ ही नए-नए अवसर भी इस क्षेत्र में पैदा हो रहे हैं। एनालिस्ट, कार्टोग्राफर, सर्वेयर, प्लानर, एरियल फोटोग्राफर और मैपिंग टेक्निशियन आदि रोजगार के कुछ प्रमुख विकल्प हैं, जिन्हें जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी की पढ़ाई कर रहे छात्र चुन सकते हैं।

जरूरी गुण

- जटिल मामलों को सुलझाने का कौशल
- विश्लेषण करने का हुनर
- समस्याओं को भांपने और उनका हल तलाशने की काबिलियत
- अपने विषय से गहरा लगाव
- नए उपायों को तलाशने का उत्साह
- रचनात्मकता और सीखने की ललक
- लिखित व मौखिक रूप में भाषा पर गहरी पकड़
- नई चीजों को जानने और सीखने में रुचि
- अपने विषय क्षेत्र की गहरी जानकारी और उसमें हो रहे बदलावों का ज्ञान

बनाएं मोबाइल फ्रेंडली रेज्यूमे, फॉलो करें ये टिप्स

हायरिंग मैनेजर्स और रिक्रूटर्स इतने व्यस्त प्रोफेशनल्स हैं कि उन्हें ऑफिस के बाहर भी अपने ई-मेल्स चेक करने पड़ते हैं। आजकल स्मार्ट फोन, टैबलेट्स या अल्ट्रामोबाइल डिवाइस के बढ़ते उपयोग के साथ यह संभव हो पाया है। अब ऐसे में अगर आपने जॉब इंटरव्यू के लिए अप्लाई किया हो और रिज्यूमे को हायरिंग मैनेजर मोबाइल पर एक्सेस कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आपका रेज्यूमे मोबाइल फ्रेंडली हो। मोबाइल फ्रेंडली रेज्यूमे एक वैकल्पिक रेज्यूमे है जिसे तैयार करने का उद्देश्य है कि मोबाइल पर इसे बिना जूम-इन या ड्रेगिंग के स्पष्ट तरीके से पढ़ा जा सके। आपको रिक्रूटर्स को स्टैंडर्ड माइक्रोसॉफ्ट रेज्यूमे के साथ यह मोबाइल रेज्यूमे भी सबमिट करना चाहिए। यहां मोबाइल रेज्यूमे तैयार करने के टिप्स दिए जा रहे हैं जिसे आप माइक्रोसॉफ्ट वर्ड पर परफॉर्म कर सकते हैं और इसके लिए आपको किसी ऐप को खरीदने या फाइल को कंवर्ट करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

- आपका रेज्यूमे एक डिवाइस पर दिखेगा जो कि एवरेज पीसी या लेपटॉप स्क्रीन की साइज का 10 प्रतिशत है। अपने मोबाइल रेज्यूमे में किसी तरह की इमेज या चार्ट न शामिल करें। जो चीजें बड़ी स्क्रीन पर अच्छी दिखती है, वह छोटे पर काफी गड़बड़ नजर आएगी। फॉन्ट साइज 32 रखें। हाई कॉन्ट्रास्ट कलर्स जैसे ब्लू बैकग्राउंड और व्हाइट फॉन्ट यूज करें। स्लाइड के टॉप और बॉटम के मार्जिन को मैनटेन रखें। 6"9 इंच पर्याप्त है। ऐसा नहीं है कि इससे जूम और ड्रैग करने की बिलकुल जरूरत नहीं पड़ेगी बल्कि इसकी जरूरत में कमी जरूर आएगी।
- मोबाइल रीडर के लिए अगर आप रेज्यूमे बना रहे हैं तो यह बात ध्यान में रखें कि रीडर छोटा मैसेज चाहता है। मोबाइल रेज्यूमे के लिए छोटा मैसेज एंगेजिंग होता है। बुलेट स्टेटमेंट्स को सात शब्दों में रखें। हर बुलेट में शब्दों की एक लाइन आदर्श मानी जाती है।
- एक स्लाइड फॉर्मेट में न्यूनतम जानकारी के साथ स्लाइड्स की सीरीज के हिस्से के रूप में हर स्लाइड लें। अपने रेज्यूमे को तीन से पांच स्लाइड में रखें। इससे रेज्यूमे को पढ़ना ज्यादा आसान होता है।
- अपने रेज्यूमे को टेबलेट और एक मोबाइल फोन पर चेक करके जरूर देख लें। अपने माइक्रोसॉफ्ट वर्ड डॉक्यूमेंट को भेजने से पहले पीडीएफ बना लें।

प्रमुख रोजगार क्षेत्र और कार्य

- आईटी - जीआईएस प्रोग्रामर और जीआईएस डेवलपर
- इंवायरन्मेंट -इंवायरन्मेंटल प्लानिंग एंड मैनेजमेंट
- गवर्नमेंट (स्टेट एंड सेंट्रल) - को-ऑर्डिनेटर, साइंटिस्ट, रिसर्च एसोसिएट और जीआईएस एग्जिक्यूटिव
- जियोलॉजी - जियोलॉजिकल एंड जियोमॉर्फोलॉजिक मैपिंग, टरेन एंड कडैस्ट्रल मैपिंग और माइनिंग
- डिजास्टर मैनेजमेंट - आकलन और राहत कार्यक्रमों में
- एग्रीकल्चर - फसलों का रकबा जानने और नुकसान का आकलन करने में
- मिलिट्री - युद्ध की योजना बनाने और युद्ध के बाद के प्रभावों का अनुमान लगाने में
- अर्बन - टाउन प्लानिंग, मॉनिटरिंग सर्फेस वाटर और टार्गेटिंग ग्राउंड वाटर
- एजुकेशनल इंस्टीट्यूट - लेक्चरर, रीडर, साइंटिफिक ऑफिसर और प्रोफेसर

संबंधित संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग, देहरादून
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर, कानपुर और रुड़की
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रांची, कोलकाता, जयपुर
- नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, हैदराबाद
- इसरो, बेंगलुरु
- जवाहरलाल नेहरू टेक्निकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद
- सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ जियोइंफॉर्मेटिक्स

स्टार्ट-अप से नौकरी खोजने नहीं बल्कि नौकरी देने वाले की भूमिका में सामने आ रहे हैं युवा

अमेरिका और ब्रिटेन के बाद स्टार्ट-अप शुरू करने के मामले में फिलहाल दुनिया में तीसरे नंबर पर चल रहे भारत के विकास को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि अगले साल तक हमारा देश नंबर वन बन सकता है। भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्टार्ट-अप इंडिया कार्यक्रम से इसे और गति मिल सकती है। माना जा रहा है कि अगले दस साल में भारत में एक लाख स्टार्ट-अप स्थापित होंगे, जिनमें करीब 35 लाख युवाओं को रोजगार मिल सकता है। आइए देखें कि आप इस स्थिति से लाभ उठाने के लिए खुद को कैसे तैयार कर सकते हैं।

ट्रैंड में बदलाव

पिछले कुछ वर्षों में ही जॉब्स ट्रेंड में 360 डिग्री का बदलाव देखने में आ रहा है। पहले युवा जहां सरकारी या एमएनसी नौकरियों के पीछे दौड़ लगाते थे, वहीं अब इनमें से तमाम युवा नौकरी खोजने-पाने नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले की भूमिका में सामने आ रहे हैं। 'फोर्ब्स'' ने अपनी रिपोर्ट में माना है कि भारत में स्टार्ट-अप शुरू करने वाले युवा उद्यमियों की औसत उम्र 30 साल से कम है। भारत में छोटे-बड़े मिलाकर फिलहाल करीब 5 हजार स्टार्ट-अप्स काम कर रहे हैं। इसमें हर दिन 4 से 6 स्टार्ट-अप जुड़ते हैं। इनकी सफलता को देख नौकरी कर रहे और नौकरी तलाश रहे बहुतेरे प्रतिभाशाली युवा भी अपनी रुचि के क्षेत्र में स्टार्ट-अप शुरू करने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। इतना ही नहीं, इनकी कामयाबी को देखते हुए स्थापित कंपनियों में सीनियर लेवल पर काम कर रहे एम्प्लॉयी भी दूसरी बड़ी कंपनियों से जुड़ने के बजाय इन स्टार्ट-अप्स से जुड़ना कहीं अधिक पसंद कर रहे हैं। या फिर वे खुद की ही कंपनी स्थापित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। स्टार्ट-अप्स के भविष्य को देखते हुए इन्हें एंजल इन्वेस्टर्स का भी खूब साथ मिल रहा है।

मुश्किलें कैसे हों आसान

देश को विकास की राह पर आगे बढ़ाने वाला यह दिलचस्प ट्रेंड और जोर पकड़ सकता है, बशर्ते सरकार स्टार्ट-अप्स की राह में आने वाली बाधाओं को दूर करते हुए सरलता से इनके आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करे। अगर सरकार अपनी योजनाओं को प्रचारित-प्रसारित करने के साथ-साथ इन पर शत-प्रतिशत व्यवहारिक अमल करे और समय-समय पर स्टार्ट-अप शुरू करने वाले युवाओं की चिंताओं को समझकर उन्हें दूर करने का प्रयास करे, तो निश्चित रूप से उन एक्सपर्ट्स की बात सही साबित हो सकती है, जो यह मानते हैं कि अगले ही साल तक अमेरिका और ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए स्टार्ट-अप्स के मामले में भारत दुनिया का नंबर वन देश बन सकता है। इसके लिए राज्य सरकारों को भी आगे आना होगा।

समझें अपनी ताकत

अगर आप भी भारतीय स्टार्ट-अप्स से प्रेरित हैं और अपने मन का कुछ करने के लिए व्याकुल हैं, तो अति-उत्साह में आने या सिर्फ सपने देखने के बजाय सबसे पहले अपनी ताकत को जानें-समझें। इस बात की संभावनाएं तलाशें कि जिस क्षेत्र में आपकी रुचि है, उसमें आप नया क्या कर सकते हैं। आप जो प्रोडक्ट या सर्विस देना चाहते हैं, उसे लोग क्यों पसंद करेंगे? आप उसे लोगों तक किस तरह पहुंचाएंगे? उसकी मार्केटिंग कैसे करेंगे? उसके लिए आर्थिक रूप से कितना मजबूत होना जरूरी है? भविष्य के लिए आपकी क्या रणनीति है? आप एक मजबूत टीम किस तरह बनाएंगे? इन सब बातों पर विचार और पूरी तैयारी करने के बाद ही काम आरंभ करें। एक-एक कदम सोच-समझकर बढ़ाएं।

करें कारगर पहल

अगर आप खुद का स्टार्ट-अप शुरू करने के बजाय कुछ साल नौकरी करके जरूरी व्यवहारिक बारीकियां सीखना-समझना चाहते हैं, तो किसी भी कंपनी में (स्टार्ट-अप ही हो तो बेहतर) शुरुआत कर सकते हैं। हां, जहां भी किसी कंपनी को जॉइन करें, वहां पूरी लगन, मेहनत और ईमानदारी से काम करें। उत्सुकता और उत्साह के साथ सीखने के लिए तत्पर रहें। जहां सुझाव मांगे जाएं, वहां अपने इनोवेटिव आइडियाज जरूर शेयर करें। मैनेजमेंट और सीनियर्स की नजरों में अपनी काबिलियत साबित करें।

यूं करें शुरुआत

- फर्स्टजेनेरेटर के रूप में खुद का स्टार्ट-अप शुरू करना चाहते हैं, तो सबसे पहले उस यूनीक काम/क्षेत्र को चुनें, जिसमें आप अपना काम करना चाहते हैं।
- उसके बाद उस क्षेत्र की बुनियादी जरूरतों के बारे में खूब रिसर्च करें। उस क्षेत्र में पहले किन्हीं ने काम किया है, तो उनकी उपलब्धियों पर गौर करें।
- यदि किसी को असफलता मिली है, तो उससे भी कोई-न-कोई सीख मिल सकती है।
- सभी मोर्चों पर ठोस तैयारी के बाद ही काम आरंभ करें।

ओपन चैंपियनशिप 2025: दूसरे राउंड में चीन के ली हाओतोंग और अमेरिका के ब्रायन हार्मन शीर्ष पर

मैकइलरॉय की रोमांचक प्रदर्शन से उम्मीदें बरकरार

एजेंसी। रॉयल पोर्टरश

चीन के ली हाओतोंग और अमेरिका के ब्रायन हार्मन ने ओपन चैंपियनशिप 2025 के दूसरे दौर के बाद आठ अंडर पार स्कोर के साथ संयुक्त बढ़त बना ली है, वहीं घरेलू पसंदीदा रोरी मैकइलरॉय ने रोमांचक प्रदर्शन के साथ टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदें कायम रखी हैं.दुनिया के 111वें रैंकिंग वाले ली हाओतोंग ने बदलते मौसम के बीच पहले 12 होल में पांच बर्डी लगाईं और अकेले बढ़त बना ली.हालांकि 14वें होल पर उनकी पहली बोगी ने उन्हें वापस संयुक्त बढ़त पर ला खड़ा किया.ली के लिए यह टूर्नामेंट में पहला ड्रॉप शॉट था.

हार्मन का बेहतरीन प्रदर्शन, बिना गलती की बोगी-रहित पारी ब्रायन हार्मन, जो दो साल पहले रॉयल लिवरपूल में क्लेरेट जुग जीत चुके हैं, ने शुरुआत से ही लय पकड़ी.पहले दो होल में बर्डी करने के बाद उन्होंने आखिरी होल पर आठ फीट की पुट से बर्डी लगाई और कुल छह बर्डी के साथ शानदार 65 का स्कोर किया.हार्मन ने कहा, "मुझे यहां का गोल्फ बहुत पसंद है.यहां दूरी मायने रखती है, लेकिन ज़रूरत से ज़्यादा नहीं क्योंकि जमीन कड़ी है और गेंद काफी रोल करती है."

अन्य प्रमुख स्कोर : दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी स्कॉटी शेफ़लर ने शुरुआती तीन होलों में बर्डी करते हुए छह अंडर का स्कोर बनाया और इंग्लैंड के मैट फिट्ज़पैट्रिक के साथ बराबरी पर आ गए.डेनमार्क के रासमुस होयगार्ड, स्कॉटलैंड के रॉबर्ट मैकइंटायर, इंग्लैंड के टायरेल हैटन और अमेरिका के हैरिस इंग्लिश पांच अंडर के स्कोर पर हैं.

पुराने चैंपियनों की विदाई तय : पूर्व ओपन विजेता जैसे जैक जॉनसन, स्टीवर्ट सिंक, लुई ओस्टहुइज़न, पैड्रिग हैरिंगटन और कैमरन स्मिथ जैसे बड़े नाम कट से बाहर होने की कगार पर हैं.

ओलेसेन की खराब शुरुआत : रात भर के संयुक्त लीडर जैकब स्कोव ओलेसेन ने दूसरे राउंड की शुरुआत बेहद खराब की.पहले होल पर दो बार आउट ऑफ बाउंड्स मारते हुए उन्होंने क्वाड्रुपल बोगी (आठ शॉट्स) की और एक ही होल में लीडरबोर्ड में शीर्ष से गिरकर 36वें स्थान पर पहुंच गए.शुक्रवार को मौसम खुला रहा, हवाएं हल्की थीं और ग्रीन्स नरम होने से कई खिलाड़ियों को बेहतरीन स्कोरिंग का मौका मिला.

मैकइलरॉय का उतार-चढ़ाव भरा दिन, पर कट में पहुंचे

घरेलू स्टार रोरी मैकइलरॉय ने पहले राउंड में एक अंडर 70 का स्कोर किया था.दूसरे दिन भी उन्होंने अच्छा संघर्ष किया.पहले होल पर बर्डी से शुरुआत की, जबकि दूसरे होल पर ड्राइव गलत दिशा में जाने के बावजूद उन्होंने शानदार तरीके से पार सेव किया.मैकइलरॉय ने कई बार पुट चूक कर मौके गंवाए, लेकिन 12वें और 14वें होल पर बर्डी लगाते हुए 69 का स्कोर किया और कुल तीन अंडर के स्कोर से कट में जगह बनाई. उन्होंने कहा, 2019 में मुझे यहां यह मौका नहीं मिला था, इसलिए अब दो और दिन इन दर्शकों के सामने खेलने को लेकर बहुत उत्साहित हूं.मेरा खेल इस वक्त काफी मजबूत लग रहा है और मैं सप्ताहांत के लिए तैयार हूं."

ऋतुराज ने चैंपियनशिप करार से नाम वापस लिया

एजेंसियां। लीड्स

भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ व्यक्तिगत कारणों के चलते इस सीजन यॉर्कशायर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप नहीं खेलेंगे.गायकवाड़ ने यॉर्कशायर के साथ पांच मुकाबलों के लिए डील की थी.काउंटी चैंपियनशिप की शुरुआत 22 जुलाई से होने जा रही है.यॉर्कशायर की टीम अपना पहला मैच सरे के खिलाफ खेलेगी. यॉर्कशायर के हेड कोच एंथनी मैक्ग्राथ ने बताया कि काउंटी टीम ऋतुराज गायकवाड़ के विकल्प पर विचार कर रही है. एंथनी मैकग्राथ ने कहा, ₹दुर्भाग्य से गायकवाड़ व्यक्तिगत कारणों के चलते अभी टीम से नहीं जुड़ रहे हैं. वह स्कारबोरो या बाकी सीजन में टीम के लिए नहीं खेल पाएंगे. यह निराशाजनक है.मैं आपको इसके कारणों के बारे में कुछ नहीं बता सकता, लेकिन हमें उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा.हेड कोच ने कहा, ₹यह पता लगा रहे हैं कि हम क्या कर सकते हैं, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत में दो-तीन दिन शेष हैं.फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हम क्या कर पाएंगे.हम एक संभावित विकल्प तलाशने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन समय की कमी एक बड़ी चुनौती है.फिलहाल इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कह सकता.

ऋतुराज गायकवाड़ ने पिछले महीने अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद अपनी खुशी साझा करते हुए कहा था, ₹मैं शेष इंग्लिश घरेलू सीजन के लिए यॉर्कशायर के साथ जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं.इस देश में क्रिकेट का अनुभव करना हमेशा से मेरा लक्ष्य रहा है. इंग्लैंड में यॉर्कशायर से बड़ा कोई क्लब नहीं है.महाराष्ट्र के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करते हुए चोटिल हुए थे.

त्रिकोणीय टी20 सीरीज

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को 8 विकेट से हराया

एजेंसी। हरारे

त्रिकोणीय टी20 सीरीज में मेजबान जिम्बाब्वे को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है.दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद जिम्बाब्वे को शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से हरा दिया.

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था.जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 120 रन बनाए.जिम्बाब्वे के लिए सर्वाधिक 36 वेस्ले मेधवेरे ने बनाए.

ब्रायन बेनेट ने 21, सिकंदर रजा और रेयान बर्ल ने 12-12 और टोनी मुनयोंगा ने 13 रन बनाए.बल्लेबाज शुरुआत मिलने के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और यही वजह रही कि टीम 121 रन का मामूली लक्ष्य न्यूजीलैंड के सामने रख पाई.न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने एक बार फिर घातक गेंदबाजी की.दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए.इसके अलावा एडम मिल्ने, मिशेल सेंटनर, माइकल ब्रेसवेल और रचिन रवींद्र को 1-1 विकेट मिला.न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में 2 विकेट पर 122 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया.कीवी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने टिम सिफर्ट के रूप में 5 के स्कोर पर अपना पहला विकेट खो दिया.दूसरे विकेट के लिए डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र ने 59 रन की साझेदारी की.टीम का स्कोर जब 64 था, उस समय रवींद्र 19 गेंद पर 4 छक्के और 1 चौके लगाते हुए 30 रन बनाकर आउट हुए.कॉनवे ने इसके बाद डेरिल मिचेल के साथ 58 रन जोड़ते हुए टीम को 8 रन से जीत दिला दी.कॉनवे 40 गेंद पर 2 छक्के और 4 चौके की मदद से 59 रन और मिचेल 19 गेंद पर 1 छक्का और 1 चौके की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहे.कॉन्वे को उनकी 59 रन की नाबाद पारी के लिए मैच का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया.

एशिया कप पर छाए संकट के बादल, बीसीसीआई ने कहा

बैठक ढाका में होती है तो वह इसमें भाग नहीं लेगा

एजेंसी। नयी दिल्ली

एशिया कप के आयोजन को लेकर 24 जुलाई को बांग्लादेश के ढाका में एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक होनी है, हालांकि अब इस मीटिंग पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं.दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) समेत एसीसी के कई अन्य सदस्य बोर्डों ने राजनीतिक और कूटनीतिक चिंताओं के चलते बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है.

बीसीसीआई ने एसीसी और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी दोनों को आधिकारिक तौर पर सूचित कर दिया है कि अगर यह बैठक ढाका में होती है, तो वह इसमें भाग नहीं लेगा.यह फैसला भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के चलते लिया गया है.बढ़ते विरोध के बावजूद, एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी बैठक ढाका में आयोजित करने पर अड़े हुए हैं.भारत के अलावा, श्रीलंका, ओमान और अफगानिस्तान के क्रिकेट बोर्ड भी कथित तौर पर इस बहिष्कार में शामिल हो गए हैं और उन्होंने आयोजन स्थल को लेकर इसी तरह की आपत्ति जताई है.एशिया कप तभी हो सकता है जब बैठक का स्थान ढाका से बदला जाए.एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी बैठक के लिए भारत पर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं. हमने उनसे स्थान बदलने का अनुरोध किया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. अगर मोहसिन नकवी ढाका में बैठक करते हैं, तो बीसीसीआई किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा.बता दें, एसीसी के संविधान के अनुसार, ढाका में होने वाली बैठक में प्रमुख सदस्य बोर्डों की भागीदारी के बिना लिए गए किसी भी निर्णय को अमान्य माना जा सकता है.इससे संभावित गतिरोध की चिंताएं बढ़ गई हैं, खासकर एशिया कप के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के कारण, जो संभवतः सितंबर में आयोजित किया जाएगा.सूत्रों ने आगे बताया कि नकवी द्वारा बैठक ढाका में ही रखने की जिद को एशिया कप के मामलों में भारत पर अनुचित दबाव बनाने की कोशिश माना जा रहा है.

निर्धारित बैठक में अब केवल पांच दिन बचे हैं, और एसीसी ने आयोजन स्थल में किसी भी बदलाव के बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी है, जिससे एशिया कप के भविष्य पर अनिश्चित बनी हुई है.

खतरे में हिटमैन रोहित शर्मा का डब्ल्यूटीसी रिकॉर्ड

सिर्फ 40 रन बनाते ही पीछे छोड़ देंगे ऋषभ पंत

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जाएगा.भारतीय टीम को लॉर्ड्स टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था और वह फिलहाल सीरीज में 1-2 से पीछे चल रही है.भारतीय टीम जहां सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरेगी, वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के पास पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ने का अवसर रहेगा.

डब्ल्यूटीसी में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज

पंत रोहित को पछाड़कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं.पंत ने डब्ल्यूटीसी में फिलहाल 2677 रन बनाए हैं, जबकि रोहित ने इस चैंपियनशिप में 2716 रन बनाए हैं.यानी पंत को रोहित को पीछे छोड़ने के लिए 40 रन और बनाने की जरूरत है.चौथे टेस्ट के दौरान पंत के पास यह उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका रहेगा.भारतीय बल्लेबाजों में डब्ल्यूटीसी इतिहास में रोहित ने 69 पारियों में 2716 रन बनाए हैं.दूसरे स्थान पर पंत हैं जिन्होंने 67 पारियों में 2677 रन बनाए हैं.विराट कोहली 79 पारियों में 2617 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं.वहीं, कप्तान शुभमन गिल ने डब्ल्यूटीसी इतिहास में 65 पारियों में 2500 रन बनाए हैं, जबकि रवींद्र जडेजा ने 64 पारियों में 2212 रन बनाए हैं वह शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हैं.

पंत की उपलब्धता को लेकर संशय

पंत की चौथे टेस्ट में उपलब्धता को लेकर भी संशय चल रहा है.पंत को तीसरे टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग के दौरान चोट लगी थी और वह विकेट के पीछे जिम्मेदारी नहीं संभाल रहे थे.पंत की जगह विकेटकीपिंग के लिए ध्रुव जुरेल उतरे थे.मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पंत को मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में खेलने के लिए फिट घोषित हो गए हैं.तीसरे टेस्ट मैच के बाद पंत की फिटनेस को लेकर गिल ने कहा था, पंत स्कैन के लिए गए हैं और चोट ज्यादा गंभीर नहीं है इसलिए वह चौथे टेस्ट से पहले फिट हो जाएंगे.भारतीय टीम के लिए सीरीज में बने रहने के लिए चौथा टेस्ट जीतना काफी जरूरी है.अगर भारत अगला मुकाबला गंवा देता है तो सीरीज हार जाएगा.

सऊदी अरब का इराक-इंडोनेशिया से मुकाबला, कतर की यूएई-ओमान से भिड़ंत

एजेंसी। कुआलालंपुर

सऊदी अरब को फीफा वर्ल्ड कप-2026 के एशियाई क्वालिफायर्स के चौथे राउंड के ग्रुप बी में रखा गया है, जहां वह इराक और इंडोनेशिया को चुनौती देगा.वहीं, एशियन कप की मौजूदा चैंपियन कतर को ग्रुप-ए में संयुक्त अरब अमीरात और ओमान के साथ रखा गया है.यह मुकाबले सिंगल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जो 8 से 14 अक्टूबर के बीच आयोजित होंगे.इन छह टीमों को दो ग्रुपों में बांटा गया है.प्रत्येक ग्रुप से सिर्फ टॉप टीम ही अगले साल होने वाले फीफा वर्ल्ड कप में पहले से क्वालिफाई कर चुकी छह एशियाई टीमों के साथ शामिल होगी.दोनों ग्रुप की दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें 13 और 18 नवंबर को दो चरणों वाले मुकाबले में आमने-सामने होंगी.यह नॉकआउट स्टेज तय करेगा कि एशिया से कौन-सी टीम फीफा प्लेऑफ टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी, जो वर्ल्ड कप के लिए अंतिम क्वालीफाइंग मौका होगा.इसके अलावा एक ड्रॉ भी हुआ, जिसमें तय किया गया कि नॉकआउट मुकाबले का पहला लेग ग्रुप-ए की रनर-अप टीम की मेजबानी में खेला जाएगा.ऑस्ट्रेलिया, जापान, जॉर्डन, कोरिया रिपब्लिक, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान और उज्बेकिस्तान पहले ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं.कतर ने साल 2022 में मेजबान के रूप में फीफा वर्ल्ड कप में डेब्यू किया था.यह देश इस बार क्वालीफाई करके वर्ल्ड कप में पहुंचना चाहता है.एएफसी एशियन क्वालीफायर्स के तीसरे राउंड में ग्रुप-ए में चौथे स्थान पर रहने के बाद कतर प्लेऑफ में पहुंचा है.यूएई साल 1990 में पहली बार वर्ल्ड कप में खेला था.वह एक बार फिर क्वालीफाई करने की कोशिश में है.यूएई ग्रुप-ए में तीसरे स्थान पर रहा है.वहीं, ओमान जो अब तक वर्ल्ड कप में कभी नहीं खेला है, ग्रुप-बी में चौथे स्थान पर रहा.

सऊदी अरब को ग्रुप-सी में तीसरे स्थान पर रहने के कारण उसे भी प्लेऑफ का रास्ता अपनाना होगा.सऊदी अरब लगातार तीसरी और कुल सातवीं बार वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीद में है.इराक एकमात्र बार साल 1986 में विश्व कप खेला है.

मनोलो मार्केज एफसी गोवा के साथ बने रहेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मुख्य कोच मनोलो मार्केज 2025-26 सीजन के लिए एफसी गोवा के कोच बने रहेंगे.टीम ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी पुष्टि की है.मनोलो मार्केज भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच के साथ ही एफसी गोवा के कोच की दोहरी भूमिका निभा रहे थे.मार्केज ने 2024 में हेड कोच के रूप में 2 साल के लिए एफसी गोवा के साथ करार किया था.मनोलो मार्केज ने कहा,मैं पिछले दो सीजन में बहुत खुश था, जहां टीम ने हर साल लगातार सुधार दिखाया.क्लब जिस स्तर के संगठन के साथ काम करता है, वह भारतीय क्लब फुटबॉल में आम तौर पर देखने को नहीं मिलता, जिससे एफसी गोवा एक बहुत ही खास क्लब बन गया.मेरे लिए यह स्पष्ट था कि अगर मुझे भारत में बने रहना है, तो एफसी गोवा के साथ ही रहना होगा.एएफसी एशियन कप क्वालीफायर में भारत की खराब शुरुआत के बाद पुरुष राष्ट्रीय टीम के हेड कोच पद से मनोलो मार्केज को हटाया जाना लगभग तय हो गया था.भारतीय टीम ने शुरुआती मैच में बांग्लादेश के खिलाफ ड्रॉ खेला.वहीं, हांगकांग के खिलाफ टीम को 0-1 से हार का सामना करना पड़ा.स्पेन के मनोलो मार्केज की कोचिंग में भारतीय फुटबॉल टीम 8 मैच खेली, जिसमें सिर्फ एक मैच में जीत हासिल हुई.

महिला यूरो 2025: स्विट्जरलैंड का सपना तोड़ सेमीफाइनल में पहुंचा स्पेन

एजेंसी। बर्न

मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन ने शुक्रवार (भारतीय समयानुसार शनिवार) को स्विट्ज़रलैंड की ऐतिहासिक यात्रा पर विराम लगाते हुए 2-0 की जीत के साथ महिला यूरो 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया.बेंच से उतरकर एथेनेया डेल कास्टिलो ने पहला गोल दागा, जबकि क्लाउडिया पीना ने शानदार दूसरा गोल कर मुकाबले को निर्णायक बना दिया. पहले घंटे तक मेज़बान स्विट्ज़ टीम ने शानदार बचाव करते हुए स्पेन को गोल करने से रोके रखा और पलटवार के जरिए मौके बनाए, लेकिन जैसे ही स्पेन ने लय पकड़ी, उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया.मैच के बाद स्पेन की मिडफील्डर और प्लेमेकर आइताना बोनमाती ने कहा, ₹हां, कई बार हम जल्दी बढ़त लेने की आदत में होते हैं, लेकिन असली फुटबॉल 90 मिनट का होता है, खासकर जब आप यूरोपीय चैम्पियनशिप खेल रहे हों.मैच की शुरुआत में ही स्पेन को पेनल्टी मिली जब नादिन रीज़ेन ने मैरियोना कालदेंते को लापरवाही से टैकल किया, लेकिन कालदेंते खुद पेनल्टी लेने उतरीं और गेंद को पोस्ट के बाहर मार बैठीं.पहले हाफ में पीना को कई मौके मिले, लेकिन स्विस डिफेंस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और स्कोर 0-0 पर बनाए रखा.66वें मिनट में बोनमाती की रचनात्मकता ने खाता खोला, जब उन्होंने बैकहील पास से एथेनेया को सेट किया.

फुटबॉल

फाइनलिसिमा : स्पेन -अर्जेंटीना 2026 में टकराएंगी दो फुटबॉल महाशक्तियां

मुकाबला यूएफा यूरो व कोपा अमेरिका के चैंपियनों के बीच होगा

एजेंसी। नई दिल्ली

यूरोप और दक्षिण अमेरिका की दो फुटबॉल दिग्गज टीमें – स्पेन और अर्जेंटीना – अगले साल मार्च में फाइनलिसिमा 2026 में आमने-सामने होंगी. यह मुकाबला यूएफा यूरो और कोपा अमेरिका के मौजूदा चैंपियनों के बीच खेला जाएगा.यह मैच 2026 फीफा विश्व कप प्लेऑफ के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय विंडो के दौरान आयोजित किया जाएगा, बशर्ते स्पेन की टीम विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर ले.यह जानकारी गोल डॉट कॉम की रिपोर्ट के हवाले से दी गई है.

यूएफा, फीफा, स्पेनिश फुटबॉल महासंघ, और अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन मिलकर फाइनलिसिमा को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित करने के प्रयास में जुटे हैं.2026 संस्करण में यह हाई-प्रोफाइल मुकाबला फुटबॉल प्रेमियों के बीच उत्साह और वैश्विक रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है, खासतौर पर उस समय जब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल गतिविधियाँ कम होती हैं.गौरतलब है कि फाइनलिसिमा ने 1985 और 1993 में आयोजित आर्टेमियो फ्रांकी कप की जगह ले ली है.1993 में अर्जेंटीना ने यह खिताब जीता था, जो दिवंगत महान खिलाड़ी डिएगो माराडोना का आखिरी अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी था.2022 में अर्जेंटीना ने इटली को 3-0 से हराकर इस विरासत को आगे बढ़ाया.फाइनलिसिमा 2026 के आयोजन की संभावित तारीख 26 से 31 मार्च के बीच तय की गई है.इसको लेकर शुरुआती बातचीत 75वें फीफा कांग्रेस के दौरान पराग्वे में हुई थी.

स्पेन ने हाल ही में यूएफा यूरो 2024 में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था.स्पेन के लिए निको विलियम्स ने 47वें और मिकेल ओयारज़ाबाल ने 86वें मिनट में गोल किए.इंग्लैंड की ओर से एकमात्र गोल कोल पामर ने 73वें मिनट में किया.वहीं, लियोनेल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना ने कोपा अमेरिका 2024 के फाइनल में कोलंबिया को 1-0 से हराकर रिकॉर्ड 16वीं बार यह खिताब जीता.यह गोल लौटारो मार्टिनेज ने किया.फाइनल मुकाबले के दौरान मेसी को दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट किया गया, जिसके बाद वे भावुक हो गए थे.इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने कोलंबिया की 28 मैचों की अपराजेय लय को भी तोड़ दिया और मेसी के करियर के अंतिम पड़ाव में उन्हें दूसरी बार कोपा अमेरिका ट्रॉफी दिलाई.

प्रीमियर लीग : आर्सेनल ने चेल्सी से नॉनी मडुके को किया साइन

एजेंसी। लंदन

इंग्लिश क्लब आर्सेनल ने शुक्रवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए चेल्सी के विंगर नॉनी मडुके को साइन कर लिया है.यह डील कथित तौर पर 48 मिलियन (लगभग 65 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की बताई जा रही है.आर्सेनल ने अपने आधिकारिक बयान में कहा,₹हम यह घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं कि इंग्लैंड अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नॉनी मडुके ने हमारे साथ दीर्घकालिक करार किया है.23 वर्षीय मडुके ने चेल्सी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 92 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 20 गोल किए और 9 असिस्ट दिए.उन्होंने अमेरिका में आयोजित क्लब वर्ल्ड कप के सात में से पांच मैचों में हिस्सा लिया था, हालांकि फाइनल में पेरिस सेंट जर्मेन के खिलाफ 3-0 की जीत में वह नहीं खेले.मडुके ने अपने करियर की शुरुआत क्रिस्टल पैलेस और टोटेनहम हॉट्सपर की यूथ टीम से की थी.इसके बाद वे 2018 में नीदरलैंड्स के क्लब पीएसवी आइंधोवन से जुड़ गए थे.आर्सेनल में मडुके जर्सी नंबर 20 पहनेंगे.उन्होंने चेल्सी को अलविदा कहते हुए इंस्टाग्राम पर लिखाः₹प्रिय चेल्सी फुटबॉल क्लब, पिछले तीन वर्षों के लिए धन्यवाद.मेरे साथियों को धन्यवाद, आप लोगों के लिए मेरे मन में केवल प्यार और सम्मान है.

मडुके ने आगे लिखा,कोच एंज़ो मारेस्का, आपके अंडर खेलना सौभाग्य की बात रही.आपने मुझे एक बेहतर खिलाड़ी और इंसान बनाने की कोशिश की, इसके लिए धन्यवाद.और अंत में हर चेल्सी फैन का आभार – प्यार के लिए, तारीफ के लिए और आलोचनाओं के लिए भी – मैं सब कुछ सराहता हूं.यहां से मैं सिर्फ अच्छी यादें लेकर जा रहा हूं.

ब्रीफ न्यूज

सीएनजी ऑटो पलटने से व्यवसायी की मौत

भागलपुर। जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत दोगच्छी बाईपास स्थित बिहारीपुर ओवरब्रिज के पास शनिवार को एक सड़क दुघर्टना में व्यवसायी रामस्वरूप मंडल की मौत हो गई. वह शाहकुंड थाना क्षेत्र के जानीपुर गांव के रहने वाले थे. हादसे की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार रामस्वरूप मंडल किसी निजी कार्य से भागलपुर आए थे. कार्य समाप्ति के बाद जब वे वापस अपने गांव शाहकुंड लौट रहे थे, तभी बिहारीपुर ओवरब्रिज के पास अचानक उनका सीएनजी ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया.

थाना प्रभारी रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

समस्तीपुर। भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के तहत महिला थाना की प्रभारी और एसआई पुतुल कुमारी को निगरानी की टीम ने 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया. इस कार्रवाई में उनका ड्राइवर भी शामिल था, जिसे रिश्वत लेते समय पकड़ा गया. जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई समस्तीपुर के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के छतौना गांव निवासी राजीव रंजन की शिकायत के आधार पर की गई. राजीव रंजन ने महिला थाना प्रभारी द्वारा मारपीट के एक मामले में रिश्वत मांगने की लिखित शिकायत निगरानी विभाग से की थी.

टैंकर से टकराया बाइक बाल-बाल बचा युवक

भागलपुर। जिले के लोदीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बाइपास स्थित जिच्छो दुर्गा मंदिर के समीप सड़क पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. एक तेज रफ्तार बाइक सवार अनियंत्रित होकर अचानक टैंकर के नीचे जा घुसा. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके परखच्चे उड़ गए. लेकिन चमत्कारिक रूप से बाइक सवार दो युवक बाल-बाल बच गए. इस हादसे ने स्थानीय लोगों को दहशत में डाल दिया और सड़क पर अफरा-तफरी मच गई. हादसे में घायल युवक की पहचान कहलगांव निवासी उत्सव कुमार के रूप में हुई है.

गंगा का जलस्तर बढ़ रहा, पटना समेत कई जिलों में बाढ़ का खतरा

सीएम नीतीश ने गंगा नदी के जलस्तर का निरीक्षण किया

शुभम संदेश। पटना

बिहार में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे बक्सर से लेकर भागलपुर तक गंगा किनारे बसे इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है. पटना के गांधी घाट, दीघा घाट, दानापुर और मनेर जैसे प्रमुख घाटों पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार या छूने की स्थिति में है. गंगा का पानी तेजी से निचले इलाकों में प्रवेश कर रहा है, जिससे दियारा क्षेत्र और नदी किनारे के गांवों में बाढ़ की आशंका बढ़ गई है. गंभीर होती स्थिति को देखते हुए शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जेपी गंगा पथ से गंगा नदी के जलस्तर का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से एहतियाती तैयारियों की जानकारी ली और किसी भी आपदा की स्थिति से निपटने के लिए सख्त निर्देश दिए. उन्होंने खास तौर पर बाढ़ से प्रभावित हो सकने वाले क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों की योजनाओं का जायजा लिया.

पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान 48.60 मीटर के मुकाबले शनिवार को 49.01 मीटर रिकॉर्ड किया गया है. दीघा घाट पर जलस्तर 50.33 मीटर पहुंच गया है, जबकि खतरनाक सीमा 50.45 मीटर है. वहीं, हाथीदह में गंगा का जलस्तर 41.93 मीटर है, जो खतरे के निशान 41.76 मीटर से ऊपर है.

पिछले 24 घंटों में गांधी घाट पर 0.18 मीटर, दीघा घाट पर 0.25 मीटर और हाथीदह में 0.33 मीटर की वृद्धि दर्ज की गई है. बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए पटना प्रशासन ने 119 ऊँचे स्थलों की पहचान की है, जहां राहत शिविर, सामुदायिक रसोई और अन्य आपदा राहत सेवाएं संचालित की जाएंगी. नाव से बचाव कार्यों के लिए 245 नाविकों की टीम को तैनात किया गया है. इनके अलावा विशेष रूप से प्रशिक्षित गोताखोर भी स्टैंडबाय पर रखे गए हैं.

एसडीआरएफ की दो टीमें पहले से ही पटना में सक्रिय हैं, जबकि एनडीआरएफ की एक टीम को दीदारगंज में स्टैंडबाय मोड पर रखा गया है. प्रशासन ने आपदा की स्थिति से निपटने के लिए सभी अनुमंडल अधिकारियों, अंचलाधिकारियों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्कता बरतने और निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया है. पटना जिला आपदा नियंत्रण केंद्र को 24x7 सक्रिय रखा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया दी जा सके. इस केंद्र से संपर्क करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 0612-2210118 जारी किया गया है. प्रशासन की ओर से आम जनता से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत पड़ने पर हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें. साथ ही, बाढ़ संभावित इलाकों के लोग सतर्क रहें और प्रशासन द्वारा दिए जा रहे दिशा-निर्देशों का पालन करें. बढ़ते जलस्तर के बीच आने वाले दिनों में गंगा का व्यवहार और अधिक चिंताजनक हो सकता है. मौसम विभाग और जल संसाधन विभाग लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं.

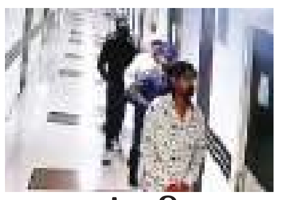

कुख्यात चंदन मिश्रा हत्या मामले में पांच आरोपित कोलकाता से गिरफ्तार

पटना। बेली रोड पर स्थित पारस एमआरआई अस्पताल में बीते गुरुवार को चंदन मिश्रा हत्या मामले में पटना पुलिस और बंगाल एसटीएफ ने शनिवार को कोलकाता के सैटेलाइट टाउनशिप में एक आवासीय परिसर से पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है. बंगाल एसटीएफ के सूत्रों के मुताबिक इन आरोपितों को शनिवार तड़के पटना पुलिस और पश्चिम बंगाल एसटीएफ की संयुक्त रूप से की गई छापेमारी के बाद महानगर के सैटेलाइट टाउनशिप स्थित एक आवासीय परिसर से गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार पांच में से चार आरोपित चंदन मिश्रा हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे. घटना के बाद वे पटना से भागकर कोलकाता आ गए थे. उनके मोबाइल फोन टावर लोकेशन से हमें उनका पता लगाने में मदद मिली. अभी इन आरोपितों के नाम सामने नहीं आए हैं. बिहार पुलिस उन्हें स्थानीय अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड की मांग करेगी. हालांकि पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय शर्मा से संपर्क किया गया तो उन्होंने कार्रवाई से जुड़ी अहम जानकारी दी. पटना एसएसपी ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि अभी ऐसी कोई भी गिरफ्तारी नहीं हुई है.

न्यूज अपडेट

परिवार के पांच सदस्यों ने खाया जहर, चार की मौत

नालंदा। पावापुरी थाना क्षेत्र अन्तर्गत एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने जहर निगल लिया. इनमें से चार की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है. पुलिस ने इसकी पुष्टि की. पुलिस के मुताबिक, सभी को भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान (विम्स) पावापुरी में बीती देर रात भर्ती कराया गया. वहां उपचार के दौरान 16 वर्षीय दीपा कुमारी, 14 वर्षीय अरिका कुमारी, 38 वर्षीय सोनी कुमारी और 15 वर्षीय शिवम कुमार की मौत हो गई. 40 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार की हालत नाजुक बनी हुई है. यह परिवार छह महीने से पावापुरी जल मंदिर के सामने किराए के मकान में रह रहा था. बताया गया है कि धर्मेंद्रकुमार ने यहां कपड़े की दुकान खोली थी, लेकिन लगातार घाटा और करीब 5 लाख रुपये के कर्ज के चलते परिवार मानसिक तनाव में था. घटना की जानकारी मिलते ही राजगीर डीएसपी सुनील कुमार, इंस्पेक्टर मनीष भारद्वाज और पावापुरी ओपी प्रभारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है.

दवा कारोबारी से 17 हजार रुपये और मोबाइल लूटा

अररिया। जिले के फारबिसगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत अम्हारा शाहबाजपुर कचरा भवन के पास हथियारबंद बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया. घटना में दवा कारोबारी प्रभाकर साह से 17 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और कागजात से भरा बैग लूट लिया गया. पीड़ित कारोबारी फारबिसगंज बंगाली टोला वार्ड संख्या 25 निवासी 52 वर्षीय प्रभाकर साह ने फारबिसगंज थाना में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ आवेदन दिया है. उन्होंने बताया कि वे राम मनोहर लोहिया पथ स्थित अजीमुद्दीन मार्केट फुलवरिया हाट के पास सुनीता ड्रग्स डिस्ट्रीब्यूटर₹ नाम से दवा की थोक दुकान चलाते हैं. प्रभाकर साह खवासपुर में बकाया रकम की वसूली के लिए गए थे और वापसी के दौरान अम्हारा के पास तीन बाइक पर सवार छह बदमाशों ने उनकी गाड़ी रुकवाकर पिस्टल दिखाया. बदमाशों ने सिर पर पिस्टल तानते हुए जबरन जेब से 17 हजार रुपये और रेडमी नाइन मोबाइल फोन छीन लिया. पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है.

10 लाख की स्मैक के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

कटिहार। रौतारा थाना पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है. पुलिस ने एक महिला तस्कर को 10 लाख रुपये की स्मैक के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया. महिला के पास से कुल 822.2 ग्राम स्मैक और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं. गिरफ्तार महिला की पहचान मीना देवी (45 वर्ष), पति स्वर्गीय बुट्टु पासवान, निवासी ग्राम खुदना, थाना रौतारा, जिला कटिहार के रूप में हुई है. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-1) अभिजीत कुमार सिंह ने जानकारी दी कि रौतारा थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि गोविंदपुर ओवरब्रिज के पास एक महिला संदिग्ध अवस्था में बैठी है और उसके पास भारी मात्रा में स्मैक है. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर महिला को हिरासत में लिया और तलाशी ली. तलाशी के दौरान महिला के झोले से चार प्लास्टिक डब्बों में रखी 822.2 ग्राम स्मैक बरामद हुई, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपये आंकी गई है.

चर्चित चिकित्सक डॉ. तपेश्वर प्रसाद पर फायरिंग

गया। शेरघाटी अनुमंडल स्थित शेखपुरा मोहल्ले में बाइक सवार तीन बदमाशों ने चर्चित चिकित्सक डॉ. तपेश्वर प्रसाद पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. यह घटना उस समय घटी जब डॉक्टर अपने बगीचे से घर लौट रहे थे. बदमाश अपाचे बाइक पर सवार होकर आए और तीन राउंड फायरिंग की, जिसमें दो गोलियां चूक गईं लेकिन एक गोली डॉक्टर के जबड़े में जा लगी. घटना के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पत्थरबाजी कर हमलावरों को खदेड़ने की कोशिश की. हमलावर मौके से फरार हो गए. घायल चिकित्सक को पहले प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें गंभीर हालत में अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया. फिलहाल डॉक्टर को विशेष निगरानी में रखा गया है. सूचना मिलते ही शेरघाटी थाना अध्यक्ष अजीत कुमार और एएसपी शैलेन्द्र सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी.

कार्रवाई बिहार में बढ़ते अपराध पर नीतीश सरकार का बड़ा एक्शन

40 डीएसपी स्तर के अधिकारियों का तबादला

शुभम संदेश। पटना

बिहार में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं ने राज्य सरकार की चिंता बढ़ा दी है. विशेष रूप से राजधानी पटना में बीते कुछ दिनों में हुई हत्याओं ने कानून-व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है. इसी के मद्देनजर नीतीश सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल किया है.

सरकार ने पूरे राज्य में 40 डीएसपी स्तर के अधिकारियों का तबादला कर दिया है, जिसमें पटना के 22 में से 7 डीएसपी को उनके पदों से हटा दिया गया है. इनमें से 6 अधिकारियों को ₹वेटिंग फॉर पोस्टिंग₹ में डाल दिया गया है.

पटना में पिछले 18 दिनों में 14 हत्याएं हुई हैं, जिनमें खेमका हत्याकांड और पारस अस्पताल में गैंगस्टर चंदन मिश्रा की दिनदहाड़े हत्या ने प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया. इन घटनाओं के बाद पटना लॉ एंड ऑर्डर के डीएसपी-2 प्रकाश कुमार को उनके पद से हटा दिया गया है. उनकी जगह ऋतुराज को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है. इसके अलावा पटना नगर के एसडीपीओ-2 कामाख्या नारायण सिंह, विधि व्यवस्था के एसडीपीओ-2 कुमार ऋषिराज और पटना सदर के एसडीपीओ-3 रंजन कुमार की भी नई तैनाती की गई है. यह बदलाव केवल पटना तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सुपौल, छपरा, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, औरंगाबाद, सीतामढ़ी, बक्सर, मधुबनी, जहानाबाद जैसे जिलों के अधिकारियों का भी तबादला किया गया है. राज कुमार शाह को सुपौल से सहरसा भेजा गया है, वहीं छपरा के एसडीपीओ-1 रहे राज किशोर सिंह अब पटना सिटी (पूर्वी) की कमान संभालेंगे. गौरव कुमार पाण्डेय को स्पेशल ब्रांच पटना से बक्सर भेजा गया है. पटना पुलिस मुख्यालय से सूरज कुमार को मुजफ्फरपुर नगर में एसडीपीओ-1 नियुक्त किया गया है.

इसके अलावा पटना प्रशिक्षण विभाग में कार्यरत आशोक कुमार दास को औरंगाबाद के राइनगर स्थानांतरित किया गया है. सुनीता कुमारी, जो अपराध अनुसंधान विभाग पटना में थीं, अब जमुई जिले के झाझा में पदभार संभालेंगी. वहीं पटना मुख्यालय में वेटिंग लिस्ट में रहे प्रसाद नाथ साहू को सहरसा के खगड़िया एसडीपीओ-1 के रूप में भेजा गया है. रामकुमार सिंह को अररिया से छपरा एसडीपीओ-1 के रूप में स्थानांतरित किया गया है.

नीतीश सरकार के इस बड़े फैसले को कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में सख्त कदम माना जा रहा है. सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि अपराध और लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

कारोबार

म्यूचुअल फंड कंपनी 'द वेल्थ कंपनी' को सेबी की मंजूरी

नयी दिल्ली। भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है. पैंटोमाथ ग्रुप द्वारा समर्थित 'द वेल्थ कंपनी' को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू करने की मंजूरी मिल गई है. यह कंपनी भारत का पहला ऐसा फंड हाउस बन गई है, जिसे किसी महिला—मधु लुणावत—ने स्थापित किया है और वह इसकी प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगी. मधु लुणावत एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और उन्होंने पैंटोमाथ ग्रुप की सह-स्थापना की थी, जो कि मिड-मार्केट सेगमेंट में एक प्रमुख इन्वेस्टमेंट बैंकिंग फर्म है. सेबी की मंजूरी मिलने के बाद द वेल्थ कंपनी देश की पहली गैर-संस्थागत महिला -स्थापित म्यूचुअल फंड संस्था बन गई है. लुणावत ने इससे पहले इंफोसिस, एएसआरईसी और इडलविस ग्रुप जैसे बड़े संगठनों में भी काम किया है.

नई बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज ग्रैन कूपे भारत में हुआ लॉन्च

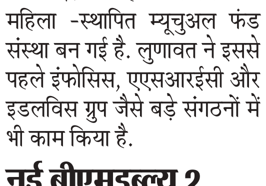

नयी दिल्ली। बीएमडब्ल्यू ने भारत में अपनी नई 2 सीरीज ग्रैन कूपे का औपचारिक तौर पर लॉन्च कर दिया है. चेन्नई में स्थानीय रूप से निर्मित यह सेकंड-जेनरेशन ग्रैन कूपे केवल पेट्रोल पावरट्रेन के साथ उपलब्ध होगी. ग्राहक इसे देशभर के सभी बीएमडब्ल्यू डीलरशिप्स पर बुक कर सकते हैं, और डिलीवरी भी आज से शुरू हो गई है. नई बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज ग्रैन कूपे ने अपनी आकर्षक डिजाइन और स्पोर्टी ड्राइविंग स्टाइल के दम पर प्रीमियम कॉम्पैक्ट सेगमेंट में अपनी अलग पहचान बनाई है. यह कार खासतौर पर उन युवा शहरी ग्राहकों के लिए बनाई गई है, जो स्टाइल के साथ मजबूती और ग्रैन कूपे सिल्हूट चाहते हैं.

यूरोपीय यूनियन के नए प्रतिबंध से भारतीय तेल कंपनियों पर असर

रिलायंस व नायरा एनर्जी मुश्किल में

एजेंसी। नयी दिल्ली

यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने रूस से आयातित तेल पर 18वां प्रतिबंध लागू किया है, जिससे भारत की दो प्रमुख निजी तेल कंपनियां—रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी—प्रभावित हो सकती हैं. नए प्रतिबंधों के तहत रूसी कच्चे तेल की कीमत को 47.6 डॉलर प्रति बैरल तक सीमित कर दिया गया है, जो पहले 60 डॉलर थी. यह नियम 3 सितंबर से प्रभावी होगा. रिलायंस इंडस्ट्रीज, जो भारत की सबसे बड़ी रिफाइनिंग कंपनी है और यूरोप को ईंधन का प्रमुख निर्यातक है, अब एक मुश्किल विकल्प के सामने खड़ी है. उसे या तो सस्ते रूसी तेल का आयात छोड़ना होगा या फिर यूरोप के बड़े डीजल बाजार से बाहर होना पड़ेगा. दोनों ही स्थितियां कंपनी के मुनाफे को प्रभावित कर सकती हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, यूरोपीय बाजार रिलायंस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन अब इस पर पकड़ बनाए रखना मुश्किल हो सकता है. इसके पीछे कारण है ईयू का कड़ा रुख और संभावित बैंकिंग व तकनीकी प्रतिबंध जो रूसी तेल से जुड़े व्यापार को प्रभावित करेंगे. रूसी कंपनी रोसनेफ्ट की नायरा एनर्जी में 49% हिस्सेदारी है, और नए ईयू प्रतिबंधों से नायरा को अपने परिचालन में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, नायरा को यूरोपीय बैंकों से वित्तीय लेनदेन में दिक्कत आ सकती है, साथ ही रिफाइनिंग तकनीक और उपकरणों की आपूर्ति में भी रुकावटें आ सकती हैं. इसके चलते यूरोपीय बाजार में रिफाइंड उत्पादों की बिक्री लगभग बंद हो सकती है.

रोसनेफ्ट की अपनी हिस्सेदारी बेचने की योजना भी इन पाबंदियों के कारण अधर में लटक सकती है. हालांकि, यह स्थिति सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों जैसे इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम के लिए फायदेमंद हो सकती है. ये कंपनियां यूरोपीय बाजार पर निर्भर नहीं हैं लेकिन रूसी तेल की बड़ी खरीदार हैं. हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पूर्व चेयरमैन एमके सुराना का कहना है कि अब रूसी तेल पहले से ज्यादा सस्ता और आकर्षक हो सकता है, क्योंकि पश्चिमी देशों की मांग घटने से भारत को बेहतर सौदे मिल सकते हैं. इन कंपनियों के लिए यह स्थिति इसलिए भी अनुकूल है क्योंकि वे डिलिवर्ड बेसिस पर तेल खरीदती हैं, जिसमें सप्लायर शिपिंग और बीमा जैसी जिम्मेदारियां लेता है.

भारत सरकार ने ईयू के इन एकतरफा प्रतिबंधों का विरोध किया है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ऊर्जा सुरक्षा को सबसे ऊपर रखता है और वैश्विक ऊर्जा व्यापार में समान नियमों की आवश्यकता है. उन्होंने कहा, ₹भारत एक जिम्मेदार देश के रूप में अपनी कानूनी प्रतिबद्धताओं का पालन करता है और एकतरफा प्रतिबंधों के खिलाफ है. हालांकि ईयू ने ये प्रतिबंध लागू किए हैं, लेकिन इनकी प्रभावशीलता अमेरिका के समर्थन पर भी निर्भर करती है. अधिकांश तेल व्यापार डॉलर में होता है और अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम के माध्यम से संचालित होता है. फिलहाल अमेरिका ने ईयू के इस कदम का समर्थन नहीं किया है, लेकिन रूस पर दबाव बनाने के लिए उसने अपने स्तर पर 100% टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है. ईयू के नए प्रतिबंध भारत के तेल व्यापार पर मिश्रित प्रभाव डाल सकते हैं.

डॉलर के खिलाफ साजिश पर भारी पड़ेगा अमेरिका का चाबुक

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर आक्रामक तेवर दिखाते हुए ब्रिक्स देशों को कड़ी चेतावनी दी है. व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि यदि ब्रिक्स गठबंधन अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश करता है, तो उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. उन्होंने ऐलान किया कि डॉलर के खिलाफ किसी भी साजिश की स्थिति में ब्रिक्स देशों के निर्यात पर 10 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा. यह बयान नए क्रिप्टोकरेंसी कानून पर हस्ताक्षर के मौके पर आया, जिसका मुख्य उद्देश्य डिजिटल असेट्स से जुड़े नियमों को मजबूत करना था. हालांकि ट्रंप ने इस अवसर का उपयोग वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को अमेरिका की मुद्रा नीति के प्रति सख्त रुख का संदेश देने के लिए किया. उन्होंने कहा, डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने की कीमत चुकानी पड़ेगी. ब्रिक्स में अब ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई भी शामिल हो चुके हैं.

बीमा जर्मनी की एलियांज व मुकेश की जेएफएसएल बनाएगी संयुक्त उपक्रम

भारत के बीमा बाजार पर होगा गहरा असर

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के बीमा बाजार में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है. जर्मनी की दिग्गज बीमा कंपनी एलियांज और मुकेश अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंसियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने मिलकर भारतीय बीमा सेक्टर में कदम रखने का फैसला किया है. इसके लिए दोनों कंपनियों ने 50:50 की साझेदारी के साथ एक संयुक्त उपक्रम बनाने की घोषणा की है. यह साझेदारी जीवन बीमा और सामान्य बीमा दोनों क्षेत्रों को कवर करेगी. यह समझौता अभी शुरुआती स्तर पर है, लेकिन जानकारों का मानना है कि इसका

असर आने वाले वर्षों में भारत के बीमा बाजार पर गहरा होगा. खास बात यह है कि एलियांज ने यह कदम अपनी 20 साल पुरानी भारतीय साझेदारी—बजाज फिनसर्व—से अलग होने के मात्र चार महीने बाद उठाया है. यह केवल साझेदार बदलने का मामला नहीं, बल्कि इलियांज की रणनीति में एक बड़ा बदलाव भी है. एलियांज अब पारंपरिक साझेदारियों की बजाय डिजिटल और आधुनिक वित्तीय इन्फ्रास्ट्रक्चर पर आधारित मॉडल को अपनाना चाहती है. कंपनी के सीईओ ओलिवर बेट ने साफ किया है कि वह भारत में विश्व स्तरीय वित्तीय सेवाएं प्रदान करना चाहते हैं और देश के रिस्क मैनेजमेंट सिस्टम का अभिन्न हिस्सा बनना चाहते हैं. भारत में बीमा कंपनियों के बीमा यानी रीइंश्योरेंस का बाजार अभी सीमित है.

सरकारी कंपनी जीआईस रि इसमें प्रमुख भूमिका निभाती है, जबकि विदेशी कंपनियां जैसे म्यूनिख रि, स्विस रि और स्कोर सि भारत में अपनी शाखाओं के जरिए काम करती हैं. लेकिन एलियांज व जेएफएसएल भारत में एक स्थानीय कंपनी बनाकर रीइंश्योरेंस सेक्टर में उतरना चाहते हैं, जिससे वे भारतीय बीमा नियामकों और बाजार के साथ गहराई से जुड़ सकें.

जेएफएसएल, जिसे पिछले साल रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग किया गया था, आज तेजी से एक प्रमुख वित्तीय सेवा प्रदाता के रूप में उभर रही है. यह कंपनी पहले से ही लोन, पेमेंट, लीजिंग और इंश्योरेंस ब्रोकिंग जैसे क्षेत्रों में सक्रिय है. इसके अलावा, जेएफएसएल ने दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैक राक के साथ मिलकर एसेट और वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएं भी शुरू की हैं. एलियांज के साथ यह नई साझेदारी जेएफएसएल को ₹वन-स्टॉप फाइनेंशियल सर्विसेज₹ प्लेटफॉर्म बनाने में मदद करेगी. भारत वर्तमान में दुनिया का 10वां सबसे बड़ा बीमा बाजार है और इसके और तेजी से बढ़ने की संभावना है. वित्त वर्ष 2025 में जीवन बीमा का प्रीमियम 8.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक था, जबकि सामान्य बीमा बाजार करीब 3.1 लाख करोड़ रुपये का था. इनमें वाहन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और संपत्ति बीमा जैसे क्षेत्र शामिल हैं. अगर यह संयुक्त उपक्रम सफल होता है, तो यह भारत के रीइंश्योरेंस और बीमा उद्योग के लिए एक बड़ा मोड़ साबित हो सकता है.

न्यूज अपडेट

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट जारी भंडार घटकर $696.67 अरब पर पहुंच गया

नयी दिल्ली। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई है. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 11 जुलाई 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में $3.064 बिलियन की कमी आई है, जिससे भंडार घटकर $696.672 बिलियन रह गया है. इससे पिछले सप्ताह भी भंडार में $3.049 बिलियन की गिरावट आई थी. यह गिरावट मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों, स्वर्ण भंडार और विशेष आहरण अधिकार में आई कमी के कारण दर्ज की गई है. आलोच्य सप्ताह के दौरान एफसीए में सबसे अधिक $2.477 बिलियन की गिरावट देखी गई है. इससे एक सप्ताह पहले इसमें $3.537 बिलियन की कमी आई थी.

बाजार ने 2025 की पहली छमाही में दिखाई मजबूती

नयी दिल्ली। 2025 की पहली छमाही में भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता के बावजूद आईपीओ बाजार ने मजबूत प्रदर्शन किया है. आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से जून 2025 के बीच कुल 108 आईपीओ लॉन्च हुए, जिनके माध्यम से 4.6 बिलियन डॉलर (लगभग 38,000 करोड़) जुटाए गए. यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में आईपीओ की संख्या में 30% की गिरावट को दर्शाता है, लेकिन पूंजी जुटाने में मात्र 2% की मामूली कमी आई है, जो आईपीओ की गुणवत्ता और निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है. इस अवधि में सबसे बड़ा आईपीओ हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का रहा, जिसने फरवरी में 1.0 बिलियन डॉलर जुटाए. इसके बाद रोडस्टार इन्फ्रा इनवेस्टमेंट ट्रस्ट ने मार्च में 524 मिलियन डॉलर और श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड ने जून में 410 मिलियन डॉलर की पेशकश की.

टाटा प्ले बिंज अब वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर

नयी दिल्ली। टाटा प्ले बिंज पर अब प्रसार भारती का लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स लॉन्च हो गया है. इस नई साझेदारी से टाटा प्ले बिंज को और व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचने में मदद मिलेगी. वेव्स पर सांस्कृतिक, पारिवारिक और क्षेत्रीय मनोरंजन का विशाल भंडार उपलब्ध है, जिसमें हिंदी, क्षेत्रीय और सदाबहार कार्यक्रम शामिल हैं. इस प्लेटफॉर्म पर दूरदर्शन के कई कार्यक्रम एक ही सदस्यता में देखे जा सकते हैं. टाटा प्ले बिंज के दर्शक वेव्स के सभी शो, धारावाहिक और लाइव कार्यक्रम का आनंद ले सकते हैं. 12 भारतीय भाषाओं में 20,000 से अधिक घंटे का मनोरंजन उपलब्ध है, जिसमें ब्योमकेश बक्षी, फौजी, हम लोग, सरपंच साहब, जाईये आप कहाँ जाएंगे और डेला बेला जैसे लोकप्रिय धारावाहिक शामिल हैं. इसके अलावा, अयोध्या से प्रभु श्री राम लला जी की आरती, हॉकी इंडिया लीग जैसे लाइव इवेंट्स भी देखे जा सकते हैं.

कीमत को ले चर्चा में गौतम अडानी की अडानी वेरिस

नयी दिल्ली। गौतम अडानी की अडानी रियलटी गुरुग्राम के सेक्टर 2, ग्वाल पहाड़ी में अपना नया अल्ट्रा-लक्जरी प्रोजेक्ट अडानी वेरिस लेकर आई है. यह प्रोजेक्ट अपनी शानदार सुविधाओं, बेहतरीन लोकेशन और कीमत को लेकर चर्चा में है. इसकी शुरुआती कीमत 20.65 करोड़ रुपये तय की गई है, जो इसकी भव्यता और प्रीमियम सुविधाओं को दर्शाती है. अडामी वेरिस एक हाई-एंड रेजिडेंशियल टावर है, जो लगभग 4 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है. इसमें कुल 34 एक्सक्लूसिव 4 बीएचके स्मार्ट होम्स होंगे, जिनका साइज करीब 333.91 वर्ग मीटर है. ये अपार्टमेंट्स प्रीमियम फिनिश, मॉडर्न किचन उपकरण और लक्जरी बाथरूम फिटिंग्स से लैस होंगे. इसके अलावा, बड़े विंडो पैनल्स के साथ पर्याप्त नेचुरल लाइट और वेंटिलेशन सुनिश्चित किया गया है. प्रोजेक्ट में साउथ-फेसिंग बालकनियां, वर्टिकल गार्डन, स्काई लाउंज, लैंडस्केप गार्डन, जिम, स्विमिंग पूल, इनडोर गेम्स ज़ोन और सोशल स्पेस शामिल हैं.

न्यूज अपडेट

जंगल हमारी धरोहर हैः मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई

नयी दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के 20 जजों के साथ दिल्ली सरकार के वन महोत्सव 2025 के तहत पीबीजी ग्राउंड दिल्ली रिज क्षेत्र में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए. इस अवसर पर उनके साथ दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे. इस मौके पर मुख्य न्यायाधीश गवई ने दिल्ली सरकार के प्रदूषण को लेकर युद्धस्तर पर किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अक्टूबर आते ही सबको चिंता होने लगती है. विकास जरूरी है, लेकिन हमें यह भी समझना होगा कि यह किस कीमत पर हो रहा है. जंगल हमारी धरोहर हैं, ये सिर्फ हमारे नहीं, आने वाली पीढ़ियों के भी हैं.

पंजाब में आम आदमी पार्टी के विधायक अनमोल ने दिया इस्तीफा

चंडीगढ़। पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आआपा) की विधायक अनमोल गगन मान ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान भी किया है. अनमोल गगन मान ने अपना इस्तीफा पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष सरदार कुलतार सिंह संधवां को भेजा है. अनमोल गगन मान ने पिछले दिनों आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के साथ भी मुलाकात की थी, जिसके बाद उनके सक्रिय राजनीति से दूर होने की चर्चाएं चल रही थी. शनिवार को इन चर्चाओं पर विराम लगाते हुए अनमोल ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया. अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर उन्होंने लिखा, मेरा दिल भारी है. लेकिन मैंने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है.

मथुरा : यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुई दो दुर्घटनाओं में छह की मौत

मथुरा। जिले में बलदेव थाना क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेस-वे माइल स्टोन 140 और 131 पर शुक्रवार की देर रात को दो सड़क हादसे हुए. दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 लोग घायल हो गए. सभी घायलों का इलाज आगरा और मथुरा के जिला अस्पतालों में चल रहा है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटनाओं में हुई लोगों की मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त की है. घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराये जाने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया है. जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल लिया.

अमेरिकी राजदूत की घोषणाः सीरिया-इजराइल युद्धविराम पर हुए सहमत

अंकारा। तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक ने शुक्रवार को कहा कि सीरिया और इजराइल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं. इस समझौते को तुर्किये, जॉर्डन और अन्य पड़ोसी देशों ने स्वीकार कर लिया है. बैरक सीरिया में अमेरिका के विशेष दूत भी हैं. उन्होंने एक्स पोस्ट पर यह जानकारी साझा की. बैरक ने ड्रूज, बेडौइन और सुन्नियों से हथियार डालने का आह्वान किया है. उन्होंने कहा कि यह लोग अन्य अल्पसंख्यकों के साथ मिलकर अपने पड़ोसियों के साथ शांति और समृद्धि में एकजुट होकर सीरियाई पहचान का निर्माण करें. उधर, सीरिया में अमेरिका के विशेष दूत बैरक की घोषणा पर अभी किसी भी पक्ष ने कोई टिप्पणी नहीं की. बुधवार को इजराइल ने सीरिया पर हवाई हमले किए थे.

लॉस एंजिल्स के पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में धमाका, तीन अफसरों की मौत

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के लॉस एंजिल्स में शुक्रवार सुबह हुए विस्फोट से लोग दहल गए. यह विस्फोट मोंटेरे पार्क स्थित बिस्कैलुज पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में हुआ. इस केंद्र के आवास से गुरुवार को बरामद विस्फोटक सामग्री और उपकरणों को जांच के लिए रखा गया था. जांच के लिए यहां पहुंचे अधिकारी जोशुआ केली-एकलुंड, विक्टर लेमस और विलियम ऑस्बोर्न अचानक हुए विस्फोट की चपेट में आ गए, जिससे इन तीन अधिकारियों की मौत हो गई. शेरिफ रॉबर्ट लूना ने एक संवाददाता सम्मेलन में घटना का विवरण देते हुए कहा कि विस्फोट में लॉस एंजिल्स शेरिफ के तीन तीन डिप्टी (पुलिस अधिकारी) अधिकारियों की मौत हो गई. किसी और को चोट नहीं आई.

मातृभाषा के सम्मान की लड़ाई लड़ने वालों के साथ हूंः ममता बनर्जी

कोलकाता। असम में बांग्ला भाषी मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ कथित भेदभाव के आरोपों पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को कठघरे में खड़ा किया है. इन लोगों के पास वैध भारतीय दस्तावेज नहीं होने और संदिग्ध बांग्लादेशी होने को लेकर जारी विवाद के बावजूद जो लोग अपनी मातृभाषा और पहचान के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वह उनके साथ खड़ी हैं. ममता ने इस मुद्दे को लेकर असम सरकार की आलोचना करते हुए इसे असंवैधानिक करार दिया. ममता बनर्जी ने शनिवार को अपने एक्स हैंडल से बयान जारी करते हुए लिखा, "देश की दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है बांग्ला और असम में भी यह दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है.

क्रिप्टो युग शुरू, ट्रंप ने जीनियस अधिनियम पर किए हस्ताक्षर

अमेरिका में क्रिप्टो को मिली कानूनी मान्यता

एजेंसी। वाशिंगटन

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक बदलाव हुआ. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में जीनियस अधिनियम पर हस्ताक्षर कर देश को आधिकारिक रूप से क्रिप्टोकरेंसी युग में प्रवेश करा दिया. यह अधिनियम अमेरिका का पहला प्रमुख संघीय क्रिप्टोकरेंसी कानून है, जिसे सीनेट ने पहले ही मंजूरी दे दी थी और गुरुवार को प्रतिनिधि सभा ने भी भारी बहुमत से पारित कर दिया. यह विधेयक मुख्य रूप से स्टेबलकॉइन—एक प्रकार की डिजिटल मुद्रा—को वैधता और व्यापक पहुंच प्रदान करने पर केंद्रित है. इसके जरिए बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को इन कॉइन्स को जारी करने की अनुमति और सुविधा मिलेगी, जिससे डिजिटल वित्तीय प्रणाली में आम जनता का विश्वास और निवेश दोनों बढ़ेंगे.

राष्ट्रपति ट्रंप ने कानून पर हस्ताक्षर करते हुए कहा, "मैंने वादा किया था कि अमेरिका को दुनिया की क्रिप्टो राजधानी बनाऊंगा और आज वह वादा पूरा हुआ. उन्होंने इसे डिजिटल अर्थव्यवस्था में एक ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि यह कदम अमेरिका को तकनीकी और आर्थिक रूप से आगे ले जाएगा. एबीसी न्यूज के अनुसार, ट्रंप परिवार लंबे समय से क्रिप्टोकरेंसी का समर्थक रहा है. इसी वर्ष की शुरुआत में ट्रंप ने खुद का एक क्रिप्टो मीम कॉइन लॉन्च किया था, जो बाजार में काफी चर्चा में रहा. इसके अलावा, उनके परिवार से जुड़ी कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल ने हाल ही में एक स्टेबलकॉइन भी जारी किया है, जिससे राजनीतिक विवाद भी पैदा हो गए हैं. प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक को 308 बनाम 122 मतों से पारित किया गया. इसे द्विदलीय समर्थन मिला, हालांकि अधिकांश समर्थन रिपब्लिकन सांसदों से आया. प्रतिनिधि सभा की वित्तीय सेवा समिति के अध्यक्ष फ्रेंच हिल ने कहा, "हमने राष्ट्रपति ट्रंप की इच्छा का सम्मान करते हुए इस विधेयक को समय पर पारित किया." हालांकि डेमोक्रेट सांसद मैक्सिन वाटर्स ने इसकी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह कानून ट्रंप परिवार को लाभ पहुंचाने के लिए लाया गया है. उन्होंने कहा कि वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल में ट्रंप परिवार की 60 फीसदी हिस्सेदारी है, जिससे हितों का टकराव स्पष्ट होता है. इस पर व्हाइट हाउस ने स्पष्टीकरण दिया कि ट्रंप की संपत्तियों का नियंत्रण अब उनके बच्चों के पास है और सरकार का किसी निजी कंपनी से कोई संबंध नहीं है. क्रिप्टोकरेंसी समर्थकों ने जीनियस अधिनियम को एक ऐतिहासिक जीत बताया है. लंबे समय से क्रिप्टो को वैधता और कानूनी सुरक्षा दिलाने के लिए उद्योग जगत प्रयासरत था.

इस कानून से डिजिटल मुद्रा को वैध मान्यता मिल गई है, जिससे तकनीकी निवेश, रोजगार और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा. ट्रंप ने अपने भाषण में कहा, यह सिर्फ कानून नहीं है, यह आपकी मेहनत, तकनीकी भविष्य और आर्थिक स्वतंत्रता के लिए एक मजबूत नींव है. इस ऐतिहासिक पल को अमेरिका के डिजिटल वित्तीय इतिहास में एक नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है.

2027 में भारत बनेगा तीसरी आर्थिक शक्तिः अमित शाह

एजेंसियां। देहरादून

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2047 में विकसित भारत की कल्पना तब तक पूरी नहीं हो सकती, जब तक छोटे व पूर्वी राज्यों का विकास नहीं होता. यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छोटे और पूर्वी राज्यों के विकास को लेकर पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं. अमित शाह ने घोषणा की कि 2027 में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरेगा. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रुद्रपुर में आयोजित उत्तराखंड निवेश उत्सव-2025 में जनसभा के दौरान यह कहा. उन्होंने कहा कि जब भी मैं उत्तराखंड आता हूं, एक नई ऊर्जा लेकर वापस जाता हूं क्योंकि उत्तराखंड में आते ही चारों धामों में निवासरत सारे देवी-देवताओ और आध्यात्म की अलख जगाने वाले संतों का आशीष प्राप्त हो जाता है. उन्होंने कहा कि एक ओर पर्वत की चोटियां पूरी दुनिया को आध्यात्म की ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करती हैं, वहीं यहां निवासरत साधु संत भारत की संस्कृति को मजबूत करने का काम कर रहे हैं. यहां की नदियां आधे भारत को सिंचाई और पीने का पानी दे रही हैं. केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की विशेष प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि मैदानी क्षेत्रों में निवेश और उद्योगों की स्थापना सरल कार्य है लेकिन छोटे से उत्तराखंड की जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में एक लाख करोड़ का उद्योगों पर निवेश के साथ ही 81 हजार से अधिक का रोजगार सृजित करवाना बेहद कठिन कार्य हैं और पुष्कर सिंह धामी व उनकी टीम ने अत्यंत कठिन कार्य पूरा किया. इसके लिए धामी और उनकी टीम को साधुवाद. कहा कि उत्तराखंड सरकार ने औद्योगिक विकास और पर्यावरण के बीच में संतुलन भी स्थापित किया है. रोजगार को स्थायित्व देने का काम किया है. नीतियों में पारदर्शिता, क्रियान्वयन में तीव्रता और दृष्टि में दूरदर्शिता के साथ ही उत्तराखंड के समग्र विकास का खांचा खींचा है. केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के संघर्ष के दौरान कांग्रेस ने उत्तराखंड के आंदोलनकारियों पर अत्याचार किए लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेयी ने उत्तराखंड को पृथक राज्य बनाने के साथ ही झारखंड व छत्तीसगढ़ को अलग राज्य घोषित किया. अटल विहारी वाजपेयी ने तीन राज्य बनाए और आज मोदी सरकार इन राज्यों को विकास की नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है. इस अवसर पर गृह मंत्री ने 5 योजनाओं का लोकार्पण व 13 योजनाओं का शिलान्यास भी किया.

ब्रिटेन ने रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी पर लगाया प्रतिबंध

लंदन। ब्रिटेन ने रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ की विदेशी सैन्य खुफिया एजेंसी जीआरयू पर गंभीर आरोप जड़ते हुए प्रतिबंध लगा दिया है. ब्रिटिश अधिकारियों ने शुक्रवार को जीआरयू और उसके 18 एजेंटों पर प्रतिबंध लगाने की पुष्टि की. अधिकारियों ने कहा कि यह प्रतिबंध ब्रिटेन और यूरोप में अराजकता और अव्यवस्था फैलाने की वजह से लगाए गए हैं.

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता फिश वेंकट का निधन

हैदराबाद। तेलुगु सिनेमा के मशहूर अभिनेता और कॉमेडियन फिश वेंकट का 53 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. उनके असमय जाने से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है. फिश वेंकट ने अपने करियर में अल्लू अर्जुन, पवन कल्याण जैसे बड़े सितारों के साथ काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी. बताया जा रहा है कि वे लंबे समय से किडनी की बीमारी से पीड़ित थे और समय पर उचित इलाज न मिल पाने के कारण उनका निधन हो गया. उनके निधन से तेलुगु फिल्म जगत ने एक प्रतिभाशाली कलाकार को खो दिया है. तेलुगु अभिनेता और कॉमेडियन फिश वेंकट का निधन हैदराबाद के एक अस्पताल में किडनी फेल होने की वजह से हो गया. हाल ही में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. डॉक्टर्स ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी थी, लेकिन आर्थिक तंगी के चलते परिवार इस महंगे इलाज का खर्च नहीं उठा सका.

नशे की लत से मुक्त युवा बना सकते हैं विकसित भारतः डॉ. मनसुख मांडविया

वाराणसी। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि भारत तभी विकसित राष्ट्र बन सकता है, जब युवा पीढ़ी नशे, मोबाइल और रील की लत से मुक्त हो. उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की आदतों से दूर रखना केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है. धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र के नेताओं को नशा विरोधी अभियान का हिस्सा बनना चाहिए. डॉ. मांडविया वाराणसी के सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में युवा मामले और खेल मंत्रालय और माई भारत मंच के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय 'युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे. सम्मेलन का मुख्य विषय था — 'विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा'. सम्मेलन में देशभर से 122 आध्यात्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के 600 से अधिक युवा प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं. केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि ्नशा, युवाओं के सामने एक गंभीर खतरा बनकर उभर रहा है. यह न केवल उनके भविष्य को, बल्कि देश की प्रगति को भी अवरुद्ध करता है. हमें केवल कुछ शिविरों या सीमित अभियानों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि इसके लिए एक जन आंदोलन खड़ा करना होगा.

बांग्लादेश के जमात-ए-इस्लामी का ढाका में शक्ति प्रदर्शन

ढाका। बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी ने आज राजधानी ढाका में रैली कर शक्ति प्रदर्शन किया. रैली में देशभर के विभिन्न हिस्सों से लगभग पांच लाख लोग बसों और रेलगाड़ियों से पहुंचे हैं. रैली में अंतरिम सरकार से आह्वान किया गया है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, तटस्थ और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए समान अवसर सुनिश्चित कराया जाए. यह रैली सुहरावर्दी उद्यान में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ सुबह लगभग साढ़े नौ बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम से शुरू हुई. रैली अभी भी चल रही है. इस उद्यान में बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी की रैली का यह पहला चरण है. जमात अमीर शफीकुर्रहमान के संबोधन में बड़ी घोषणा हो सकती है.

इतना सुंदर जन्मदिन तो मैंने दिल्ली में कभी नहीं मनाया शायद मुख्यमंत्री रूप में भी ना मना पाती : रेखा गुप्ता

जींद। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को अपने पैतृक गांव नंदगढ़ में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में अपना 51वां जन्मदिन मनाया. उनका जन्म इसी गांव में 19 जलाई 1974 को हुआ था. इस खास मौके पर यहां आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इतना सुंदर जन्मदिन तो मैने दिल्ली में कभी नहीं मनाया और शायद मुख्यमंत्री रूप में भी ना मनाती. उन्होंने कहा कि दिल्ली मेरी कर्मभूमि है और हरियाणा मेरी जन्मभूमि है. मैं यह ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि अपनी कर्मभूमि के लिए भी मैं काम आ सकूं और अपनी जन्मभूमि के लिए भी अपना कर्तव्य निभा सकूं. रेखा गुप्ता ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधथे हुए कहा कि जिस दिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यमुना के जल का आचमन किया और दिल्ली के उस व्यक्ति (केजरीवाल) ने अपशब्द बोले, उस दिन से उनकी उल्टी गंगा बहनी शुरू हुई. जनता ने कहा कि जब यमुना का सम्मान नहीं करते जब तुम्हें एहसास नहीं कि तुम किन शब्दों का उपयोग करते हो. जब तुम प्रधानमंत्री को कहते हो कि अगला जन्म लेना पड़ेगा, उस दिन दिल्ली की जनता ने यह तय कर लिया था कि अब नहीं. दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी है जो नायब सिंह सैनी जैसे साधारण परिवार से आने वाले बेटे को मुख्यमंत्री बनने का मौका देती है, एक साधारण सी बेटी को एक राज्य की मुख्यमंत्री बनने का मौका देती. मैं बता नहीं सकती कि यह मेरे लिए कितना सम्मान का क्षण है. प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बधाई देते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक जीवन यात्रा हमें यह बताती है कि भारत आज बदल रहा है. एक बेटी हरियाणा के नंदगढ़ गांव में जन्म लेती है और देश की राजधानी दिल्ली की मुख्यमंत्री बन जाती है. यह न केवल महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है बल्कि देश को संदेश देता है कि भारत के अवसर वंशवाद से नहीं परीश्रम से तय होते हैं.

कार्रवाई — अवैध धर्मांतरण के खिलाफ बड़ा एक्शन, छह राज्यों से 10 लोगों किया गया गिरफ्तार

कम उम्र की लड़कियों का धर्म परिवर्तन किया जाता था

एजेंसी। लखनऊ

अवैध धर्मांतरण के खिलाफ उत्तर प्रदेश पुलिस का अभियान जारी है. हाल ही में बलरामपुर जिले से गिरफ्तार जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के गिरोह का पर्दाफाश हुआ है. इसी कड़ी में छांगुर की तरह ही एक और गैंग का आगरा पुलिस ने शनिवार का खुलासा किया है. गिरोह में शामिल दस लोग अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार किये गए हैं. ये लोग प्रलोभन देकर कम उम्र की लड़कियों को फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन कराते थे. इस काम के लिए इन्हें विदेशों से फंडिंग हाती है.

लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय में आगरा पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के साथ पुलिस महानिदेशक

(डीजीपी) राजीव कृष्ण ने प्रेसावर्ता की. डीजीपी ने बताया कि पुलिस आयुक्त दीपक कुमार के नेतृत्व में कार्य करते हुए पुलिस ने छह राज्यों से 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इनके नाम गोवा निवासी आयशा, पश्चिम बंगाल के कोलकाता निवासी अली हसन, ओसामा, आगरा से रहमान कुरैशी, मुजफ्फरनगर निवासी अब्बू तालिब, उत्तराखंड के देहरादून निवासी अबुर रहमान, राजस्थान के जयपुर निवासी मोहम्मद अली, जुनैद कुरैशी, दिल्ली का मुस्तफा और जयपुर का मोहम्मद अली है. डीजीपी ने बताया कि पकड़े गए लोगों से पूछताछ में पता चला है कि ये विभिन्न राज्यों में रहने वाली कम उम्र की लड़कियों को प्रलोभन, लव जिहाद एवं अन्य तरीके से प्रभावित कर धर्मांतरण का कार्य करते थे. अतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के सिग्नेचर स्टाइल में अवैध धर्मांतरण का काम करने का यह ढंग है.

डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में इस ग्रुप का संबंध पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई), सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) और पाकिस्तान आतंकी संगठनों से भी होने के संकेत मिले है. मामले की कार्रवाई में आगरा पुलिस के साथ एसटीएफ, एटीएस को भी लगाया गया है.

जरूरत पड़ने पर राज्यों और केंद्रीय जांच एजेंसी का भी सहयोग लिया जाएगा. आगरा पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि मार्च महीने में दो सगी बहनों की गुमशुदी थाना सदर बाजार में दर्ज की गई. पुलिस ने साइबर सेल की मदद ली. घटना की तह तक जाने पर पता चला कि कई प्रदेश में बैठे हुए ऐसे लोग जो लव जिहाद में संलिप्त थे, उनकी फंडिंग कनाडा और अमेरिका से हो रही थी. साक्ष्य जुटाने के बाद पश्चिम बंगाल, गोवा, उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अभियान चलाकर उपरोक्त 10 लोगों को गिरफ्तार किया है.

पुलिस आयुक्त ने बताया कि इस नेटवर्क में लव जिहाद के उपयोग के लिए इन लोगों को विदेश से प्राप्त धन और धर्म परिवर्तन के साक्ष्य मिले हैं. अभियुक्त अलग-अलग रोल निभाते थे, जिसमें फंड प्राप्त करना, फंड को चैनलाइज करना, सैफ हाउस देना, लीगल एडवाइस देना, प्रेम जाल में फंसाना, धर्म परिवर्तन के लिए सब्जबाग दिखाकर प्रेरिक करना, धर्म परिवर्तन के लिए कागज तैयार करना आदि चीजें शामिल है. उन्होंने बताया कि मामले की जांच चल रही हैं, जिसमें और बड़े खुलासे होंगे.

प्रवासी भारतीयों के साथ मध्यप्रदेश का है मजबूत जुड़ावः डॉ मोहन यादव

बार्सिलोना। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश में अब विकास और निवेश साथ-साथ चल रहे हैं.विदेश में बसे भारतीय केवल नागरिक ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के संवाहक भी हैं. बार्सिलोना में भारतीयों का जो अपनापन दिखा, वह उन्हें उज्जैन की अनुभूति कराता है. उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश अब केवल संभावना नहीं, बल्कि निवेश का सशक्त मंच बन चुका है. राज्य सरकार ने नीति, प्रक्रिया और प्रोत्साहन के तीनों स्तरों पर गंभीर और प्रभावी सुधार किए हैं, जिससे निवेशकों को वास्तविक लाभ और विश्वास दोनों मिल रहे हैं.मुख्यमंत्री शुक्रवार देर शाम तीन दिवसीय स्पेन प्रवास के दौरान बार्सिलोना में प्रवासी भारतीयों और फ्रेंड्स ऑफ एमपी के बीच आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे. कहा कि भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां परंपरा और पर्वों की गरिमा बढ़ाते हैं. उन्होंने कहा कि यह केवल एक संवाद नहीं, बल्कि हृदय से हृदय का जुड़ाव है. सरकार निवेश को केवल आर्थिक लेन-देन नहीं मानती, बल्कि उसे भावनात्मक और दीर्घकालिक भागीदारी का माध्यम मानती है. कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक साख अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है. भारत एक मात्र ऐसा देश है जो 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त राशन उपलब्ध करा रहा है. यह भारत की क्षमताओं और व्यवस्था की शक्ति का परिचायक है. मुख्यमंत्री ने कहा है कि बार्सिलोना में आप सभी का उत्साह देखकर लग रहा है कि मैं उज्जैन में हूं. काउंसल जनरल इनबासेकर सुंदरमूर्ति के प्रभावशाली भाषण ने दिखा दिया है कि स्पेन के प्रवासी भारतीय आज भी अपनी मिट्टी से जुड़े हुए हैं. ईश्वर ने भारतीयों को यश दिया है कि जहां चाहें उसे ही स्वर्ग बना देते हैं. महाकाल की नगरी उज्जैन का गौरवशाली इतिहास रहा है. भारतीयों को देखकर लोग होली-दिवाली मना लेते हैं. प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतवंशियों की प्रतिष्ठा बढ़ी है. भारतीय, दूध में शक्कर की तरह घुल-मिल जाते हैं. ये देश है वीर जवानों का... भारतीय संस्कृति को दिखाता है. भारत वीरों का देश है.

स्वायत्ताधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक सुरजीत सिंह द्वारा फ्लैट नंबर 48, श्रीवाटिका अपार्टमेंट, चेशायर होम रोड, रेजीमेंटल गेट नंबर 1 के सामने, पोस्ट कोकर, पीएस सदर, रांची - 834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : सुरजीत सिंह. स्थानीय संपादक : संजय सिंह*** फोन नंबर 0651-2961734. (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)**